@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 31 जुलाई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 267 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

16 राज्यों में भारी बारिश बनी आफत

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड । घरों में मलबा घुसा । गाड़ियां बही । असम में बाढ़ से अब तक 78 की मौत

एजेंसी
भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना

देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत 16 राज्यों में भारी बारिश हो रही है। मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना में रेड अलर्ट है। रेड अलर्ट का मतलब है 24 घंटे में 204mm से ज्यादा बारिश।

उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड के पास लैंडस्लाइड होने से केदारनाथ यात्रा लगातार तीसरे दिन बंद है। इसके बाद कई घरों में मलबा घुस गया, गाड़ियां बह गईं। पहाड़ी-मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश से हरिद्वार में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। गंगाजल भरने गए कांवड़िये को SDRF टीम ने बहने से बचा लिया। असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है और तीन लाख से ज्यादा लोग अभी भी जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं।

● छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में बहे दंपती का शव और उनकी कार 4 दिन बाद मिले।

बारिश का कहर

- उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में पहाड़ी से बोल्डर गिरने से एक कार दब गई
- उत्तराखंड में उत्तरकाशी के स्याना चट्टी क्षेत्र में बड़ा पत्थर सड़क पर आ गिरा।
- देहरादून की जाखन नदी में बही 12 साल की बच्ची की जान फौजी और तीन युवकों ने बचाई।
- यूपी के बलिया में सरयू के किनारों पर हो रहे कटाव से 2 मकान नदी में समा गए।
- राजस्थान के चूरू में गुरुवार सुबह तेज बारिश के बाद बाजारों में 3 फीट तक पानी भर गया।
- राजस्थान के प्रतापगढ़ में तेज बारिश के बाद सड़कों पर पानी भरा।
- तेलंगाना के 5 जिलों में रेड अलर्ट, साइबराबाद में वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी

215 कुलपति और शिक्षाविदों ने प्रियंका गांधी को लिखा पत्र

● प्रो. कामकोटि पर की गई टिप्पणी पर जताई आपत्ति

एजेंसी
नई दिल्ली। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा की कथित टिप्पणी को लेकर देश के 215 कुलपतियों, पूर्व कुलपतियों और शिक्षाविदों ने नाराजगी जताई है। इन सभी ने प्रियंका गांधी को एक खुला पत्र लिखकर वैज्ञानिक सोच, अकादमिक गरिमा और सार्वजनिक विमर्श के मानकों को बनाए रखने की अपील की है। खुले पत्र की शुरुआत में कहा गया कि भारत की संसद हमेशा से एक ऐसा मंच रही है जहां विचारों पर बहस हो, असहमति गरिमा के साथ व्यक्त की जाए और व्यक्तियों को उनके तर्कों की शक्ति से आंका जाए। इसी भावना के साथ पत्र में प्रियंका गांधी के प्रो. वी. कामकोटि को 'गौमूत्र विशेषज्ञ' कहे जाने की टिप्पणी पर निराशा व्यक्त की गई। पत्र में लिखा गया कि चाहे यह टिप्पणी व्यंग्य में की गई हो या राजनीतिक बयानबाजी के रूप में, लेकिन इससे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि उससे कहीं बड़ी चिंताएं जुड़ी हैं। पत्र में प्रो. कामकोटि की शैक्षणिक उपलब्धियों का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि प्रो. कामकोटि देश के अग्रणी वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में से एक आईआईटी मद्रास के प्रमुख हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में एम.एस. और पीएच.डी. की डिग्री ली है। उनके नाम 150 से अधिक शोध पत्र और 50 से अधिक आर एंड डी प्रोजेक्ट्स हैं। उन्हें डीआरडीओ अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार और इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन टेक्नो विजनरी अवार्ड सहित कई सम्मान प्राप्त हैं। वे भारत के पहले उद्योग-स्तरीय माइक्रोप्रोसेसर के पीछे मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं। पत्र में कहा गया कि 'निःसंदेह वे देश के शीर्ष तकनीकी मस्तिष्कों में से एक हैं।' पत्र में कहा गया कि हर शिक्षाविद की तरह प्रो. कामकोटि को भी परिकल्पनाएं प्रस्तुत करने, पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने और वैज्ञानिक वार्तालापों में भाग लेने का अधिकार है। किसी विद्वान को लेबल लगाकर खारिज करने के बजाय उनके विचारों की विषय-वस्तु पर चर्चा न करना, उस वैज्ञानिक सोच को ही कमजोर करता है जिसे हमारा संविधान हर नागरिक में विकसित करने का आह्वान करता है।

पत्र में यह भी कहा गया कि ऐसी टिप्पणियों से देश के शैक्षणिक और शोध समुदाय में गलत संदेश जाता है। हमारे वैज्ञानिकों, विद्वानों और शिक्षकों को यह भरोसा होना चाहिए कि वे सार्वजनिक बहस में बिना किसी अपमानजनक लेबल के डर के भाग ले सकते हैं। आगे पत्र में लिखा गया, 'उनके तर्कों की आलोचना कीजिए, उनके साक्ष्यों को चुनौती दीजिए, प्रमाण के उच्च मानकों की मांग कीजिए, लेकिन स्वयं स्कॉलर को छोटा मत कीजिए। लोकतंत्र में असहमति जरूरी है। उपहास, तर्कसंगत जुड़ाव का विकल्प नहीं हो सकता।' पत्र के अंत में कहा गया कि सार्वजनिक प्रतिनिधियों का राष्ट्रीय विमर्श की गुणवत्ता पर बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जब जटिल वैज्ञानिक सवाल राजनीतिक उपहास का विषय बन जाते हैं, तो समाज सूचित बहस का अवसर खो देता है। पत्र लेखकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में बहसें, विशेषकर संसद के भीतर, इन मूल्यों को दर्शाएंगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने री-नीट परिणामों को चुनौती देने वाली चार याचिकाएं की खारिज

लगाया जुर्माना

एजेंसी
छत्रपति संभाजीनगर। बॉम्बे हाईकोर्ट की छत्रपति संभाजीनगर बेंच ने गुरुवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित री-नीट के नतीजों को चुनौती देने वाली चार याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एनटीए द्वारा घोषित परिणाम सही हैं और इनमें कोई गड़बड़ी नहीं मिली। कोर्ट ने गलत आरोपों के साथ कोर्ट का समय बर्बाद करने पर हर याचिकाकर्ता पर 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया। जस्टिस एन. बी. सूर्यवंशी और जस्टिस ए. डी. शिंदे की डिवीजन बेंच ने इन याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि री-नीट के नतीजे गलत घोषित किए गए हैं और उनकी आंसर शीट का मूल्यांकन ठीक से नहीं हुआ है। खारिज की गई चार याचिकाओं में रिट याचिका संख्या 8384/2026 - ऋचा (पिता प्रफुल्ल देशपांडे) बनाम भारत संघ और अन्य, याचिका संख्या 8403/2026 - सोहम (पिता नितिन गवते) बनाम भारत संघ और अन्य, याचिका संख्या 8420/2026 - अथर्व (पिता नरेंद्र जगताप) बनाम भारत संघ और अन्य तथा याचिका संख्या 22172/2026 - राहुल (पिता अरुणा नाग) बनाम भारत संघ और अन्य शामिल हैं।

'सीजेपी प्रदर्शनकारियों पर एक्शन नहीं होगा'

पुलिस ने 13 एफआईआर दर्ज की थीं । जिनका क्रिमिनल रिकॉर्ड । उनपर एक्शन होगा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने गुरुवार को कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पुलिस ने एक बयान में कहा है कि 29 जुलाई की शाम 6 बजे तक NEET (UG) परीक्षा में अनियमितताओं से जुड़े प्रदर्शन को लेकर 13 FIR दर्ज की गई थीं।

सरकार के आदेश के अनुसार, जिन लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, उन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने कहा कि जिन लोगों का क्रिमिनल रिकॉर्ड है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। सरकार ने यह भी कहा कि इस मामले को अब बंद माना जाएगा और भविष्य में इन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई नई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अबतक 4 राज्य सरकारें NEET-UG 2026 पेपर लीक विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले और FIR वापस लेने की घोषणा कर चुकी हैं। इनमें असम, बिहार, महाराष्ट्र और दिल्ली शामिल हैं। बिहार पुलिस ने 26 जुलाई की शाम 6 बजे तक दर्ज सभी मामले वापस लेने का ऐलान किया था।

● दिल्ली पुलिस का दावा- प्रदर्शनकारियों में रेपिस्ट-डकैत भी शामिल थे

दिल्ली पुलिस फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (FCR) के जरिए जंतर मंतर पर प्रोटेस्ट करने वालों की पहचान की। दिल्ली पुलिस की जांच में दावा किया गया है कि जांच में 2,873 लोगों का वैरिफिकेशन हुआ। इनमें से 989 पर हत्या, डकैती, लूट, रेप से जुड़े मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक जांच में 101 लोग हत्या, 62 हत्या के प्रयास, 284 लूट-डकैती, 229 आर्म्स एक्ट, 135 स्नैचिंग, 19 अपहरण और 67 NDPS एक्ट से जुड़े मामलों में आरोपी पाए गए। इसके अलावा 61 लोगों के खिलाफ रेप, 25 के खिलाफ महिलाओं से छेड़छाड़ और 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामले दर्ज पाए गए।

9 से 17 अगस्त तक राजस्थान में चलेगा 'हर घर तिरंगा' अभियान

एजेंसी
जयपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' भी मनाया जाएगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सभी विभागों को अभियान का प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करते हुए अधिकाधिक जनभागीदारी पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि अभियान के दौरान ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, स्वतंत्रता सेनानियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा आमजन की सहभागिता से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इन आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत तिरंगा रैलियां, 'वंदे मातरम्' सामूहिक गायन, तिरंगा कन्सर्ट, साइकिल एवं ई-बाइक रैलियां, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन एवं योगदान पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी विशेष गतिविधियां होंगी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं

दिल्ली सरकार को आदेश । केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात RAF के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी।

वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद ही लागू किया गया ई20 पेट्रोल

पुराने वाहनों पर भी नहीं मिला कोई बड़ा नकारात्मक असरः सरकार

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद में स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) को देश भर में चरणबद्ध तरीके से लागू करने से पहले व्यापक वैज्ञानिक परीक्षण, फील्ड ट्रायल और सभी संबंधित पक्षों से विस्तृत परामर्श किया गया था। सरकार का कहना है कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल पुराने और नए दोनों प्रकार के वाहनों के लिए सुरक्षित है। लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम),

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) तथा अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ वैज्ञानिक और परामर्श आधारित प्रक्रिया के बाद लागू किया गया। मंत्री ने बताया कि ई20 ईंधन लागू करने से पहले एआरएआई, एसआईएएम, इंडियन ऑयल (आईओसीएल), आईआईपी और वाहन निर्माताओं ने व्यापक प्रयोगशाला परीक्षण और वास्तविक परिस्थितियों में फील्ड ट्रायल किए। इन परीक्षणों में इंजन की मजबूती, ड्राइविंग प्रदर्शन, स्टार्ट होने की क्षमता, जंग-रोधी क्षमता, विभिन्न पुर्जों की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की गई। सरकार के अनुसार, इन सभी अध्ययनों में यह पुष्टि हुई कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल पूरी तरह सुरक्षित है। सरकार ने कहा कि परीक्षणों में यह भी पाया गया कि पुराने वाहनों के प्रदर्शन में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई और न ही इंजन या अन्य पुर्जों में असामान्य घिसावट देखने को मिली।

सरकार ने माना- ई-20 पेट्रोल से बीएस-3 गाड़ियों को नुकसान

राज्यसभा में गडकरी बोले- कुछ रबर पार्ट्स बदलने पड़ सकते हैं, इंजन बदलने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पहली बार माना कि ई-20 पेट्रोल (20फीसदी एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) इस्तेमाल करने से गाड़ियों को नुकसान पहुंच सकता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा- बीएस-3 मानक वाली कुछ पुरानी गाड़ियों में ई-20 के कारण कुछ रबर पार्ट्स और गैस्केट बदलने पड़ सकते हैं।

छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर संसद में विपक्ष का हंगामा

● विपक्ष ने गृह मंत्री से मांगा जवाब

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के सांसदों ने छात्रों के प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सदन में विस्तृत जवाब देने, जांच रिपोर्ट पेश करने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि विपक्ष इस मामले पर चर्चा चाहता है, लेकिन केवल चर्चा से समस्या का समाधान नहीं होगा। जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। कुछ छात्रों के शरीर से छर्रे (पेलेट्स) निकाले गए हैं और मेडिको-लीगल रिपोर्ट (एमएलसी) में धातु के टुकड़ों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने झारखंड की एक छात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि उसकी चोटें बेहद गंभीर हैं। देश के युवाओं को आंसू गैस और लाठीचार्ज का सामना क्यों करना पड़ा और गृह मंत्री को स्वयं संसद में आकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

पश्चिम एशिया संकट पर सीसीएस की बैठक

मोदी ने नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

● सरकार ने बताया कि चुनिंदा पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक पर अस्थायी रूप से सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) से छूट दी गई थी।

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद स्थित अपने कार्यालय में कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहे। मीटिंग में शामिल अन्य मंत्रियों में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, यह मीटिंग पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की ऊर्जा और ईंधन

आपूर्ति पर इसके असर की समीक्षा करने के लिए बुलाई गई थी। होर्मुज जलडमरूमध्य अभी बाधित है, जिसके कारण वैश्विक बाजारों में पेट्रोलियम उत्पादों की कमी हो गई है और कीमतें बढ़ गई हैं।

इस क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर हमलों के कारण स्थिति और जटिल हो गई है। भारतीय नाविकों की मौत भी एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है और सरकार ने ईरान और अमेरिका के साथ यह मुद्दा उठाया है। सरकार ने इस सप्ताह संसद को सूचित किया कि उसने पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद ऊर्जा सहित महत्वपूर्ण औद्योगिक इनपुट की उपलब्धता सुनिश्चित करने, इनपुट लागत के दबाव को कम करने, व्यापार को सुविधाजनक बनाने, औद्योगिक गतिविधियों का समर्थन करने और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता की रक्षा के लिए कई उपाय किए हैं। सरकार ने गैस की सुनिश्चित आपूर्ति, आयात स्रोतों में विविधता, अग्रिम खरीद और बफर स्टॉक के रखरखाव के माध्यम से उर्वरकों और अन्य आवश्यक कृषि इनपुट की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित की है। पश्चिम एशिया में हाल की भू-राजनीतिक घटनाओं ने दुनियाभर के देशों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है, जिसका कच्चे तेल का आयात करने वाली उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा असर पड़ा है। इस संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिससे भारत के लिए कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया है।

शिक्षा को कारोबार बनाने का आरोप

मनुस्मृति के उल्लेख पर राज्यसभा में हंगामा

'यदि किसी सदस्य को आपत्ति है तो उस पर विचार किया जाएगा'

एजेंसी
नई दिल्ली। राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार की शिक्षा नीति पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण शिक्षा एक बड़े कारोबार में बदल गई है और इसका सबसे अधिक नुकसान गरीब परिवारों के बच्चों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मनुस्मृति का उल्लेख किया और कहा कि शिक्षा में वंचित वर्गों के साथ भेदभाव किया जाता था। मनुस्मृति का उल्लेख किए जाने पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई, जिससे सदन में हंगामा हो गया। खड़गे के इस वक्तव्य पर नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा, 'अभी नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो वक्तव्य दिया है, उससे समाज में द्वेष की भावना पैदा होती है और अशांति का वातावरण बनता है। हम सभी इस सदन के जिम्मेदार

सदस्य हैं। जहां तक मेरी जानकारी है, उन्होंने जो बातें कही हैं, वे तथ्यों से परे हैं।' खड़गे ने कहा कि शिक्षा अब एक बड़ा कारोबार बन चुकी है। निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, और इसकी वजह से गरीब परिवारों के बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या 70,000 से अधिक है, जिनमें लगभग 4 करोड़ 50 लाख छात्र अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों का नामांकन आज भी राष्ट्रीय औसत से कम है। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांग छात्रों की भागीदारी केवल 0.12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति उस सोच का प्रतीक है, जो शिक्षा को सबका अधिकार नहीं बल्कि कुछ लोगों का विशेषाधिकार मानती है। उनके अनुसार सरकार की नीतियां बार-बार उस मनुवादी सोच की याद दिलाती हैं, जिसका उल्लेख मनुस्मृति में मिलता है। इसके बाद खड़गे ने कहा कि वह मनुस्मृति का एक श्लोक पढ़ना चाहते हैं, लेकिन संस्कृत अच्छी तरह नहीं पढ़ पाने के कारण उसका हिंदी अनुवाद पढ़ेंगे। जैसे ही उन्होंने इसका उल्लेख शुरू किया, सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विरोध जताना शुरू कर दिया और सदन में शोर-शराबा होने लगा।

मनमोहन सिंह के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई समाप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही समाप्त कर दी है। अदालत ने 2015 में जारी समन और निचली अदालत के आदेश को निरस्त करते हुए कहा, सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने का कोई ठोस आधार नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में माना है, डॉ. सिंह के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद नहीं थे। इस फैसले को पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा के लिए महत्वपूर्ण राहत माना जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह अब स्वर्गवासी हो चुके हैं। उनकी मृत्यु के बाद सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उनके किस काम का है। यह कहना मुश्किल है। फिर भी यह कहा जा सकता है कि उनके ऊपर जो दाग लगा था। इस फैसले के बाद वह धुल गया है।

फोन कॉल पर सैकड़ों महिलाओं ने कराया मुंडन, सरकारी योजना के नाम पर पाखंड

सलेम (एजेंसी)। तमिलनाडु में सरकारी योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने सैकड़ों महिलाओं से मुंडन करवा दिया। ठगों ने खुद को तहसीलदार बताकर फोन किया। साइबर ठगों ने दावा किया,सरकार मुंडन कराने वाली महिलाओं को 15,000 रुपये, पुरुषों को 6,000 तथा कॉलेज की छात्राओं को 45,000 रुपये की विशेष सहायता राशि दे रही है। योजना का लाभ पाने के लिए पहले मुंडन कराकर फोटो और दस्तावेज भेजने की बात कही गई। सरकारी अधिकारी के नाम पर आए फोन पर विश्वास कर बड़ी संख्या में लोगों ने मुंडन करा लिया। बाद में जब तहसील कार्यालय में योजना की जानकारी ली गई। पता चला कि ऐसी कोई सरकारी योजना अस्तित्व में ही नहीं है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है, किसी भी सरकारी योजना की जानकारी केवल आधिकारिक माध्यमों से सत्यापित करें। ऐसे भ्रामक फोन कॉल से सावधान रहें।

तमिलनाडु के स्कूलों में बच्चों को मिलेगी चिकन बिरयानी, विजय सरकार कर रही विचार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय जल्द ही स्कूली बच्चों को बड़ा तोहफा दे सकते हैं। चर्चा है कि विजय सरकार स्कूली बच्चों को हर हफ्ते चिकन बिरयानी देने की तैयारी कर रही है। इस मामले में एक प्रस्ताव पर समीक्षा की जा रही है और जल्द ही इसे धरातल पर उतारा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस योजना को लागू करने के लिए तमिलनाडु की स्कूली पोषण योजना में बदलाव किया जाएगा। नए बदलावों में सरकारी स्कूलों के छात्रों को हफ्ते में एक दिन चिकन बिरयानी देने का प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के स्कूली शिक्षा मंत्री राजमोहन ने बीते दिनों यह विचार सीएम विजय के सामने रखा। रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्ताव पर बात करते हुए स्कूली शिक्षा मंत्री राजमोहन ने तमिलनाडु के सियासी इतिहास और बच्चों के लिए पूर्व में मौजूद पोषण कार्यक्रमों का जिक्र किया। राजमोहन ने कहा कि के कामराज ने मिड-डे मील योजना की शुरुआत की, कलाईनार करुणानिधि ने इसमें अंडे जोड़े, एमजीआर ने इसे न्यूट्रिशियस मील प्रोग्राम में बदला और जयललिता ने पूरे हफ्ते अंडे बांटने की व्यवस्था की। इसी तरह मेरी भी इच्छा है कि हमारी सरकार के तहत सरकारी स्कूलों में हफ्ते में एक दिन छात्रों को चिकन बिरयानी दी जाए। रिपोर्ट के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि सीएम विजय इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है।

जिस वर्ग को कॉकरोच कहकर अपमानित किया, वे जेन-जी युवा हैं : उद्धव ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जेन-जी और खासकर कॉकरोच की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह आज की नई पीढ़ी को कॉकरोच कहकर खारिज किया जा रहा है, ठीक उसी तरह मुगलों ने भी मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज को चूहा कहा था। उद्धव ने कहा कि यदि युवाओं को कॉकरोच कहा जाएगा, तो उनका नाराज होना स्वाभाविक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में एक कार्यक्रम में पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि लगभग 13 से 28 साल की आयु वाले जिस वर्ग को कॉकरोच कहकर अपमानित किया गया, वे वास्तव में जेन-जी श्रेणी के युवा हैं। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज भी केवल 17 साल के थे जब उन्होंने तोरणा किला जीता था और संत ज्ञानेश्वर ने भी बेहद कम उम्र में ज्ञानेश्वरी की रचना की थी। उद्धव ने आगे कहा कि जिन्हें कॉकरोच कहकर अपमानित किया गया, वे उसी वर्ग से आते हैं जिसे अब हम जनरेशन जी कहते हैं, जिनकी उम्र करीब 13-14 से 27-28 साल के बीच है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि आवाज उठाने और अन्याय के खिलाफ बोलने पर आज के युवाओं को छोटा या कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। बता दें उद्धव ठाकरे का यह बयान ऐसे समय में आया है जब संसद के चल रहे मॉनसून सत्र में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपने भाषणों के दौरान जेन-जी की शब्द और स्लैंग का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। केंद्र सरकार के सुधारों का बचाव करने वाले सत्ता पक्ष के सदस्यों से लेकर नीट विवाद पर सरकार को घेरने वाले विपक्षी सांसदों तक सभी ने सोशल मीडिया पर मशहूर इन शब्दों का बहसों में इस्तेमाल किया है। उद्धव ठाकरे ने लोकसभा सदस्यों की संख्या बढ़ाने से जुड़े प्रस्तावित विधेयक के औचित्य पर सवाल उठाते हुए उद्धव ने आरोप लगाया कि इस विधेयक के समर्थन के लिए सांसदों को अपनी ओर किया जा रहा है। उद्धव का इशारा पिछले महीने शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सदस्यों के एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होने के घटनाक्रम की ओर था। उद्धव ने कहा कि सांसदों की संख्या बढ़ाने के बजाय रोजगार के अवसर बढ़ाइए। उन्होंने सवाल किया कि यदि मौजूदा 550 सांसदों को ही सदन में बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता है, तो 850 सांसदों को बोलने का समय कैसे मिलेगा। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए छात्र आंदोलन और तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने वाले युवाओं की तारीफ की। उद्धव ने कहा कि जब सभी को लगने लगा था कि लोकतंत्र खत्म हो गया है, तब युवाओं ने अपने आंदोलन के जरिये उसमें नई जान डाल दी।

सख्त सजा से ज्यादा जरुरी है पेपर लीक होने की संभावना को खत्म करना

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अनुचित साधनों पर सख्ती बढ़ाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को बुधवार को लोकसभा से ध्वनिमत से पारित करा लिया। विधेयक में पेपर लीक और संगठित परीक्षा घोटालों के लिए कड़ी सजा, भारी जुर्माने, समयबद्ध जांच और फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रावधान किया गया है। हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इस कानून को अधूरा बताते हुए कहा कि इसमें पेपर लीक रोकने के मूल उपायों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है।

सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि सरकार का ध्यान मुख्य रूप से पेपर लीक होने के बाद की कार्रवाई पर है, जबकि सबसे जरूरी सवाल यह है कि ऐसी घटनाओं को होने से पहले कैसे रोका जाए। उनके अनुसार, फास्ट ट्रैक कोर्ट, सख्त सजा और भारी जुर्माना आवश्यक हैं, लेकिन परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को दूर किए बिना समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा। रांका ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में व्यापक सुधार किए जाएं, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) को वैधानिक निकाय का दर्जा मिले, परीक्षा कैलेंडर और पाठ्यक्रम में पारदर्शिता लाई जाए तथा परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े वेंडरों और कोचिंग संस्थानों की सख्त निगरानी हो। उन्होंने कहा कि ब्लैकलिस्ट किए गए वेंडरों को दोबारा काम करने से रोकना, डिजिटल और भौतिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना तथा पूरी परीक्षा व्यवस्था को मजबूत करना समय की मांग है।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय शिक्षा और परीक्षा प्रणाली से जुड़े विशेषज्ञों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाए। उनका कहना है कि यह केवल कानून का नहीं, बल्कि देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य का सवाल है। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और हंगामा भी हुआ। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सरकार की ओर से चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी। संशोधित कानून के तहत प्रश्नपत्र लीक करने या अन्य अनुचित साधनों का उपयोग करने पर न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष तक की सजा तथा 50 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सात वर्ष की कैद और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही सभी जांच दो महीने के भीतर पूरी करने और आरोपपत्र दाखिल होने के तीन महीने के अंदर मुकदमे का निपटारा करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। इस बीच केंद्र सरकार पहले ही परीक्षा सुधारों के लिए इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में छह सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन कर चुकी है। यह समिति परीक्षा प्रणाली में सुधार और भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक सुझाव तैयार करेगी।

पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज पन्नीरसेल्वम, थाम सकते हैं टीवीके का दामन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के पूर्व सीएम और डीएमके विधायक ओ. पन्नीरसेल्वम नाराज बताए जा रहे हैं। उनकी नाराजगी डीएमके के साथ है। वह पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज हैं। बता दें उन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ने की खबरों का खंडन किया था। सूत्रों का कहना है कि डीएमके में शामिल हुए छह महीने बीत जाने के बाद भी वे और उनके बेटे दोनों को ही पार्टी के भीतर कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीते विधानसभा चुनाव में थेनी सीट से विधायक बनने के बाद पन्नीरसेल्वम को थेनी लोकसभा क्षेत्र में कोई अहम भूमिका या जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। इसका मुख्य कारण यह माना जा रहा है कि वहां से डीएमके सांसद थंगा तमिल सेल्वन का निर्वाचन क्षेत्र में दबदबा है और वे ही वहां के राजनीतिक मामलों को देख रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र में अपनी उपेक्षा और अहम पद न मिलने से निराश होकर पन्नीरसेल्वम और उनके बेटे ओपी रवींद्रनाथ अब डीएमके को अलविदा कहने और अभिनेता-नेता विजय की पार्टी टीवीके में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। बता दें तमिलनाडु में चुनावों में अपने इतिहास में पहली बार तीसरे स्थान पर खिसकने और लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद, तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक में भी हाल के दिनों टूट का सिलसिला जारी रहा। बीते महीने चार लोकप्रिय पूर्व मंत्रियों और कई पूर्व विधायकों ने अन्नाद्रमुक का साथ छोड़कर सीएम विजय की सत्ताधारी पार्टी टीवीके का दामन थाम लिया था। टीवीके में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता उडुमलाई के राधाकृष्णन, एम सी संपत, कड़म्बूर सी राजू और एन आर शिवपति शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने पूर्वी तट मार्ग पर स्थित पनायुर उपनगर में टीवीके के मुख्य कार्यालय का दौरा किया। वहां उन्होंने टीवीके के महासचिव आनंद और चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधाव अर्जुना से मुलाकात की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

छात्रों पर गोली चली ही नहीं, तो फायरिंग का आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता

-बीजेपी सांसद पात्रा ने कहा राहुल गांधी तथ्यों के बजाय जनता में भ्रम फैला रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में छात्रों पर फायरिंग और गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों को लेकर बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी तथ्यों के बजाय भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी को कानून और प्रक्रिया की जानकारी नहीं है तो उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं से जानकारी लेनी चाहिए, लेकिन जागते हुए जो सो रहे हैं, उन्हें जगाया नहीं जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा में दावा किया कि छात्र आंदोलन में पुलिस ने गोली चलाई और इसका आदेश गृह मंत्री अमित शाह ने दिया। बीजेपी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठ और निराधार बताते हुए कहा कि छात्रों पर गोली चली ही नहीं, इसलिए फायरिंग का आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता। संबित पात्रा ने कहा कि किसी भी प्रदर्शन या मार्च के दौरान यदि कानून-व्यवस्था की स्थिति बनती है तो मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट परिस्थितियों के मुताबिक फैसा लेते हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री इस तरह की कार्रवाई का आदेश नहीं देते। ऐसे में अमित शाह पर लगाया गया आरोप जनता को गुमराह करने वाला है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के भाषण में इडियट और अंधभक्त जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने छात्रों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटते हुए उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि देश का हर छात्र एक विद्यार्थी है और किसी भी छात्र को इडियट या अंधभक्त कहना स्वीकार नहीं किया जा सकता। लोकसभा में राहुल गांधी की ओर से गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए पात्रा ने कहा कि अमित शाह किसी भी कार्यक्रम में छिपकर नहीं जाते।

उन्होंने दावा किया कि गृह मंत्री के सभी सार्वजनिक कार्यक्रम पहले से घोषित होते हैं और जिस समय राहुल गांधी भाषण दे रहे थे, उस दौरान भी अमित शाह सदन में मौजूद थे। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने केवल सनसनी फैलाने के लिए उनका नाम लिया। पात्रा ने कहा कि सार्वजनिक परीक्षाओं में गड़बड़ियों को रोकने के लिए सरकार पहले ही 2024 में कानून बना चुकी थी और अब उसे और ज्यादा कठोर बनाने के लिए संशोधन लाया गया है। उन्होंने बताया कि इस विधेयक पर करीब 45 सांसदों ने चर्चा की और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे लोकसभा में पेश किया। पात्रा ने इसके लिए पीएम मोदी का आभार माना।

पंजाब में पेपर लीक मामले में सीजेपी की चुप्पी पर उठा रहे सवाल

बीजेपी, कांग्रेस ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को 36 दिनों के छात्र आंदोलन के बाद इस्तीफा देना पड़ा। इस घटना ने पूरे देश में पेपर लीक के मामलों पर सरकारों की जवाबदेही पर नए सिरे से बहस छेड़ दी है। इसी पृष्ठभूमि में, पंजाब में भी पेपर लीक का मुद्दा गर्माया हुआ है, लेकिन भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार फिलहाल पूरे मामले में चुप है। फरीदकोट स्थित बाबा फरीद यूनिवर्सिटी से जुड़ी फार्मेसी ऑफिसर परीक्षा के पेपर लीक और नकल का मामला सामने आने के बाद सूबे की राजनीति में उबाल आ चुका है। कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल सहित सभी प्रमुख विपक्षी दल मान सरकार के खिलाफ लामबंद हैं। विपक्षी दल पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, उनका तर्क है कि जब केंद्र सरकार ने नैतिकता के आधार पर अपने मंत्री का इस्तीफा लिया, तब पंजाब की आप सरकार क्यों अपनी विफलताओं से मुंह मोड़ रही है?

जहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर आरोप लगाया कि बीते साढ़े चार सालों में मान सरकार के कार्यकाल में फार्मेसी भर्ती परीक्षा, 12वीं अंग्रेजी परीक्षा, ग्रुप-बी पेपर, नायब तहसीलदार और कृषि अधिकारी भर्ती परीक्षा सहित कम से कम छह बड़े पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। लेकिन इस पर सीएम मान और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल चुप्पी साधे हुए है। हालांकि, मुख्यमंत्री भगवंत मान इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दावा किया है कि उनकी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। सरकार का तर्क है कि जो मामला सामने आया, वह असल में हाई-टेक नकल गिरोह का था, जिसमें पेन कैमरे और ब्लूटूथ डिवाइस का इस्तेमाल हुआ था, और पुलिस ने तत्परता दिखाकर आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया। विपक्षी दल इस तर्क को सिरे से खारिज कर इस मान सरकार की विफलता छिपाने का प्रयास बता रहे हैं, उनका कहना है कि परीक्षा की पवित्रता का भंग होना सीधे तौर पर व्यवस्था की चूक है।

इस बीच, सबसे बड़ा सवाल कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की चुप्पी पर उठ रहा है, जिसने जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ आक्रामक छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया था। विपक्षी दल, विशेषकर दिल्ली भाजपा सरकार में शिक्षा मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, सीजेपी पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। सिरसा ने सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को उनके पुराने वादे की याद दिलाकर कहा कि उन्हें पंजाब के युवाओं के लिए भी आवाज उठानी चाहिए। उनका सवाल है कि दिल्ली में हमलावर रहने वाली सीजेपी पंजाब के छात्रों के भविष्य पर खामोश क्यों है?

वहीं, सीजेपी के फाउंडर दीपके ने फिलहाल वेट एंड वाच मोड में रहने की बात कही है। उन्होंने मीडिया से थोड़ा समय देने का आग्रह कर कहा कि उनकी टीम पंजाब के मुद्दे पर रणनीति बना रही है और जल्द ही आगे की योजना का ऐलान होगा। उनका तर्क है कि दिल्ली का आंदोलन हाल ही में खत्म हुआ है, इसलिए उन्हें पूरी तैयारी के साथ नए मुद्दे पर उतरने के लिए समय चाहिए। बहरहाल, पंजाब में पेपर लीक का मुद्दा लगातार गरमा रहा है और मान सरकार पर बढ़ता राजनीतिक दबाव साफ दिख रहा है। विपक्ष की आक्रामकता और छात्र संगठनों के संभावित लामबंदी के बीच, सीजेपी की चुप्पी भी अब सवालों के घेरे में आ गई है, जिससे यह मामला और भी जटिल होता जा रहा है।

घायल के इलाज का आदेश देकर बोला सुप्रीम कोर्ट- असाधारण परिस्थितियों में कर सकते पैलेट गन का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान घायल हुए लोगों, विशेषकर पैलेट गन के छर्रों से जख्मी हुए प्रदर्शनकारियों के इलाज का निर्देश रेखा गुप्ता सरकार को दिया है। शीर्ष अदालत ने इस दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी. मोहाना भी शामिल थे, ने दिल्ली बीजेपी सरकार को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को उचित चिकित्सा सुविधा मिले। यह आदेश 20 जुलाई को पेपर लीक के विरोध में सीजेपी के बैनर तले संसद मार्च के दौरान हुई घटनाओं के संदर्भ में आया है। अदालत ने प्रदर्शन के दौरान तैनात रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) द्वारा हथियारों के उपयोग का रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद और पैलेट से घायल हुए दो अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका पर गौर किया, जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धातु वाले पैलेट गन के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग हुई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) के परामर्श का हवाला देकर कहा कि असाधारण परिस्थितियों में पुलिस को पैलेट गन के इस्तेमाल का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि वह 20 जुलाई को सीजेपी की अगुवाई में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के उपयोग से संबंधित मामले की सुनवाई के लिए तैयार है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि घटना में दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर पैलेट गन का इस्तेमाल किया, जिससे कई लोग घायल हुए और एक छात्र की आंखों की रोशनी चली जाने का आरोप है। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर जनहित याचिका में सभी घायलों के लिए उचित मुआवजा, समुचित चिकित्सा सुविधा और पुनर्वास की भी मांग की गई है।

नड्डा संग टीएमसी नेताओं ने किया भोजन शत्रुघ्न सिन्हा पर टिकी नजर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक तस्वीर ने इन दिनों नई बहस छेड़ दी है, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। संसद परिसर में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और सौगत रॉय की मौजूदगी को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दोनों वरिष्ठ टीएमसी नेताओं का नड्डा के साथ बातचीत करना और भोजन करते हुए तस्वीर सामने आना, राजनीतिक अटकलों को तेज़ कर गया है, हालांकि इस मुलाकात के पीछे के वास्तविक कारणों पर अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।दरअसल, संसद के एनेक्सी भवन में बुधवार को क्षय रोग (टीबी) से जुड़े एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें पश्चिम बंगाल के कई सांसद शामिल हुए। इसी दौरान एक ऐसा क्षण कैमरे में कैद हो गया, जब बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और अनुभवी सांसद सौगत रॉय एक ही जगह पर, एक ही मेज पर बैठे नजर आए।

यह तस्वीर सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान शत्रुघ्न सिन्हा ने जेपी नड्डा से काफी देर तक बातचीत की। उसी मेज पर सौगत रॉय भी बैठे हुए थे और भोजन कर रहे थे। हालांकि, इन तीनों नेताओं के बीच आखिर क्या बातचीत हुई, इसकी कोई भी आधिकारिक या अनौपचारिक जानकारी अब तक सामने नहीं आई है, और यही चुप्पी राजनीतिक अटकलों को और भी ज़्यादा गहरा कर रही है। बाद में एक और तस्वीर सामने आई, जिसमें जेपी नड्डा भोजन करते दिख रहे थे जबकि सौगत रॉय उनके सामने खड़े दिखाई दिए। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी कई तरह के दावे किए जाने लगे। कुछ लोग इसे सांसदों के बीच एक सामान्य संसदीय मुलाकात बता रहे हैं, तो वहीं कई राजनीतिक विश्लेषक इसे बदलते राजनीतिक समीकरणों और टीएमसी के भीतर संभावित असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं। यह चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी को लेकर पहले से ही कई तरह की बातें चल रही हैं। हाल के दिनों में पार्टी के कई नेताओं और सांसदों ने पाला बदला है, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी पहले से ही मुश्किल दौर से गुज़र रही है। ऐसे में इस नई तस्वीर ने पार्टी के भविष्य को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, संसद के मानसून सत्र से पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एनसीपीआई (नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्लियामेंटेरियंस फॉर इंडिया) को सर्वदलीय बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। बाद में एनडीए की बैठक में भी उनके नेताओं की मौजूदगी चर्चा का विषय बनी। इसी बीच अब शत्रुघ्न सिन्हा और सौगत रॉय की जेपी नड्डा के साथ तस्वीर सामने आने से राजनीतिक चर्चाओं को और बल मिल गया है। अब तक न तो टीएमसी, न बीजेपी, न ही शत्रुघ्न सिन्हा या सौगत रॉय की ओर से इस मुलाकात पर कोई आधिकारिक बयान या स्पष्टीकरण जारी किया गया है। यही कारण है कि इस तस्वीर को लेकर केवल कयास ही लगाए जा रहे हैं। क्या यह केवल एक सामान्य संसदीय शिष्टाचार भेंट थी, या इसके पीछे कोई गहरा राजनीतिक संदेश छिपा है, इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है और यह सवाल पश्चिम बंगाल की राजनीति में आने वाले समय में नई हलचल पैदा कर सकता है।

बांकीपुर उपचुनाव के बीच हाई-वोल्टेज ड्रामा, प्रशांत किशोर की एसएचओ को चेतावनी

समर्थकों को अवैध हिरासत में लेने का आरोप, जक्कनपुर थाने में घंटों चला विवाद

पटना (एजेंसी)। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए गुरुवार सुबह मतदान शुरू होते ही राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। जन सुराज के संस्थापक और बांकीपुर से उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने जक्कनपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) ऋतुराज कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। इस दौरान थाने में प्रशांत किशोर और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा के दबाव में पुलिस ने उनके दो समर्थकों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया और बाद में उन्हें कहीं और भेज दिया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस यह बताने में भी असमर्थ है कि दोनों लोगों को कहां रखा गया है। उनका कहना था कि यदि समर्थकों को किसी प्रकार की क्षति पहुंची तो इसकी जिम्मेदारी जक्कनपुर थाना प्रभारी ऋतुराज कुमार सिंह की होगी। मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता पूरी घटना देख रही है और यदि समर्थकों के साथ कोई अनहोनी होती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस बिना रिकॉर्ड और स्पष्ट आदेश के कार्रवाई कर रही है तथा अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं हो रही है।

घटना के बाद प्रशांत किशोर अपने समर्थकों की रिहाई की मांग को लेकर जक्कनपुर थाने में ही डटे रहे। इस दौरान सामने आए वीडियो में वह थाना प्रभारी से लगातार सवाल करते नजर आए। जवाब में एसएचओ ऋतुराज कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध जानकारी दे दी है और उन्हें थाने में बैठकर धमकाया जा रहा है। विवाद के दौरान थाना प्रभारी का एक बयान भी चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने कहा, आप इसलिए धमकी दे रहे हैं क्योंकि हम वर्दी में हैं। अगर वर्दी उतार देंगे तो आपके बराबर में आ जाएंगे। वहीं, जब मीडिया ने हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, आप लोग अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और हम अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी: आरोपी के सरकारी मकान से मिले मंदिर के कीमती उपहार व नकदी

-एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में गड़बड़ी मामले में जांच तेज हो गई है। एसआईटी को इस मामले में बड़ी सफलता मिली है। टीम ने मुख्य आरोपी और बदरी-केदार मंदिर समिति के पूर्व वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल के बदरीनाथ स्थित सरकारी आवास से मंदिर के कीमती चीजें और भारी मात्रा में नकदी बरामद की है। जांच टीम आरोपी प्रमोद को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर बदरीनाथ पहुंची थी, जहां उसकी निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई। बरामदगी की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है, ताकि जांच में पारदर्शिता बनी रहे।

एसआईटी ने बदरीनाथ स्थित नीलकंठ वीवीआईपी गेस्ट हाउस की पहली मंजिल पर बने आरोपी प्रमोद नौटियाल के सरकारी आवास का ताला खुलवाकर तलाशी ली। जांच में कमरे से मंदिर से जुड़े बेशकीमती उपहार और 500-500 रुपए के नोटों की भारी नकदी बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पूछताछ में कुबूल किया कि वह कुछ सामग्री अपने साथ ले गया था। अब एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बदरीनाथ में कार्रवाई के साथ ही एसआईटी की दूसरी टीम ने देहरादून के नेहरू कॉलोनी स्थित प्रमोद नौटियाल के निजी आवास पर भी छापेमारी की। यहां से संपत्तियों, बैंक खातों और आर्थिक लेनदेन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या मंदिर के चढ़ावे से जुड़ी रकम को संपत्तियां खरीदने या अन्य निवेशों में इस्तेमाल किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जांच में सामने आया है कि बदरीनाथ मंदिर में 2 जुलाई तक दानपात्रों की 34 बार गिनती की गई, जिसमें करीब 36 करोड़ रुपए की नकदी दर्ज की गई थी। शुरुआती चरण में करीब 23 करोड़ रुपए की गणना पूरी हो चुकी थी। एसआईटी अब 21 जून के बाद की सीसीटीवी फुटेज, दान गिनती प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था की जांच कर रही है1 सवाल यह भी उठ रहा है कि लगातार निगरानी के बावजूद हेराफेरी कैसे होती रही। चढ़ावा प्रबंधन से जुड़े कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सीसीटीवी मॉनिटरिंग कर्मचारी, भंडार प्रभारी, वरिष्ठ सहायक और लेखा लिपिक समेत कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। चमोली पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रमोद से मिली जानकारी के आधार पर अन्य संदिग्ध ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

फर्जीवाड़े के आरोपी मदरसा शिक्षकों की याचिका खारिज, एसआईटी ने दर्ज कराई थी एफआईआर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजमगढ़ में मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत 2.14 लाख रुपये के गबन के आरोपी शिक्षकों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इन्कार कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर, न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने किरण पाल व अन्य की याचिका पर दिया है। मामला आजमगढ़ के अतरौलिया थाना क्षेत्र स्थित मदरसा फैजकुशर निस्वान (रुकुलमलपुर) से जुड़ा है। अपराध अनुसंधान विभाग (सीबीसीआईडी) की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) के इंस्पेक्टर कुंवर ब्रह्म प्रकाश सिंह ने 19 मार्च 2025 को मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। जांच के दौरान एसआईटी ने पाया था कि पोर्टल पर मदरसे में 53 छात्र-छात्राएं दर्ज थे, जबकि मौके पर एक भी विद्यार्थी मौजूद नहीं था। साथ ही पोर्टल के मुताबिक मदरसे में 300 वर्गफीट के तीन कमरे और 150 वर्गफीट का कार्यालय दर्शाया गया था, जबकि निरीक्षण के दौरान वहां केवल एक रिहायशी मकान मिला, जो तय मानकों के विपरीत था। इसके अलावा वहां किरण पाल, रेनू यादव और अनवर अहमद के नाम के तीन शिक्षकों की तैनाती दर्शायी गई थी। एफआईआर रद्द करने की मांग के साथ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनके अधिवक्ता ने दलील दी कि मदरसे में गणित, अंग्रेजी और हिंदी पढ़ाने के लिए जुलाई 2012 में अस्थायी रूप से नियुक्त किए गए थे। उन्हें सरकार से मिलने वाला मानदेय नियमानुसार मिला हुआ था। उन्होंने किसी प्रकार का गबन नहीं किया है। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कहा कि एसआईटी की जांच में यह आरोप सामने आया है कि सरकारी धन का गबन शिक्षकों के नाम का उपयोग करके किया गया। ऐसे में इस स्तर पर यह नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता पूरी तरह निर्दोष हैं या एफआईआर में कोई अपराध नहीं बनता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह यह नहीं कह रही कि आरोप सिद्ध हो चुके हैं, लेकिन आरोप गंभीर हैं और उनकी गहन जांच जरूरी है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में दो की मौत

बांदा। कोतवाली क्षेत्र के गांव बाबूपुर के पास बुधवार शाम करीब पांच बजे दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में छह लोग घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को सीएचसी नरैनी पहुंचाया। यहां चिकित्सक ने एक बुजुर्ग और एक 11 वर्षीय छात्र को मृत घोषित कर दिया। शेष घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के गांव पोंगरी निवासी जुगुल किशोर मिश्र (65) अपने गांव के ही बबलू आरख (40) के साथ बाइक से करतल की ओर जा रहे थे। उधर, गांव गौर शिवपुर निवासी अवधेश यादव (28) अपनी बहन बसंती (38), भांजी संतोषी (13) और भांजे अंकुर (11) को लेकर करतल से नरैनी की ओर आ रहे थे। करतल क्षेत्र के बाबूपुर गांव के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भास्कर मिश्रा, करतल चौकी प्रभारी अनिल साहू, एसआई राजेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को सीएचसी पहुंचाया।

सहपाठी से झगड़े में घायल पांचवीं के छात्र की मौत, परिजनों ने शव को स्कूल परिसर में रखकर किया हंगामा

कौशांबी। स्कूल में सहपाठी से हुई मारपीट में घायल कक्षा पांच के छात्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामला पहाड़पुर सुधवर गांव का है। सहपाठी से हुए झगड़े में बच्चे के गले पर चोट लगी थी। जिसके बाद इलाज के लिए उसे प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां मंगलवार देर रात उसकी मौत हो गई। छात्र की मौत होने से नाराज परिजनों ने स्कूल परिसर में शव रख कर जमकर हंगामा किया और शिक्षकों पर लापरवाही के भी आरोप लगाए। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में बीएसए ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापकों समेत सात लोगों को निलंबित कर दिया है। विद्यालय में नए स्टाफ की तैनाती की गई है। पहाड़पुर सुधवर निवासी वीरू कश्यप मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता है। उसका 11 वर्षीय बेटा विभान गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में पांचवीं का छात्र है। वीरू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा विभान कश्यप 23 जुलाई को स्कूल से घर आने के बाद अपनी मां को बताया कि उसके ही कक्षा में पढ़ने वाले साहिल ने उसका गला पकड़ कर पिटाई की है। इस कारण उसको सांस लेने में समस्या आ रही है। हालत गंभीर होने पर परिजन इलाज के लिए उसे पहले जिला अस्पताल ले गए जहां सुधार नहीं होने पर प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पांच दिन तक चले इलाज के बाद मंगलवार देर रात विभान की मौत हो गई। बेटे की मौत से परिजन आक्रोशित हो गए और बुधवार की सुबह शव को स्कूल परिसर में रख कर हंगामा करने लगे। इस दौरान परिजनों ने स्कूल के प्रधानाध्यापक सहित अन्य शिक्षकों पर लापरवाही का आरोप लगा ढ़ाई घंटे तक हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर पुलिस के साथ पहुंचे अधिकारियों ने नाराज परिजनों को समझा बुझा कर शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह ने बताया कि मामले में परिजनों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध हालात में छत से गिरकर राजगीर की मौत, रात को खाना खाकर सोने गया

अमेठी। यूपी के अमेठी में शुक्रवार रात एक राजगीर की संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरकर मौत हो गई। शनिवार सुबह उसका शव घर के पीछे पड़ा मिला। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना के बाद परिवार में मातम है। घटना फुरसतगंज थाना क्षेत्र के बड़ैला मजरे किशुनपुर केवई गांव की है। मृतक के पिता राम किशुन ने बताया कि उनका बेटा छेद्दू (40) राजगीर का काम करता था। शुक्रवार शाम काम से लौटने के बाद उसने भोजन किया और छत पर सोने चला गया। शनिवार सुबह वह बिस्तर पर नहीं मिला तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ देर बाद घर के पीछे उसका शव पड़ा मिला। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी नंद हौसिला यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में छत से गिरने से मौत होने की बात सामने आई है। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट होगी। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। छेद्दू की मौत के बाद पत्नी संगीता का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटियां चाहत (12), राहत (11), चांदनी (9) और शिबी (3) पिता को याद कर बिलख रही हैं।

गरीबों का हक मार रहे प्रदेश के 2.35 लाख अपात्रों के राशनकार्ड होंगे निरस्त

लखनऊ। गरीबों के हक का राशन गटक रहे प्रदेश के 2.35 लाख परिवारों के राशनकार्ड निरस्त किए जाएंगे। शासन ने इस संबंध में सभी जिला पूर्ति अधिकारियों को आदेश जारी कर चिह्नित इन सभी अपात्रों के राशनकार्ड एक सप्ताह में निरस्त करने को कहा है। जिसके बाद राजधानी में भी अपात्रों के राशनकार्ड निरस्त करने की तैयारी तेज कर दी गई है। अपर आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग सत्यदेव की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि भारत सरकार के इंटर मिनिस्टीरियल डेटा फॉर राइटफुल टारगेटिंग (18 केपीआई) के आधार पर 56.94 लाख संदिग्ध लाभार्थियों की पहचान की गई थी। इनमें से 56.30 लाख का सत्यापन हो चुका है, जबकि 63,885 लोगों का सत्यापन अभी बाकी है। इसके अलावा 26,021 मामलों में अंतिम मंजूरी (फ्लैगिंग और लॉक) दी जानी शेष है। जांच के दौरान 37.72 लाख लाभार्थी अपात्र पाए गए। इनमें से 35.37 लाख राशन कार्ड पहले ही निरस्त किए जा चुके हैं, जबकि 2.35 लाख अपात्र लाभार्थियों के कार्ड निरस्त करने की कार्रवाई अभी बाकी है। अपर आयुक्त ने सभी जिला पूर्ति अधिकारियों को निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर यह पूरी प्रक्रिया पूरी कर रिपोर्ट भेजी जाए। लखनऊ के जिला पूर्ति अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि राजधानी में भी अभियान लगातार चल रहा है। पिछले छह महीनों में 20,871 अपात्र लाभार्थियों के नाम राशन कार्ड से हटाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि अभी भी राजधानी में 500 से अधिक नए संदिग्ध अपात्र भी जांच के दायरे में आ चुके हैं। जल्द ही जांच प्रक्रिया पूरी कर उनके भी राशनकार्ड निरस्त कर दिए जाएंगे। डीएसओ विचय प्रताप सिंह ने बताया कि इस कार्रवाई से सरकारी राशन पर गलत तरीके से कब्जा किए बैठे अपात्र लोगों के नाम हटेंगे। इससे बचा हुआ खाद्यान्न उन गरीब और पात्र परिवारों को मिल सकेगा, जो वास्तव में इसके हकदार हैं। साथ ही फर्जी राशन कार्डों पर लगाम लगेगी, सरकारी धन की बचत होगी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी।

DEBARRED NOTICE

I/We (1) *Virender Singh S/o Late Ram Kishan* , and (2) *Smt. Sunil W/o Sh. Virender Singh* both R/o Plot No.25, UGF, North Block Vipin Garden, Uttam Nagar, PO: D.K. Mohan Garden, Distt. West Delhi, Delhi-110059, do hereby solemnly affirm and declare as under:-That we have disowned and debarred our son name *SH. ROHIT* & his wife *SMT. NISHA* both resident of Plot No.25, UGF, North Block Vipin Garden, Uttam Nagar, PO: D.K. Mohan Garden, Distt. West Delhi, Delhi-110059, from our Properties and belongings (Moveable & Immoveable), due to their adamant arrogant, disobedience misconduct and misbehavior towards me/us and being out of control and have severed disconnected, discontinued all my/our relations with them from today.That We shall not be responsible in any manner for any illegal activity /misconduct/ misdeed, if committed by them. If any one deals with them, he/she will do so at his/her own risk, cost and consequences.We shall not be responsible in any manner whatsoever for the same and shall have no liabilities and responsibilities.
Virender Singh S/o Late Ram Kishan and Smt. Sunil W/o Virender Singh

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Rohit Baghel S/o Suresh Pal Singh R/o A-55, Nathu Colony, Sector -49, Barola, Noida, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 declare that name of my Father and mother have been wrongly written as Suresh Baghel and Mithilesh in my 10th class Educational Documents. The actual name of my Father and mother are Suresh Pal Singh and Mithalesh

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Rohit Baghel S/o Suresh Pal Singh R/o A-55, Nathu Colony, Sector -49, Barola, Noida, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 declare that name of my Father and mother have been wrongly written as Suresh Baghel and Mithilesh in my 10th class Educational Documents. The actual name of my Father and mother are Suresh Pal Singh and Mithalesh

PUBLIC NOTICE

On behalf of my client Mr. Hira Lal son of Mr. Sukhpal, age 69 years (Senior Citizen) Resident of B/43, majnu Ka Tila, Aruna Nagar, Delhi-110053, Mobile No. 7701971493, has severed all relationship with his son Rajesh Kumar and his wife Rekha Devi alias Lata, also their children (1) Archana (2) Pari (Grand daughters) and (3) Noni Grand son and has Debarred and Disowned them from all our moveable and immoveable properties, Due to their Misconduct/ Misbehavior absolutely and forever anybody dealing with him shall do so at his/her own cost and risk.
SUNIL SINGH ADVOCATE
Ch. No. Y-78, Civil Wings,
Tis Hazari Courts, Delhi

NAME CHANGE

I, NASIR S/O JAMEEL AHMED R/O. C-748, GALI NO.9, NEAR MADINA MASJID, R.K. MARG, CHAUHAN BANGAR, DELHI-110053, Have Changed My Name To MOHD NASIR .

NAME CHANGE

I hitherto known as ROHTAS S/O RAJVEER R/O House No. 607, Karhera, Mohan Nagar Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201007 have changed my name and shall hereafter be known as BABLU.

NAME CHANGE

I, ASAD KHAN S/O IZHAR AHMAD R/O. B-17 C, GALI NO-2, KANTI NAGAR EXTN, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051, Have Changed My Name To ASAD AHMAD.

NAME CHANGE

I,RABIA FATMA D/O MOHAMMED HAIDER AZAM R/O B-13 MUJEEB BAGH GATE NO 23 NEAR JAMIA COMMUNITY CENTRE NEW DEFENCE COLONY SOUTH DELHI 110025, CHANGED MY NAME TO RABIA FATIMA

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहित कुमार (प्रस्तावित ऋणग्राही) ग्राम बेहटा हाजीपुर, परगना एवं तहसील लोनी, जनपद गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित विकास कुंज, ब्लॉक-बी, खसरा संख्या 63 में स्थित प्लॉट संख्या 204 (पश्चिमी-उत्तरी भाग), क्षेत्रफल 22 वर्ग गज, को श्री अमी चन्द दक्ष से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं, श्री अमी चन्द दक्ष ने उक्त संपत्ति का स्वामित्व दिनांक 27.08.2024 की पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से श्री अंसार सैफी से प्राप्त किया था, जो दस्तावेज संख्या 15402, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 6156, पृष्ठ संख्या 129 से 152, दिनांक 27.08.2024, उप-पंजीयक कार्यालय (एस.आर.) लोनी में पंजीकृत है, उक्त संपत्ति की स्वामित्व श्रृंखला में स्वर्गीय असलम का मृत्यु प्रमाण-पत्र जिनका निधन 12.06.2002 को हुआ था। स्वर्गीय असलम के संबंध में उपलब्ध एस.एम.सी. अभिलेख के अनुसार उनकी पत्नी श्रीमती खैरून निशा एवं पुत्र श्री फिरोज ही उनके एकमात्र वैध उत्तराधिकारी हैं। संबंधित पटवारी द्वारा जारी खतौनी भी श्रीमती खैरून निशा एवं श्री फिरोज के नाम पर है, साथ ही, दिनांक 23.05.2019 का एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयतनामा गुम हो गए हैं तथा इनके संबंध में दिनांक 29.07.2026 को एल.ए.आर. संख्या 20260000781651 के अंतर्गत ऑनलाइन एफ.आई.आर. दर्ज कराई जा चुकी है। पर्याप्त प्रयासों के बावजूद उक्त दस्तावेज प्राप्त नहीं हो सके हैं, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति का क्रय हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एन.एस.पी., दिल्ली शाखा द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति के संबंध में कोई अधिकार, दावा, हित, आपत्ति, भार, बंधक, ग्रहणाधिकार अथवा किसी प्रकार का विवाद हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपना लिखित आपत्ति-पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी को पंजीकृत डाक एवं ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें, निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार, दावा अथवा आपत्ति नहीं है तथा बाद में प्रस्तुत किया गया कोई भी दावा या आपत्ति उक्त संपत्ति के संबंध में अमान्य एवं निरस्त माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I Reena W/o Sudhir R/o Ward No-28, Main Gali Geetanjali Vihar, Near Shiv Shakti Mandir, Geetanjali Vihar, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed the name of my minor son Gopal aged 17 years and he shall hereafter be known as Anshu.

NAME CHANGE

I, POOJA SHARMA wife of SAMEERUDDIN daughter of PAWAN KUMAR SHARMA residing at Flat No-207 2nd Floor Plot No-H-1, Block-B, Girdhar Plaza, Shalimar Garden Extension-2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201005 do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced ISLAM and renounced HINDUISM with effect from 16-07-2020

NAME CHANGE

I, hitherto known as POOJA SHARMA wife of SAMEERUDDIN daughter of PAWAN KUMAR SHARMA residing at Flat No-207 2nd Floor Plot No-H-1, Block-B, Girdhar Plaza, Shalimar Garden Extension-2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201005 have changed my name and shall hereafter be known as SARAH MALIK

NAME CHANGE

I hitherto known as Arvind Kumar S/o Vijay Kumar Shah R/o 188, Gali No-4, Main Shyam Park, Sahibabad, Pasonda, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Arvind Shah.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सुनील गुप्ता पुत्र श्री श्याम स्वरूप पता 8/157, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन पुष्पा भवन साउथ दिल्ली, दिल्ली 110062, ने अपने बेटे रितिक और उसकी पत्नी निकिता गुप्ता के लापरवाह और बुरे व्यवहार के कारण उनसे अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। मेरे उपरोक्त मुवक्किल ने अपने बेटे और उसकी पत्नी को अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से भी वंचित कर दिया है। उनके साथ लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर ऐसा करेगा और मेरे उपरोक्त मुवक्किल अपने बेटे और उसकी पत्नी द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कर्म या लेन-देन के लिए ज़िम्मेदार नहीं होंगे।
केशव भारद्वाज
अधिवक्ता वा कानूनी सलहाकार
8510825551

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Harish Kumar S/o Mr. Jagdish Kumar is the owner of Freehold Residential Property land area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 141/12/13, Situated at Abadi Known as Gali No. 60, B Block, Sant Nagar, in the area of Village Burari, Delhi. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 22.04.2009 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mrs. Raj Wati Yadav and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I MONTY S/O SATISH R/O WARD NO 5 SHIV COLONY HAILY MANDI GURGAON HARYANA-122504, I HAVE CHANDGED MY NAME TO MONTY CHAUHAN ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I MOHINDER KUMAR S/O CHANDER BHAN R/O 192/C, MIAN WALI COLONY, GURGAON, HARYANA-122001 I HAVE CHANDGED MY NAME TO MOHINDER KUMAR GUPTA ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I MOHD DANISH SHAKIL S/O SHAKEEL AHMED R/O 9752 GALI NEEM WALI NAWAB GANJ AZAD MARKET DELHI-110006 have changed my name to DANISH SHAKEEL

NAME CHANGE

I DAANISH KUMAR S/O SARVESH SINGH R/O C1-304 CHERRY COUNTY TECHZONE -4 GREATER NOIDA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH 201306, I HAVE CHANDGED MY NAME TO KUMAR DAANISH ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Sarfraz Ahmed S/o Mohd Yusuf R/o Flat No. 1/10392/A4, Top Floor, West Gorakh Park, Shahdara, North East Delhi-110032, have changed my name to Sarfaraz Ahmad for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SIMRAN D/O DHARMENDER DIXIT R/O HOUSE NO-125, STREET NO-3, NEAR GANESH DHARMA KANTA, VILLAGE GAROLI KHURD, SECTOR-37C, GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME SIMRAN DIXIT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, ZAHID S/O ANWAR HUSAIN residing at J-17/6A STREET NO 6 NEAR KHAJOOR MASJID CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR NORTH EAST DELHI-110053. have changed my name to MOHD ZAHID S/O ANWAR HUSSAIN for all future purposes

NAME CHANGE

I, NASEEM MIYAN ANSARI S/O RAIS MIYAN ANSARI residing at J-77 80 GUJ NEW SEELAMPUR NORTH EAST DELHI-110053. have changed my name to NASEEM MIYAN S/O RAIS MIYAN for all future purposes

NAME CHANGE

I, SURJIT SINGH KHARI S/O MAHAVIR SINGH KHARI R/O H NO-153 SULTANPURI VILLAGE DELHI-110030. have changed my name to SURJEET KHARI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, POONAM wife of No.-6947122W, Rank-HAV, Name-PAWAN KUMAR PRADEEP residing at VILL-MANOPALI, PO-SAHAJITPUR, DIST-SARAN, BIHAR-841422, have changed my name from POONAM to POONAM KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 30/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SARITA DEVI mother of TJ-7753P, Rank-NB SUB, Name-MANISH KUMAR residing at VILL-JINDRAN, PO & TEHSIL-KALANAUR, DIST-ROHTAK, HARYANA-124113 have changed my name from SARITA DEVI to SAROTA for all future purposes vide Affidavit dated 30/07/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I RUKHMINA legally mother of Army no - 2810163P, Rank - HAV Name - HAJARE BHAGWAN ATMARAM, Presently Residing At - ADGAON, Post- KOKALGAON, Teh - WASHIM, Dist - WASHIM State- MAHARASHTRA
Pin - 444505 have changed my name from RUKHMINA to RUKHMINABAI ATMARAM HAJARE for all future purposes, vide Affidavit dated 30/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAJ RANI W/o Amit Gupta R/o H.No. A-168, Vikas Puri, West Delhi-110018, have changed my name from RAJ RANI to RAJ RANI GUPTA permanently.

NAME CHANGE

I Vinay Bhardwaj S/O Ashok kumar R/O 3rd Floor Building, NCR-2 HL City, Sector-37, Bahadurgarh, DIST:-Jhajjar,Haryana-124507 I Have changed my name to vinay kumar

NAME CHANGE

I, ALIA KHATOON W/O MOHD RAIS R/O H NO-306, LANE NO-17, MAIN ROAD JAFRABAD, DELHI-110053. have changed my name to AALIYA KHATOON for all future purposes.

NAME CHANGE

I, P P Singh S/O Bhisham Pal Singh R/O Second floor of House No-25, Block-16 Spring field Colony, Dental road Sector-31, Faridabad, Haryana-121003 have changed my name to Pushpendra Jadoan for all future purposes.

NAME CHANGE

I PRITI W/0 JITENDER TANWAR R/0 4 CIVIL LINE BEHIND DC RESIDANCE PALWAL HARYANA CHANGED MY NAME TO PRITI DEVI

NAME CHANGE

I, hereto known as DEEPAK KUMAR S/O KRISHANPAL R/O 282, Baghpat Road Panchli Khurd, Meerut Uttar Pradesh-250002, have changed my name and shall hereafter be known as JONY KUMAR.

NAME CHANGE

I, APPASAHEB, is legally father of Army No. 2804387Y, Rank - HAV, Name - KATTI MALKAPPA APPASAHEB, presently residing at Vill - Kakamari, Post - Kakamari, Teh - Athani, Dist - Belgaum, State - Karnataka, Pin - 591265, have changed my name from APPASAHEB to APPASAHEB MALKAPPA KATTI and date of birth from 18/02/1961 to 01/01/1946 for all future purposes. Vide affidavit dated 30/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as KAMIYA AHUJA W/O VIRENDER AHUJA R/O Flat NO C-2207, Tower-C, Charms Castle, Raj Nagar Extension, PO: Raj Nagar Extension, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017 have changed name and shall hereafter be known as KAMYA AHUJA.

NAME CHANGE

I hitherto known as PALAK SINGH D/O SANJEET SINGH R/O Plot No-509, Girdharpur, Chhapraula, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009, have changed my name and shall hereafter be known as HEMA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sarjeet Singh S/O: Bhagat Singh, 213, Vill, Dhaturi, bulandshahr, Dhooturi, PO: Dhatori, DIST: Bulandshahr, Uttar Pradesh - 203001, have changed my name and shall hereafter be known as Sanjeev Singh.

NAME CHANGE

I JAIPAL S/O JAI SINGH R/O 165 GALI NO-4 KHAZANI NAGAR JOHRIPUR GOKALPUR DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO JAI PAL SINGH

NAME CHANGE

I, SANGEETA, is legally wife of Army No. 2804387Y, Rank - HAV, Name - KATTI MALKAPPA APPASAHEB, presently residing at Vill - Kakamari, Post - Kakamari, Teh - Athani, Dist - Belgaum, State - Karnataka, Pin - 591265, have changed my name from SANGEETA to SANGEETA MALKAPPA KATTI for all future purposes. Vide affidavit dated 30/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I AKANSHA GUPTA W/O SANEHIT BHARDWAJ R/O PLOT NO 18, 19 GALI NO 1 VIKAS NAGAR GUPTA ENCLAVE UTTAM NAGAR WEST DELHI 110059 HAVE CHANGED MY NAME TO AKANSHA BHARDWAJ

NAME CHANGE

I VASEEM AHAMAD S/O ABDUL SAMI R/O H NO A 7 SECOND FLOOR FAIZAN BUILDING STREET NO 5 KABIR NAGAR SHAHADARA NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO WASEEM AHMAD

NAME CHANGE

I HAJARE ATMARAM legally father of Army no - 2810163P, Rank - HAV
Name - HAJARE BHAGWAN ATMARAM, Presently Residing At - ADGAON, Post- KOKALGAON, Teh - WASHIM, Dist - WASHIM State- MAHARASHTRA
Pin - 444505 have changed my name from HAJARE ATMARAM to ATMARAM JIJEBA HAJARE for all future purposes, vide Affidavit dated 30/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANIL SEHGAL, S/o SH. KISHAN CHAND, R/o 87-88, 2nd Floor, Pocket-6, Sector-25, Rohini,VTC: ROHINI, PO: ROHINI SECTOR-7 ,DISTRICT :NORTH WEST DELHI, STATE: DELHI, PIN CODE: 110085 have changed my name to ANIL KUMAR and shall hereafter be known as ANIL KUMAR for all purposes.

NAME CHANGE

I, NIKAM BALU UKHA, is legally father of Army No. 2813339A, Rank - SEP, Name - NIKAM SAMBHAJI BALU, presently residing at Vill - Bhilkot, Post - Palasdare, Tal - Malegaon, Dist - Nashik, State - Maharashtra, Pin - 423205, have changed my name from NIKAM BALU UKHA to BALU UKHA NIKAM and date of birth from 25/05/1961 to 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 30/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, NIKAM INDU BALU, is legally mother of Army No. 2813339A, Rank - SEP, Name - NIKAM SAMBHAJI BALU, presently residing at Vill - Bhilkot, Post - Palasdare, Tal - Malegaon, Dist - Nashik, State - Maharashtra, Pin - 423205, have changed my name from NIKAM INDU BALU to INDU BALU NIKAM and date of birth from 01/06/1975 to 01/01/1973 for all future purposes. Vide affidavit dated 30/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I KAPIL KAJAL S/O SUMAN KUMAR KAJAL R/O H NO 591/12 DEV COLONY ROHTAK HARYANA-124001, HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME KIARA TO KIARA KAJAL FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I MANOJ S/O RAGHUWAR DUTT R/O H NO 470-A/29 SECTOR-4 ROHTAK HARYANA 124001 I HAVE CHANDGED MY NAME TO MANOJ SHARMA ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

Mohd Asif S/O Ahmad Sahid R/O ATMADSARAY, ASFABAD, CHANDPUR, ATMADSARAY, Bulandshahr, 245408, Uttar Pradesh I, Have Changed My Name To Mohammd Asif.

NAME CHANGE

I Neeru W/o Shakti Singh Sehrawat R/o H No. G - 125, Near Radha Krishna Mandir, Mahipalpur, New Delhi - 110037 have changed my name to Neeru Sehrawat for all future purposes.

NAME CHANGE

I Ashok kumar Bhardwaj S/O Suraj Bhan R/O B-15/117, TYPE -2, Police line, Pitampura, North West Delhi ,Delhi-110034 I Have changed my name to Ashok kumar

NAME CHANGE

I rakesh S/O Harbilas Rai R/O A-14, Gali no.22, Mahindra park Azadpur, North West Delhi-110033, I Have changed my to rakesh kumar

NAME CHANGE

I, Shikha Rani, W/O Sandeep Mann, R/O 2036, Chandan market, Narela road, Alipur, Delhi-110036 have changed my name to Shikha Chaudhary for all future purposes.

NAME CHANGE

I,SHEETAL, W/O SIDDHARTH PAYAL, R/O HOUSE NO A-6, NAJAFGARH, TILANG PUR KOTLA, DWARKA, DELHI-110043, HAVE CHANGED MY NAME TO SHEETAL KUMARI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SANGITA KUMARI W/O JAI PRAKASH PRASAD, R/O 129/130, SHIV COLONY, NEAR BUS STAND, SULTANPUR (39), GURGAON, HARYANA-122506, HAVE CHANGED MY NAME TO SANGEETA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, ABHINANDINI SHARMA W/O SHIV MANGAL SHARMA R/O B-88, B-BLOCK, GREATER KAILASH-1, DELHI-110048. have changed my minor daughter's name from VEDANSHI to VEDANSHI SHARMA for all future purposes.

NOTICE

Public at large is hereby informed that Sh. Hamesh Suri is the owner of Property bearing no. II/A-63B, having area measuring 100, sq. Yard. Situated at Lajpat Nagar, New Delhi-110024 Initially, Lease deed dated 08.10.1965 issued by POI in favour of Shri Ram Lal Suri Doc no. 6400. Who died leaving behind his last Regd. WILL dated 23.05.1995 in favour of Smt. Basant Kumari and name of Smt. Basant Kumari Suri mutated in L&DO record vide Substitution Letter dated 14.01.2000. Thereafter, Conveyance deed dated 08.06.2000 executed by L & Do in favour of Smt. Basant Kumari Suri in respect of the Said Property. (Doc no. 5503). Who died leaving behind her last WILL dated 10.07.2000 in favour of Sh. Man Mohan Suri (II-?/63-?) & Sh. Hameesh Suri (II-A/63-B) (Doc no. 3997) and also left behind following legal heirs 1.Smt. Rekha Kohli 2.Sh. Man Mohan Suri 3.Mrs. Suman Kohli 4.Sh. Hamesh Suri, Finally, Relinquishment Deed dated 20.05.2011 executed by (1) Smt. Rekha Kohli (2) Sh. Man Mohan Suri (3) Mrs. Suman Kohli in favour of Sh. Hamesh Suri bearing no. II/A-63B, having area measuring 100, sq. Yard. Doc no. 6972, Vol no. 11130, Page no. 50-53 SRO- V Delhi. Who intends to mortgage the said immovable property for their bonafide requirements to IDFC FIRST Bank Limited. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the said property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections or claims to this property.
NEW DELHI
DATE: 30/7/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती ओमवती देवी पत्नी श्री रविन्द्र सिंह, निवासी ग्राम समाधिपुर, मैचा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201310, एक आवासीय प्लाट संख्या ए -02, क्षेत्रफल 127.5 वर्ग गज, खसरा संख्या 224, स्थित श्री राधा कुंज कॉलोनी, ग्राम , ग्राम समाउददीनपुर/समाधिपुर, परगना व, तहसील दादरी , जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1421-1426/1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती मंजू पत्नी राणा प्रताप सिंह राठौड़ को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज़ नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती पूजा पत्नी श्री मनोज कुमार, निवासी ग्राम इमलियाका, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201310, एक आवासीय प्लॉट, जिसका क्षेत्रफल क्षेत्रफ़ल 91 वर्ग गज, पुराना खसरा संख्या 561, नया खसरा 1177, स्थित दौलत राम कॉलोनी, ग्राम दादरी, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री विलेख दिनांक 21.04.2026, क्रमांक 20328, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 34745, पेज 81-100, सब रजिस्ट्रार-दादरी, द्वारा है। उक्त कथित संपत्ति का पीछे का ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 14.06.2006, क्रमांक 8172, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 1719, पेज संख्या 1-3, सब रजिस्ट्रार दादरी, कही खो गया, जिसके बावत खोने की ऑनलाइन रिपोर्ट दिनांक 30.07.2026, एल आर नं0 495947/2026, द्वारा एस ओ नं0 430/2014 दिल्ली पुलिस, थाना शाहदरा/क्राइम ब्रांच, दिल्ली, में दर्ज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त मुवक्किल कथित संपत्ति श्रीमती अर्चना देवी पत्नी श्री लोकेन्द्र सिंह को बेच रहे है, जो हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा नोएडा फेस-2, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेंस किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

सार्वजनिक सूचना

दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार – 2026

आवेदन/नामांकन की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने के संबंध में

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार – 2026 के लिए आवेदन/नामांकन 15 मई, 2026 से आमंत्रित किए गए थे तथा आवेदन/नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **31 जुलाई, 2026** निर्धारित की गई थी।

2. सभी इच्छुक व्यक्तियों, संस्थाओं और आमजन को सूचित किया जाता है कि **राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (Rashtriya Puraskar Portal)** पर **ऑनलाइन आवेदन/नामांकन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि अब बढ़ाकर 15 अगस्त, 2026 कर दी गई है।**

3. सभी संबंधितों से अनुरोध है कि आवेदन/नामांकन **केवल ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in** पर ही प्रस्तुत करें। **डाक, कूरियर, ई-मेल अथवा किसी अन्य माध्यम से प्राप्त आवेदन/नामांकन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।**

4. पुरस्कारों से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता मानदंड तथा अन्य आवश्यक जानकारी निम्नलिखित वेबसाइटों पर उपलब्ध है:

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग:
https://depwd.gov.in

राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल:
https://awards.gov.in

CBC 38117/11/0006/2627

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/प-144 इंडस्ट्रियल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राशन गबन के आरोप में डिपो होल्डर पर एफआईआर के आदेश

एजेंसी

कैथल। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में अधिकारियों की कार्यशैली पर नजर रखते हुए कई अहम मामलों में सख्त रुख अपनाया। आरकेएसडी कॉलेज सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने राशन गबन के एक मामले में डिपो संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए, जबकि सेक्टर-19 पार्ट-1 में तीन दशक से ग्रीन बेल्ट विकसित न किए जाने की शिकायत की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी। बैठक में कुल 12 शिकायतों पर सुनवाई हुई, जिनमें सात मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि पांच शिकायतों को जांच एवं रिपोर्ट के लिए अगली बैठक तक लंबित रखा गया। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान गांव हरिपुरा के ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि राशन डिपो संचालक ने 80 से 90 परिवारों का कई महीनों का राशन हड़प लिया। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर मंत्री ने मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित डिपो होल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए और शिकायत का निपटारा कर दिया।

हरियाणा की भर्ती व्यवस्था में आया बदलाव, पारदर्शिता बढ़ी: नायब सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने प्रदेश में वर्षों से चली आ रही भर्ती व्यवस्था में व्यापक सुधार किए हैं। प्रदेश में नौकरियों के मामले में न पर्ची चलेगी, न खर्ची चलेगी, केवल मेरिट के आधार पर ही भर्ती होगी।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में ग्रुप-डी के नव-चयनित कर्मचारियों के लिए आयोजित परिचयात्मक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों को आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बधाई व शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान संकल्प पत्र में प्रदेश के 2 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया था। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में 42,500 युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के साढ़े 11 वर्षों के कार्यकाल में लगभग 2 लाख युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रुप-डी के नव-चयनित 6 कर्मचारियों को प्रतीक स्वरूप नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। उन्होने कहा कि ये नियुक्ति-पत्र आपकी मेहनत का सम्मान और आपके माता-पिता की तपस्या का परिणाम और ईमानदार व्यवस्था में आपके विश्वास की जीत है। उन्होने कहा कि वे मेहनत और प्रतिभा के बल पर सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले सभी 3 हजार 586 युवाओं को बधाई देते हैं।

एनजीटी ने हरियाणा सरकार को जारी किया नोटिस,16 सितंबर को होगी सुनवाई

कैथल। खुराना गांव स्थित लैंडफिल साइट पर कथित पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन और ठोस कचरा प्रबंधन में अनियमितताओं के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की प्रधान पीठ ने हरियाणा सरकार और संबंधित विभागों से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर 2026 को होगी। गांव खुराना के निवासियों की ओर से दायर आवेदन पर 22 जुलाई को सुनवाई करते हुए एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए। अधिकरण ने कहा कि याचिका में पर्यावरणीय मानदंडों के अनुपालन से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया है। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ताओं ने जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा, जिसे स्वीकार करते हुए अधिकरण ने आवेदक को तीन दिन के भीतर याचिका की प्रति उपलब्ध कराने और एक प्रतिवादी पर विधिवत तामील कराने के निर्देश दिए। इस आदेश के बाद खुराना गांव के लोगों में उम्मीद जगी है कि लंबे समय से उठाए जा रहे पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर अब ठोस कार्रवाई होगी। ग्रामीणों का कहना है कि लैंडफिल साइट के कारण क्षेत्र में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है और इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

रोहतक में एनएच-152डी पर दर्दनाक सड़क हादसा, टाटा गाड़ी और ट्रक की टक्कर में तीन युवकों की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के रोहतक में सुबह हुए सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा कलानौर के पास 152 डी पर हुआ है। रोहतक के कलानौर थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी। कलानौर थाना पुलिस ने बताया कि 152 डी पर गांव खैरड़ी के पास से टाटा गाड़ी अंबाला की तरफ से आई थी, जो नारनौल की तरफ जा रही थी। सुबह करीब 5 बजे टाटा गाड़ी ने आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी, जिसके कारण टाटा गाड़ी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। वहीं, हादसे में तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे में मरे तीनों लोगों के शवों को कब्जे में लिया। हादसे में मृतक की पहचान मनोज कुमार जैन पुत्र सुभाष चंद्र जेन निवासी रामकरण दास कॉलोनी नारनौल के रूप में हुई, जबकि उसके साथ दो व्यक्ति और थे, जिनकी पहचान नहीं हुई है। पुलिस ने तीनों के शव डेड हाउस में भिजवा दिए हैं और नारनौल पुलिस व मरने वाले के परिजनों को सूचना भेज दी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दियाहै। मामले में जांच कर रही है।

श्रेष्ठ की अभिव्यक्ति जीवन में आगे बढ़ने का मूल मंत्र : रामनाथ कोविंद

एजेंसी

चंडीगढ़। ओम प्रकाश धनखड़ का पुस्तक श्रेष्ठ की अभिव्यक्ति हो - Give Your Best के दूसरा संस्करण छपा है । जिसके लिए देश के 14 वें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपना पत्र लिख अपना आशीर्वचन दिया है- उन्होंने कहा जो यह रचना केवल वाचन या समझ के लिये नही अपितु जीवन जीने के लिये है ।

यहाँ रचना हर किसी को जीवन मे एक मंत्र अपनाने का आग्रह करती है , जो अनजाने में ही जीवन का ध्येय तय करा देता हैं । जो पढ़ेंगे , चलेंगे वो बढ़ेंगे . धनखड़ जी की यह पुस्तक छोटी है परंतु सफलता के मंत्र के साथ साथ परम सत्य के साक्षात्कार के द्वार खोलती हैं । पुस्तक में प्रवेश कर सत्य के दर्शन तो स्वयं करने होंगे । अंग्रेज़ी अनुवाद पुस्तक का व्याप ग़ैर हिंदी भाषी क्षेत्रों तक बढ़ाता हैं । धनखड़ जी कर्म के सरोकार में कर्म के दस स्तर बताये है ।

मनुष्य की पहचान उसके कर्म के स्तर से होती हैं, कर्म के दस स्तर होते है ।

1. केवल दिन काटना ।
2. तय दिनचर्या में समय बिताना - जैसे कई सेवानिवृत्त लोगों की जीवन शैली होती हैं ।
3. दिनचर्या के साथ-साथ सेहत को भी शानदार रखना ।
4. अपनी आजीविका स्वयं कमाकर जीवन यापन रखना ।
5. इतना सक्षम होना की परिवार का पालन कर सके और मित्रों की सहायता कर सके ।
6. स्वयं की तरक्की के लिए भी समय निकालना और बढ़ते जाना ।

7. अपनी रूचि , शौक के लिए समय देना उन्हें निखार कर बेहतरीन करना ।
8. लोक कल्याण के कार्य करना , और उनका श्रेय लेना ।
9. स्वधर्म - राष्ट्रहित-जिससे लिए प्राण भी न्योछावर करने पड़ जाये तब भी तत्पर , जैसे सैनिक देश के लिए प्राण बलिदान कर देते है ।
10. बिना प्रचार लोक कल्याण, परमार्थ कर्म बिन अपेक्षा ।

आपके जीवन में सबसे उच्च स्तर के कर्म को पहचाने अर्जित करें और निष्पादन करें । कर्म ही मनुष्य की जान है , पहचान है, , शान है , मान है और आन है । उन्होंने अपनी पुस्तक में दो विचार यात्राओं का जिक्र किया है । जो संगति से घटित हुई हैं ।हमारे धार्मिक ग्रंथों में दो विचार यात्राएं हैं । एक रामायण में जो महाराज दशरथ के महल में घटित होती हैं । दूसरी महाभारत में कुरूक्षेत्र के युद्ध के मैदान में ज्योतिसर मे ।

महारानी कैकेयी श्री राम के राज्याभिषेक की सूचना से खुशियों से भरी हुई है । खुशी की सूचना पर मिठाई आभूषण परिचारिकाओं में वितरित कर रही है । मंथरा नामक दासी विचार के निम्न लेवल पर स्वार्थ की संकीर्णता से भरी है । मंथरा अपने विचारों से कैकेयी को अपने लेवल पर ले आती हैं । यह विचारों की अधोगामी यात्रा है । परिणाम जीवन भर से आगे बढ़कर सहस्त्रों वर्षों तक बदनामी, पति की शोक में मृत्यु को कलंक, पुत्र भरत माँ के व्यवहार से उत्पन्न कालिख से बचने के लिये, 14 वर्षों तक तपस्वी के जीवन में अयोध्या से बाहर नंदीग्राम रहे । दूसरी यात्रा में अर्जुन अपने रथ पर परंतु संशय में घिरे हुए है । लड़े या ना लड़े , लड़े तो लड़े किससे , लड़ें किस लिये, राज के लिए सब अपनों का वध कर देवे । श्री कृष्ण सारथी के रूप में उपस्थित हैं नंदीघोष रथ पर । अर्जुन अपने मानसिक द्वंद्व को प्रकट करता है । श्री कृष्ण उसे स्वधर्म का बोध कराते हैं । यह युद्ध मात्र इंद्रप्रस्थ या हस्तिनापुर के शासन के लिए नही है । सत्य और धर्म के मूल्यों के लिए है । तुम क्षत्रिय हो - सही के लिए लड़ना तुम्हारा स्वधर्म है ।

गीता ज्ञान को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार गीता को पाठ्यक्रम में और घर-घर गीता के संकल्प पर काम कर रही है। श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का संपूर्ण विज्ञान है। गीता में कर्म, धर्म, ज्ञान और भक्ति का जो समन्वय बताया गया है, वही आज के समय में समाज और देश को आगे बढ़ाने का आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार संस्कृति और विकास को साथ लेकर चल रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देर सायं गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गीता ज्ञान संस्थान, कुरुक्षेत्र के राधा कृष्ण मंदिर में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज से भेंट की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज से गुरु शिष्य परंपरा निभाते हुए शॉल उड़ाकर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने संस्थान के राधा कृष्ण मंदिर में मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिन गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। गीता की भूमि कुरुक्षेत्र से पूरे विश्व को जीवन जीने की कला मिली है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज

पिछले कई दशकों से गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उनका जीवन और कार्य हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय गीता नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। ब्रह्मसरोवर, ज्योतिसर और गीता ज्ञान संस्थान जैसे केंद्रों के माध्यम से हम पूरे विश्व में गीता का संदेश पहुंचाना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आज विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजनों में से एक बन गया है। यह सब गीता मनीषी जैसे संतों के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा हमें यह सिखाती है कि हम अपने गुरु, माता-पिता और समाज के प्रति कृतज्ञ रहें। हरियाणा सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर काम कर रही है। गरीब, किसान, महिला और युवा सभी के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। गीता हमें निष्काम कर्म की प्रेरणा देती है। इसी भाव से हम 2047 तक विकसित भारत और विकसित हरियाणा के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक कर्मयोगी हैं। उन्होंने बहुत कम समय में प्रदेश की ज्यादा सेवा की है और आगे भी ऐसे ही करते रहेंगे। सरकार जिस प्रकार से गीता को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है, वह सराहनीय है। गीता से व्यक्ति में अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत होता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सरकार ने गीता के प्रचार-प्रसार के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

कांग्रेस पूरी तरह फेल, अब बच्चों को आगे कर राजनीति कर रही है : अनिल विज

एजेंसी

करनाल। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह जनता का विश्वास खो चुकी है और अब बच्चों को आगे कर राजनीति करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए विद्यार्थियों की भावनाओं को समझा और उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया, जबकि कांग्रेस का उद्देश्य केवल माहौल बिगाड़ना और देश में अस्थिरता पैदा करना है।

विज आज करनाल में मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। विज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह विफल हो चुकी है और अब बच्चों को भड़काकर उन्हें आगे कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे जागरूक और समझदार हैं तथा वे किसी के बहकावे में आने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लोकतंत्र की भावना का सम्मान करते हुए उनकी मांगों को गंभीरता से सुना।

उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में अनेक आंदोलन हुए हैं, जिनमें कई बार लाठीचार्ज और गोलीबारी तक हुई, लेकिन सरकारें अक्सर जनता की बात सुनने को तैयार नहीं होती थीं। पहली बार ऐसा हुआ कि प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उनकी मांगों को स्वीकार किया और देर रात 12-12 बजे तक सोशल मीडिया के माध्यम से भी संवाद स्थापित करने का प्रयास किया।कांग्रेस पर निशाना साधते हुए विज ने कहा कि जिस परिवार के कई सदस्य प्रधानमंत्री रहे हों, वह पार्टी आज राजनीतिक रूप से इतनी कमजोर हो गई है कि जनता ने उसे पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब पूरे देश में 'आग में पैट्रोल डालने' की राजनीति कर रही है।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में बूथ सशक्तिकरण, डिजिटल प्रशिक्षण और एसआईआर को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

एजेंसी

चंडीगढ़/पानीपत।संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने की दिशा में पानीपत स्थित भाजपा कार्यालय श्याम कमल में संगठनात्मक बैठक हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों, संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, डिजिटल प्रशिक्षण और एसआईआर को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला प्रभारी और सात जिलों कुरूक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गोहाना, रोहतक, जींद के 113 मंडलों के मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर मदन गोयल, भारत भूषण जुयाल, विजयपाल, अशोक गुर्जर, किरण कलकल, जवाहर सैनी, आदित्य चावला सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने तथा मोदी और नायब सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने पर मोदी सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक का पारित होना देश के करोड़ों युवाओं के सपनों को सुरक्षित करने के प्रति मोदी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने मंडल अध्यक्षों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत और सक्रिय करने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल में नियमित बैठकें, जनसंपर्क अभियान और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए ताकि संगठन जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत हो सके। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा, भाजपा के लिए संगठन सर्वोपरि है, राष्ट्र प्रथम है और जनसेवा हमारा संकल्प है। सेवा, समर्पण और विकास ही हमारी कार्य संस्कृति है।' उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाएं और अधिक से अधिक पात्र लोगों को मोदी और नायब सरकार की योजनाएं का लाभ दिलाने का माध्यम बनें।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि सभी कार्यकर्ता डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि संगठनात्मक प्रशिक्षण, संवाद और सूचना प्रसार को आधुनिक तकनीक के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने एसआईआर को लेकर कहा कि एसआईआर का दूसरा चरण शुरू होने जा रहा है, इसलिए सभी कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं। प्रत्येक पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जुड़वाया जाए और पूरी गंभीरता के साथ मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं विस्तार का कार्य किया जाए, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अधिक मजबूत हो सके। डा. अर्चना गुप्ता ने मोदी और नायब सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश जोशी को मिला सृजन श्री सम्मान

सहकारिता मंत्री कृष्ण बेदी की उपस्थिति में कुरुक्षेत्र की संगीत में अग्रणी संस्था सृजन ने किया महेश जोशी को सम्मानित।

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी की संगीत और कला क्षेत्र में अग्रणी संस्था सृजन द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के सहकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने शिरकत की। समारोह के दौरान कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महान विभूतियों को सम्मानित किया गया।

इसी कड़ी में, हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश जोशी को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित सृजन श्री सम्मान से नवाजा गया। मुख्य अतिथि सहकारिता मंत्री कृष्ण बेदी की उपस्थिति में संस्था के पदाधिकारी डा. योगेश्वर जोशी ने उन्हें यह सम्मान भेंट किया। कलाकारों का संरक्षण और कला का संवर्धन हमारा मुख्य ध्येय- महेश जोशी। सम्मान ग्रहण करने के बाद दर्शकों और कला प्रेमियों को

संबोधित करते हुए हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश जोशी ने संस्था सृजन का आभार व्यक्त किया। कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर कला और संगीत की त्रिवेणी बहाने में सृजन संस्था का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा, यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि हरियाणा की उस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उन सभी जमीनी कलाकारों का सम्मान है जो दिन-रात कला को जीवित रखने में जुटे हैं। हरियाणा कला परिषद प्रदेश के हर कोने में कला और संस्कृति के संवर्धन तथा कलाकारों के कल्याण व संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है और आगे भी यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में संगीतप्रेमी और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में डीसी वर्षा खांगवाल के समक्ष कोबी ने उद्योगों की समस्याओं को उठाया, अब हर माह होगी समीक्षा बैठक

एजेंसी

बहादुरगढ़। झज्जर जिले के सभी औद्योगिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज (कोबी) ने बहादुरगढ़ एसडीएम कार्यालय में आयोजित बैठक में उद्योगों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को जिला प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया। बैठक में उपायुक्त वर्षा खांगवाल आईएएस, अतिरिक्त उपायुक्त जगनिवास, एसडीएम अभिनव सिवाच (आईएएस) सहित एचएसआईआईडीसी, नगर परिषद, बिजली विभाग, पीडब्ल्यूडी, प्रदूषण नियंत्रण विभाग, पब्लिक हेल्थ समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कोबी की ओर से अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र वशिष्ठ, कार्यकारिणी सदस्य सुनील गर्ग, नवल गर्ग सहित विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में एमआईई पार्ट-ए, पार्ट-बी, ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया, सेक्टर-16, 17, 4बी व गणपति धाम में सड़क, सीवरेज, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, वर्षा जल निकासी, सफाई, पार्कों के रखरखाव, पुराने औद्योगिक क्षेत्र की 170/40 फीट सड़क, जून 2023 में स्वीकृत 6.93 करोड़ की आधारभूत संरचना परियोजना तथा ईएसआईसी अस्पताल के लंबित निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग रखी गई।

इसके अलावा रोहड़ औद्योगिक क्षेत्र, जसौर खेड़ी (44 फीट रोड), एस्सार स्टील रोड, पटौदा-करोला रोड, नांगला-औरंगपुर रोड, दुलीना रोड और बादली-सुरा रोड की मरम्मत, पटौदा-करोला मार्ग के सुदृढ़ीकरण, शराब ठेकों को हटाने, जाखौदा-गणपति धाम नाले का निर्माण पूरा करने, गणपति धाम व सूर्य नगर के अपशिष्ट जल को एचएसआईआईडीसी के ईटीपी से जोड़ने, नियमित संयुक्त निरीक्षण, जिला स्तरीय निगरानी समिति के गठन तथा मंथन संपूर्ण विकास केंद्र के लिए सरकारी विद्यालय में स्थान उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। उपायुक्त वर्षा खांगवाल ने सभी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि उद्योगों की समस्याओं की समीक्षा के लिए हर माह बैठक आयोजित की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने 8 समितियों का किया विस्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वर्ष 2026-27 की शेष अवधि के लिए गठित विधानसभा की आठ समितियों का विस्तार करते हुए विभिन्न विधायकों को सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकारी आश्वासन समिति में विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। अधीनस्थ

विधान समिति में विधायक अनिल यादव को सदस्य तथा विधायक नरेश सेलवाल को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया है। स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं संबंधी समिति में विधायक माम्मन खान को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। जन स्वास्थ्य, सिंचाई, विद्युत एवं लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) विषय समिति में विधायक मंजू चौधरी को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विषय समिति में विधायक जस्सी पेटवाड़ तथा विधायक देवेंद्र हंस को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया है। पर्यावरण एवं प्रदूषण विषय समिति में विधायक देवेंद्र सिंह कादियान को सदस्य तथा विधायक परमवीर सिंह एवं सतीश कुमार फागना को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।युवा कल्याण एवं युवा मामलों से संबंधित विषय समिति में विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री को सदस्य तथा विधायक शीशपाल सिंह को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया है। इसके अतिरिक्त, याचिका समिति में विधायक मोहम्मद इसराइल एवं गोकुल सेतिया को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। इन मनोनयनों के साथ संबंधित समितियां वर्ष 2026-27 की शेष अवधि के दौरान अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान में आमजन की हो सक्रिय भागीदारी : एसडीएम

एजेंसी

बेरी(झज्जर)। एसडीएम रेणुका नांदल ने बेरी लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में एनीमिया मुक्त भारत अभियान को लेकर उपमंडल स्तरीय समिति की बैठक लेते हुए जरूरी निर्देश दिए। इस बीच एसएमओ डीघल डॉ. अमित ने अभियान को लेकर प्रगति की जानकारी दी।

एसडीएम रेणुका नांदल ने कहा कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सभी संबंधित विभागों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों में एनीमिया की रोकथाम शासन प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, आयरन एवं फोलिक एसिड की गोलियों का वितरण, संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूकता तथा लाभार्थियों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य 3संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय के साथ अभियान की गतिविधियों का प्रभावी संचालन करें

तथा स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें। एसडीएम ने कहा कि एनीमिया पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने, लोगों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने, स्वच्छता बनाए रखने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर एसएमओ डॉ सुभाष चंद्र,बीडीपीओ धर्मपाल , बीईओ रोहतास दहिया,प्राचार्या डॉ सुनीता शर्मा, रविंद्र कौशिक, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रेवाड़ी में बिजली निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों का मार्च, हड़ताल की दी चेतावनी

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा में बिजली विभाग के निजीकरण के विरोध में रेवाड़ी के बिजली कर्मचारियों और अधिकारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने झज्जर रोड स्थित विद्युत सदन से सचिवालय तक पैदल मार्च निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और चेतावनी दी कि बिजली निगम को किसी भी कीमत पर निजी कंपनियों के हवाले नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद वे शहर के मुख्य बाजार से होते हुए पैदल सचिवालय पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने निजीकरण के विरोध में तख्तियां लेकर नारे लगाए और सरकार से अपना फैसला वापस लेने की मांग की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार पूंजीपतियों के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। उनका आरोप था कि कभी स्मार्ट मीटर लगाने और कभी अन्य योजनाओं का हवाला देकर बिजली निगम को एग्रो डिस्कॉम जैसी मुखौटा कंपनियों के माध्यम से निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी इस प्रयास को किसी भी सूरत में सफल नहीं होने देंगे। वक्ताओं ने कहा कि बिजली निगम प्रदेश की जनता की संपत्ति है और इसका निजीकरण कर्मचारियों के साथ-साथ उपभोक्ताओं के हितों के भी खिलाफ है। यदि सरकार ने अपना निर्णय वापस नहीं लिया तो पूरे प्रदेश में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा, ताकि आम लोगों को भी निजीकरण के संभावित प्रभावों से अवगत कराया जा सके। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार इसके बावजूद नहीं मानी तो बिजली कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में बिजली व्यवस्था प्रभावित होने की पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। कर्मचारियों ने कहा कि वे बिजली निगम को एग्रो डिस्कॉम जैसी किसी भी निजी कंपनी को सौंपने के विरोध में अंतिम दम तक संघर्ष जारी रखेंगे।

कच्चे तेल में फिर गिरावट, तनाव के बीच भी आपूर्ति बरकरार

नई दिल्ली ।

पिछले कारोबारी दिन की जोरदार उछाल के बाद गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में फिर गिरावट दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह यह रही कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, बाजार को यह विश्वास है कि तेल की वैश्विक आपूर्ति पूरी तरह से बाधित नहीं हुई है। ताजा कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 1.3 फीसदी गिरकर 86.94 डॉलर प्रति बैरल पर और डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 1.4 फीसदी टूटकर 83.30 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल के दामों में काफी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बुधवार को जहां कीमतों में जोरदार उछाल आया था, वहीं मंगलवार को भी इनमें गिरावट दर्ज हुई थी। मौजूदा गिरावट का सबसे बड़ा कारण यही है कि लाल सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से तेल और मालवाहक जहाजों की आवाजाही लगातार जारी है। रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य से 39 मालवाहक जहाज गुजरे, जो हाल के दिनों में सबसे अधिक संख्या है, जिससे बाजार की चिंताएं कुछ कम हुई हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव कम नहीं हुआ है। अमेरिका और ईरान समर्थित ठिकानों के बीच हमले-जवाबी हमले की खबरें आ रही हैं। ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमला करने का दावा किया है, वहीं यमन के हूती विद्रोहियों ने भी लाल सागर में जहाजों पर हमले तेज करने की चेतावनी दी है। ऐसे में, भले ही तत्काल आपूर्ति जारी है, लेकिन भविष्य में संघर्ष बढ़ने से तेल की कीमतों में फिर से उछाल आने की आशंका बनी हुई है।

सोने की कीमतों में हल्की बढ़त, चांदी के भाव फिसले

- सोने का भाव 114 रुपए चढ़कर 141895 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जहां सोने की कीमत में हल्की बढ़त दर्ज की गई, वहीं चांदी के दाम में गिरावट आई। दिल्ली, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के भाव में बदलाव आया है। सुबह 9 बजे के आंकड़ों के अनुसार एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 114 रुपये चढ़कर 141895 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का वायदा भाव 1487 रुपये फिसलकर 215992 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। जबकि 30 जुलाई को चांदी का खुदरा भाव 235 रुपए प्रति ग्राम और 2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। शहरों में भी सोने के भाव में बदलाव देखा गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 14,431 रुपये प्रति ग्राम पर था, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और केरल में इसकी कीमत 14,416 रुपये प्रति ग्राम रही। चेन्नई में यह 14,415 रुपये और वडोदरा व अहमदाबाद में 14,421 रुपये प्रति ग्राम बिका। जयपुर में 24 कैरेट सोना 82 रुपए की बढ़त के साथ 14,448 रुपए प्रति ग्राम, 22 कैरेट 75 रुपए चढ़कर 13,245 रुपए प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 62 रुपए की बढ़त के साथ 10,840 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया। 22 कैरेट सोना दिल्ली में 13,229 रुपये प्रति ग्राम और अधिकांश अन्य शहरों में 13,214 रुपये प्रति ग्राम के आसपास रहा। 18 कैरेट सोने का दाम चेन्नई में 11,029 रुपये, दिल्ली में 10,827 रुपये और मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु सहित कई शहरों में 10,812 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी यह मिलाजुला रुख कायम रहा। सोना 0.45 फीसदी उछलकर 4,054 डॉलर प्रति औंस पर, जबकि चांदी 0.70 फीसदी फिसलकर 57.685 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने के बाद, फेड चेयरमैन ने महंगाई को एक बड़ी चिंता बताया, जिससे निवेशकों की नजर फेड की आगे की नीतियों पर बनी हुई है। सोने को महंगाई से बचाव का एक अच्छा निवेश माना जाता है, और ईरान-यूएस हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और वैश्विक तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने को सहारा दिया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 274 अंक , निफ्टी 66 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिली है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 273.55 अंक बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.95 अंक बढ़कर 24,317.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में गिरावट रही।

आज निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक उछले। निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी के शेयरों में बढ़त रही। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी सूचकांक में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एम एंड एम, कोल इंडिया, आइशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, टीएमपीवी और विप्रो शामिल थे जबकि एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और इंडिगो के शेयर गिरे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की मिली-जुली शुरुआत रही। शुरुआती कारोबार में जहां प्रमुख सूचकांकों में मामूली उतार-चढ़ाव दिखा, वहीं सेक्टरों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर दर्ज किया गया। सुबह 9ः19 बजे तक सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ 77,619.20 पर था, जबकि निफ्टी50 मामूली बढ़त के साथ 24,261.90 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.56 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया 95.59 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में कुछ बढ़त गंवाकर 95.63 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 13 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को छह पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.76 पर बंद हुआ था। इससे पहले मंगलवार को यह 17 पैसे की बढ़त के साथ 95.82 प्रति डॉलर पर रहा था। उससे पहले लगातार दो कारोबारी सत्रों में इसमें कुल 74 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 101.79 पर रहा।

गोल्ड लोन नियमों में हुआ बदलाव, अब चुकानी होगी मासिक किस्त

छोटे कर्जदारों को होगी परेशानी, एनपीए बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । सोने के गहने गिरवी रखकर कर्ज लेने वाले ग्राहकों को जल्द ही एक बड़े बदलाव का सामना करना पड़ सकता है। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार देश का गोल्ड लोन बाजार अब एक संरचनात्मक परिवर्तन से गुजरेगा, जहां एकमुश्त भुगतान (बुलेट पेमेंट) की जगह नियमित मासिक किस्त (ईएमआई) प्रणाली लागू होगी। यह बदलाव कर्ज चुकाने का तरीका बदलने के साथ-साथ गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में भी वृद्धि ला सकता है।` रिपोर्ट के अनुसार एनबीएफसी के करीब 90 फीसदी ग्राहक बुलेट पेमेंट का इस्तेमाल करते थे, जहां मूलधन और ब्याज का एकसाथ भुगतान लोन अवधि के अंत में होता था। यह प्रणाली अब नियमित मासिक किस्त में बदल जाएगी। ग्राहकों को हर महीने भुगतान करना होगा और इसमें ढलने में मुश्किल होने से निकट भविष्य में एनपीए बढ़ने का अनुमान है। यह बदलाव बैंकों और एनबीएफसी के लिए सोने के भाव में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिम को कम करेगा। इक्रा का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-28 तक गोल्ड लोन बाजार 30 फीसदी से अधिक की सीएजीआर से बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। एनबीएफसी की बाजार हिस्सेदारी भी 23 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है।

शेयर बाजार की चकाचौंध पर भीतर से कमजोर, कहीं खतरे की घंटी तो नहीं?

दिख रहा मजबूत बाजार, पर असलियत है कुछ और

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार भले ही मौजूदा समय में मजबूत दिखाई दे रहा हो, लेकिन एक ब्रोकरेज फर्म ने इसके पीछे की वास्तविक तस्वीर को लेकर चिंता जताई है। फर्म का कहना है कि बाजार की मौजूदा रफ्तार मुख्य रूप से घरेलू निवेशकों की खरीदारी पर टिकी है, जबकि कंपनियों की कमाई की वृद्धि धीमी पड़ रही है और अर्थव्यवस्था में कई संरचनात्मक चुनौतियां बनी हुई हैं। इस माहौल में फर्म ने निवेशकों को रक्षात्मक क्षेत्रों में निवेश करने की सलाह दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों की कमाई की रफ्तार अब पहले जैसी तेज नहीं रही है और बाजार का वैल्यूएशन भी कम हो रहा है। इसके बावजूद बाजार में बड़ी गिरावट न आने का मुख्य कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी है। फर्म ने चेतावनी दी है कि यदि यह सहारा कमजोर पड़ता है, तो बाजार पर दबाव बढ़ सकता है, खासकर तब जब विदेशी निवेशक भी बाजार से दूरी बनाए हुए हैं।

रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था की सुस्त पड़ती रफ्तार पर भी प्रकाश डाला गया है। कागजी आंकड़ों और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ता अंतर चिंता का विषय है। साथ ही शहरों में वेतन वृद्धि की धीमी गति और ग्रामीण आय में कमी के कारण आम लोगों की क्रय शक्ति पर दबाव है। बढ़ती महंगाई के साथ यह स्थिति उपभोक्ता खर्च और कंपनियों की बिक्री को प्रभावित कर सकती है। बाहरी मोर्चे पर, पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में संभावित उछाल और रुपये पर दबाव बाजार के लिए प्रमुख जोखिम बने हुए हैं। ब्रोकरेज ने बैंकिंग क्षेत्र पर भी दबाव का जिक्र किया, जहां लोन वृद्धि के बावजूद जमा दरों में वृद्धि से बैंकों का नेट इंटरेस्ट मार्जिन प्रभावित हो रहा है। इन चुनौतियों के मद्देनजर ब्रोकरेज फर्म ने निवेशकों को फार्मा, डिफेंस और एफएमसीजी जैसे डिफेंसिव सेक्टरों पर भरोसा करने की सलाह दी है।

वैश्विक सोने की मांग स्थिर, केंद्रीय बैंकों की खरीद में रिकॉर्ड उछाल

अप्रैल-जून में निवेश मांग घटी, लेकिन ओटीसी और सरकारी खरीद ने संभाला

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही में वैश्विक सोने की कुल मांग लगभग स्थिर रहकर 1,269 टन दर्ज की गई। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान तिमाही के लगभग बराबर रहा, जो शुरुआती रिकॉर्ड कीमतों के बाद बाजार में आई कुछ नरमी के बावजूद मांग में स्थिरता दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि केंद्रीय बैंकों की रिकॉर्ड खरीद और ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) निवेश ने गिरावट को थामे रखा। डब्ल्यूजीसी की क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में सोने की मांग सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर अनुमानित 2,522 टन रही, जिसका मूल्य 3,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा।दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड), सोने के बिस्कुट और सिक्कों में निवेश घटकर 262 टन रह गया। सोने की कीमतों में नरमी आने से वर्ष की शुरुआत में देखी गई मजबूत निवेश गति धीमी पड़ गई।

हालांकि, गोल्ड ईटीएफ से 45 टन की निकासी के बावजूद, पहली छमाही में ईटीएफ की कुल मांग 18 टन के साथ सकारात्मक बनी रही। सोने के बिस्कुट व सिक्कों में निवेश अपेक्षाकृत स्थिर रहा, तिमाही में तीन प्रतिशत घटा, लेकिन पहली छमाही में यह 21 प्रतिशत अधिक रहा। वहीं एशियाई निवेशकों के मजबूत समर्थन से ओटीसी बाजार में मांग दूसरी तिमाही में 327 टन रही, जिसने कुल मांग को सहारा दिया। डब्ल्यूजीसी के भारत प्रमुख सचिन जैन ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में केंद्रीय बैंकों और अन्य आधिकारिक संस्थानों ने अपने भंडार में शुद्ध 289 टन सोना जोड़ा, जो सालाना आधार पर 62 प्रतिशत अधिक है।

एचएफसीएल को 441 करोड़ रुपए का नया निर्यात ठेका मिला

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एचएफसीएल को ऑप्टिकल फाइबर केबल के निर्यात के लिए 4.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 441.53 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके को जनवरी, 2027 तक पूरा किया जाना है।

एचएफसीएल ने कहा` कि कंपनी को अपनी विदेशी अनुषंगी के माध्यम से एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ग्राहक से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए 4.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर (441.53 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है।''इस महीने की शुरुआत में भी एचएफसीएल को एक अंतरराष्ट्रीय डेटा सेंटर कंपनी से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए 495.8 करोड़ रुपये का निर्यात ऑर्डर मिला था। एचएफसीएल ने अपनी फाइबर ऑप्टिक केबल उत्पादन क्षमता को 3.9 करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर (आरकेएम) प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 4.5 करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर करने की घोषणा की है। कंपनी ऑप्टिकल फाइबर की उत्पादन क्षमता भी तीन करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर (आरकेएम) प्रतिवर्ष से बढ़ाकर चार करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर कर रही है।कंपनी के ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) कारोबार की ऑर्डर बुक गत वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 13,483 करोड़ रुपये थी।

एथनॉल के डर से हाई-ऑक्टेन पेट्रोल की बिक्री दोगुनी से ज्यादा बढ़ी

जुलाई में विवाद बढ़ने से मांग में तेजी, अधिकारी बोले, यह उछाल अस्थायी

नई दिल्ली ।

एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को संभावित नुकसान पहुंचने की बढ़ती चिंताओं के बीच हाल के महीनों में एथनॉल-मुक्त 100-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल की बिक्री दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह उछाल जुलाई माह में खास तौर पर ज्यादा देखा गया, जब पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद अपने चरम पर था, जिसने उपभोक्ताओं की चिंताएं बढ़ा दीं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियां इंडियन ऑयल (एक्सपी100), भारत पेट्रोलियम (स्पीड100) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (पावर100) ब्रांड के तहत यह उच्च-ऑक्टेन ईंधन बेचती हैं। यह विशेष रूप से सुपरकार, लक्जरी सिडैन और सुपरबाइक जैसी उच्च-प्रदर्शन वाली गाड़ियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। हालांकि, देश की कुल पेट्रोल बिक्री में इसकी हिस्सेदारी महज 0.1 प्रतिशत है, लेकिन सोशल मीडिया पर एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों ने इसकी मांग में अचानक वृद्धि कर दी है। सूत्रों के अनुसार एथनॉल-मुक्त पेट्रोल की इस बढ़ी हुई मांग का सबसे ज्यादा असर दिल्ली में देखा गया है। राष्ट्रीय राजधानी में 100-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल की कीमत लगभग 160 रुपये प्रति लीटर है, जो सामान्य पेट्रोल (20 फीसदी एथनॉल मिश्रित, 102.12 रुपए लीटर) से लगभग 57 फीसदी महंगा है।

हाई-कैफीन ड्रिंक्स पर एनर्जी ड्रिंक का टैग लगाने पर रोक

कंपनियों को लेबल बदलने के लिए 90 दिन का समय

नई दिल्ली ।

भारत के खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हाई-कैफीन वाले पेय पदार्थों पर एनर्जी ड्रिंक शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है।` नियामक का कहना है कि इन उत्पादों के लिए देश में कोई आधिकारिक मानक नहीं हैं, और शरीर को ऊर्जा देता है या कमजोरी दूर करता है जैसे दावे ग्राहकों को गुमराह कर सकते हैं। एफएसएसएआई ने कंपनियों को अपने उत्पादों पर ऐसे दावे करने से भी रोका है। इस निर्देश का पेप्सी सहित कई कंपनियों ने शुरू में विरोध किया था, उनका तर्क था कि इससे उनके ब्रांड और बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार कंपनियों ने अंततः नियमों का पालन करने पर सहमति व्यक्त कर दी है, और एफएसएसएआई ने उन्हें लेबल बदलने के लिए 90 दिन का समय दिया है। यह कदम ऐसे समय में आया है

जब दुनिया भर में हाई-कैफीन, चीनी और टॉरिन युक्त पेय पदार्थों से जुड़ी स्वास्थ्य चिंताओं के कारण इन पर लगाम कसी जा रही है। उदाहरण के लिए इंग्लैंड अगले साल अप्रैल से 16 साल से कम उम्र के बच्चों को ऐसे पेय बेचने पर प्रतिबंध लगाएगा।

इंडियन बेवरेज एसोसिएशन ने सरकार के नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया है और विज्ञान आधारित नीतियों का समर्थन किया है। हालांकि, एसोसिएशन ने एफएसएसएआई से किसी भी बड़े नियम को लागू करने से पहले कंपनियों से चर्चा करने का आग्रह किया है

ताकि नियमों का सुचारु कार्यान्वयन हो सके और विवादों को टाला जा सके।

फेड ने ब्याज दरें अपरिवर्तित रखीं, महंगाई पर कड़ा रुख जारी

तीन एफओएमसी सदस्यों ने दर वृद्धि का किया समर्थन

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख ब्याज दरों को 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। यह फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा, लेकिन नीति निर्धारण समिति के तीन सदस्यों ने दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि का समर्थन कर आंतरिक मतभेद को उजागर किया।

फेड ने उच्च महंगाई पर कड़ी नजर रखने की बात दोहराई है। क्लीवलैंड, डलास और मिनियापोलिस फेडरल रिजर्व बैंकों के अध्यक्षों ने मौजूदा आर्थिक स्थितियों के मद्देनजर दरों में वृद्धि को उचित बताया। उन्होंने अप्रैल की बैठक में भी ब्याज दरों में नरमी के संकेतों का विरोध किया था। नए फेड चेयर केविन वॉर्श के नेतृत्व में फेड ने बयान दिया कि महंगाई दर अभी भी उसके 2त्न के दीर्घकालिक लक्ष्य से ऊपर है। केंद्रीय बैंक ने भविष्य के फैसलों के लिए आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर रहने का संकेत दिया, और महंगाई को लेकर अपने सख्त रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई।

फेड ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया, जिसमें आर्थिक गतिविधियां ठोस गति से बढ़ रही हैं और रोजगार बाजार भी स्थिर बना हुआ है। रोजगार सृजन की रफ्तार श्रमबल की वृद्धि के अनुरूप है। इस फैसले के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट कम हुई, जबकि ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड में तेजी सीमित रही और डॉलर कमजोर हुआ। बाजार अब आगामी आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डि जिट में किया 139 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस में करीब 0.62 प्रतिशत हिस्सेदारी 139 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह सौदा उद्यम पूंजी कंपनी पीक एक्सवी पार्टनर्स से किया गया, जैसा कि एनएसई पर उपलब्ध सौदे के आंकड़ों से पता चला है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के 57,21,378 शेयर खरीदे। इस सौदे का औसत मूल्य 243 रुपये प्रति शेयर रहा, जिससे कुल सौदे का मूल्य 139.03 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

इस लेनदेन में अमेरिका की पीक एक्सवी पार्टनर्स ने अपनी संबद्ध इकाई पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स-3 के माध्यम से इतनी ही संख्या में शेयर इसी कीमत पर बेचे। यह उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी पीक एक्सवी

पार्टनर्स ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस के 33.3 लाख से अधिक शेयर 100 करोड़ रुपये में बेचे थे।

हाल ही में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने मंगलवार को गोडिजिट इन्फोवर्क्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस में प्रस्तावित विलय को मंजूरी दी थी।

गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस भारत में विभिन्न सामान्य और स्वास्थ्य बीमा उत्पाद एवं सेवाएं प्रदान करती है।

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव, ट्रंप के दूत ढाका दौड़े उलटे पाँव

नीरज कुमार दुबे

रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है।

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है।

बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा।

बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं। बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

संपादकीय

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में ह्यडिजिटल अरेस्टह्न को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

साहित्य के अमर शिल्पकार मुंशी प्रेमचंद और उनकी कालजयी विरासत

दिलीप कुमार पाठक

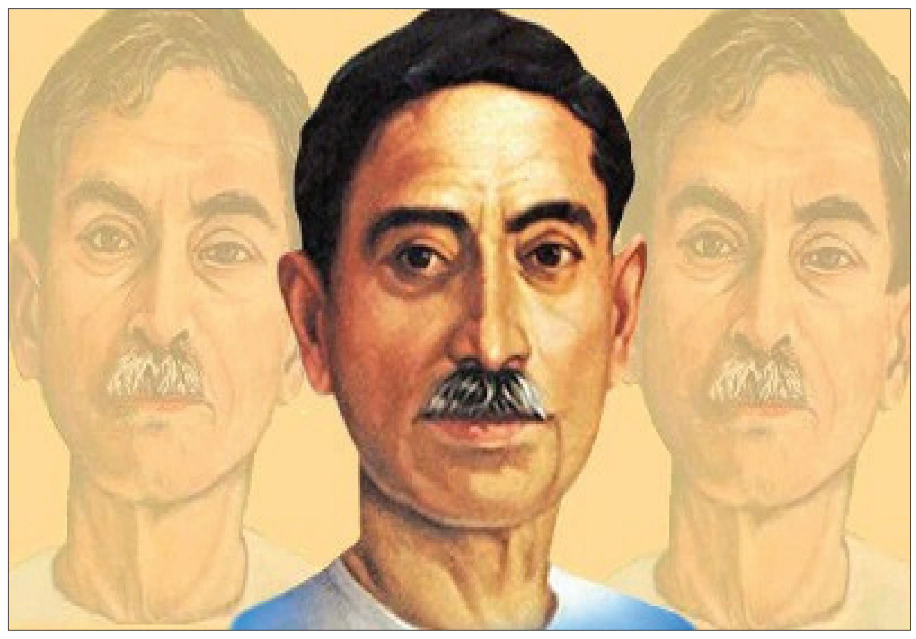

आज इकतीस जुलाई को हिंदी और उर्दू साहित्य के सबसे बड़े लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। जब हम प्रेमचंद का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसे सीधे-साधे इंसान की तस्वीर उभरती है जिसने हमेशा आम जनता की बात की। उन्होंने राजा-रानियों और परियों की काल्पनिक कहानियों को छोड़कर समाज के सबसे गरीब और बेबस लोगों को अपनी लेखनी का हीरो बनाया। प्रेमचंद केवल कहानियां लिखने वाले लेखक नहीं थे बल्कि वे अपने समय से बहुत आगे की सोचने वाले एक सच्चे युग दृष्टा थे। उन्होंने समाज को देखने और समझने का एक नया नजरिया दिया। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने करीब सौ साल पहले जिन सामाजिक बुराइयों और इंसानी स्वभाव को पहचाना था वे सारी बातें आज भी हमारे समाज में सच साबित हो रही हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के जरिए एक ऐसी साहित्यिक विरासत हमारे बीच छोड़ी है जो हमेशा हमारा रास्ता रोशन करती रहेगी।

प्रेमचंद के पूरे साहित्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी सादगी और जमीन से जुड़ी सच्चाई थी। उन्होंने भारत के गांवों, वहां के किसानों और मेहनत करने वाले मजदूरों के दुख-दर्द को बहुत करीब से देखा और महसूस किया था। उनका साहित्य केवल समाज की कमियां नहीं गिनाता बल्कि हमें अंदर से झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने गोदान, गबन और रंगभूमि जैसे महान उपन्यासों के जरिए उस समय के जमींदारों और सूदखोरों पर सीधा हमला किया जो गरीब जनता का खून चूस रहे थे। प्रेमचंद ने पैसों की भूख, जातिवाद, छुआछूत और महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अपनी कलम को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी दूरदर्शिता इसी बात से समझ आती है कि वे बहुत पहले जान गए थे कि जब तक हमारे देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश की तरक्की की बातें बिल्कुल अधूरी हैं। उनकी छोटी-छोटी कहानियों का असर इतना गहरा है कि वे सीधे पाठक के दिल में उतर जाती हैं। पूस की रात, कफन और ठाकुर का कुआं जैसी कहानियां मनोरंजन के लिए नहीं लिखी गई थीं बल्कि वे समाज का आईना थीं। कफन कहानी में भूख और तंगहाली के कारण संवेदनहीन हो चुके बाप-बेटे के जरिए उन्होंने दिखाया कि भयंकर गरीबी कैसे इंसान के भीतर की दया और ममता को मार देती है। वहीं ठाकुर का कुआं कहानी में उन्होंने जाति के नाम पर होने वाले उस भेदभाव को दिखाया जो आज भी हमारे समाज में किसी न किसी रूप में दिखाई दे जाता है। प्रेमचंद ने इंसानी दिमाग और उसकी भावनाओं को इतनी गहराई से समझा था कि उनके बनाए किरदार वक्त के साथ पुराने नहीं हुए बल्कि आज भी हमारे आसपास जीते-जागते नजर आते हैं। अगर हम उनके साहित्यिक प्रभाव की बात करें तो प्रेमचंद ने अपने बाद आने वाले लेखकों की कई पीढ़ियों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने साहित्य की भाषा को बड़े-बड़े विद्वानों के कमरों से निकालकर आम लोगों की बोलचाल की भाषा बनाया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के शब्दों को मिलाकर एक बेहद सरल हिंदुस्तानी भाषा तैयार की जिसे पढ़ना और समझना हर किसी के लिए आसान था। प्रेमचंद का मानना था कि लेखक का काम सिर्फ सुंदर शब्द लिखना नहीं है बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने साहित्य को समाज में बदलाव लाने का एक जरिया बना दिया जिससे प्रेरणा लेकर बाद के अनगिनत लेखकों ने सच लिखने का रास्ता चुना। प्रेमचंद ने अपना पूरा जीवन बहुत तंगी और अभावों में गुजारा लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वाभिमान और सच का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने महलों की सुख-सुविधाओं के आगे झुकने के बजाय विपरीत परिस्थितियों में रहकर सच लिखना ज्यादा ठीक समझा। उनकी यही दूरदर्शिता और आम जनता से जुड़ाव उन्हें साहित्य जगत का असली साहित्य सम्राट बनाता है। उनकी छोड़ी हुई विरासत हमें सिखाती है कि सच्चा साहित्य वही है जो हर दौर में सच का साथ दे और इंसानी भावनाओं को जिंदा रखे। उनका यह प्रभाव आने वाले कई युगों तक ऐसे ही बना रहेगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

धरती तप रही है : बढ़ती गर्मी और मानव जीवन पर मंडराता खतरा

सुनील कुमार महला

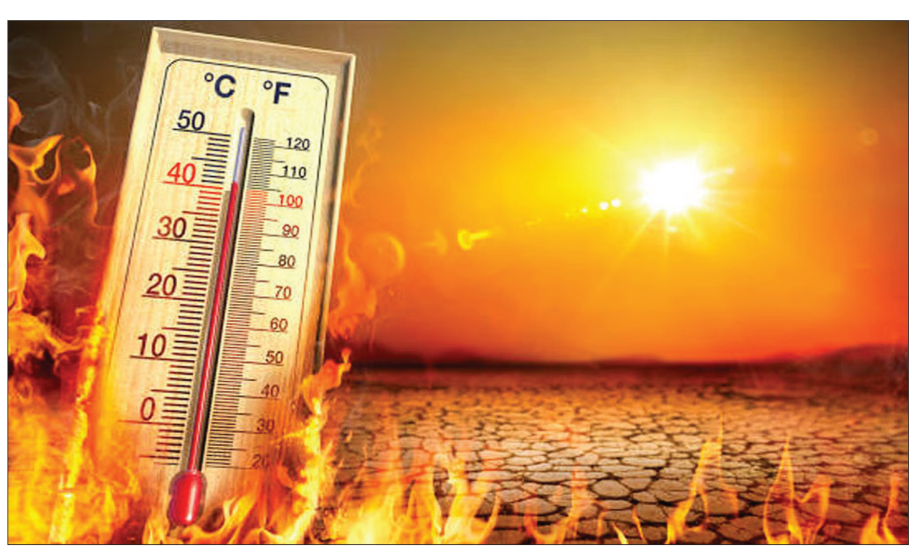

आज धरती का तापमान लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। वास्तव में, कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आज पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की अंधाधुंध कटाई, तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और कार्बन उत्सर्जन के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया में हीटवेव, सूखा, बाढ़, अनियमित वर्षा, समुद्र-स्तर में वृद्धि और जंगलों में भीषण आग जैसी घटनाओं के रूप में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों तथा गरीब और विकासशील देशों की आबादी पर पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (इपीआइसी) के अंतर्गत कार्यरत क्लाइमेट इंपेक्ट लैब ने मार्च 2026 में अडैप्टेशन रोडमैपः ह्यूमन हेल्थ-बढ़ते तापमान का मौत पर असर मापना ताकि अडैप्टेशन प्लानिंग को टारगेट किया जा सके शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण होने वाली ताप-जनित (हीट-रिलेटेड) मौतों तथा उनसे बचाव के उपायों का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार यदि वैश्विक तापमान वर्तमान गति से बढ़ता रहा, तो अत्यधिक गर्मी के कारण हर वर्ष लगभग 4.3 लाख (430,000) अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हो सकती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब देशों पर पड़ेगा, क्योंकि वहाँ जलवायु अनुकूलन (एडैप्टेशन) के लिए आवश्यक संसाधन सीमित हैं। रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि मृत्यु दर केवल तापमान बढ़ने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि लोगों को विश्वसनीय बिजली, एयर कंडीशनर, शीतल आवास, स्वास्थ्य सेवाएँ और प्रभावी हीट-एक्शन प्लान जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं। दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका को सबसे अधिक जोखिम वाला क्षेत्र बताया गया है, क्योंकि वहाँ अत्यधिक गर्मी के साथ गरीबी और ऊर्जा की कमी भी मौजूद है। बढ़ते तापमान का एक और गंभीर परिणाम जंगलों में लगने वाली आग की बढ़ती घटनाएँ हैं। इससे न केवल जैव-विविधता और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचता है, बल्कि मानव बस्तियाँ भी खतरे में आ जाती हैं। यूरोप, जिसे कभी अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब वहाँ भी वनाग्नि की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल हाल के वर्षों में भीषण आग से प्रभावित हुए, जिसके कारण लगभग ढाई लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। भारत में भी हर वर्ष जंगलों की आग से वन संपदा, वन्यजीवों और पर्यावरण को व्यापक क्षति होती है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यदि अभी से स्वच्छ ऊर्जा, विश्वसनीय बिजली, किफायती शीतलन (कूलिंग) सुविधाओं, प्रभावी हीट-एक्शन प्लान, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना में निवेश किया जाए, तो वर्ष 2050 तक होने वाली लाखों संभावित मौतों को रोका जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। इसलिए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी, हरित ऊर्जा को बढ़ावा, वनों का संरक्षण और प्रभावी जलवायु अनुकूलन उपाय अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व स्तर पर अनेक योजनाएँ और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। विडंबना यह है कि जिन देशों का कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। दूसरी ओर, विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कार्बन उत्सर्जन को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसमें विकसित देशों का योगदान सबसे अधिक है, फिर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में उनकी अपेक्षित सक्रियता दिखाई नहीं देती।

अंततः निष्कर्ष के तौर पर यहां पर यह कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान को कम करना केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर सौर, पवन और जल जैसी हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और वनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा उद्योगों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और जन-जागरूकता को भी बढ़ावा देना होगा। यदि आज ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को और भी गंभीर जलवायु संकट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रकृति के साथ संतुलित विकास का मार्ग अपनाकर ही पृथ्वी को सुरक्षित, स्वच्छ और रहने योग्य बनाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में पुलिसकर्मियों की हत्या, दोषियों को फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में मंगलवार को राज्य मीडिया ने बताया कि जनवरी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान चार पुलिस अधिकारियों की हत्या के आरोप में दो पुरुषों को फांसी दी गई। न्यायपालिका से संबद्ध मीजानऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी पहचान अबुलफजल सेपाही बदजानी और अमीर हुसैन सफारी हुसैनाबादी के रूप में हुई है। इन पर इस्फ़हान शहर में एक पुलिस स्टेशन में आग लगाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप था। इस्फ़हान राजधानी तेहरान से करीब 400 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। ये दोनों जनवरी में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार किए गए हजारों लोगों में से थे। अधिकार समूहों का कहना है कि और भी लोगों को मौत की सजा मिल सकती है। दिसंबर के अंत में शुरू हुए ये विरोध प्रदर्शन जनवरी तक चले, जिन पर सुरक्षा बलों ने कड़ी कार्रवाई की थी। इससे पहले जुलाई में भी ईरान ने इसी मामले में दो अन्य पुरुषों को फांसी दी थी। ईरान के अनुसार विरोध प्रदर्शनों में 3,000 से अधिक लोग मारे गए, जबकि अधिकार समूह यह संख्या 7,000 से अधिक बताते हैं।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन : ब्रैडफोर्ड में कश्मीरी कार्यकर्ताओं का विरोध

इस्लामाबाद, एजेंसी। ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास के बाहर कश्मीरी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में पाकिस्तान के अत्याचारों और मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ था। प्रदर्शनकारियों ने पीओजेके के रावलकोट और मीरपुर में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में हुई मौतों पर चिंता जताई। पिछले दो दिनों में कई लोग बुनियादी अधिकारों की मांग करते हुए मारे गए। यह विरोध 52 दिन के आंदोलन के दौरान बढ़ा। प्रदर्शनकारी बंदियों की रिहाई और मामले वापस लेने की मांग कर रहे थे। सोमवार को जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) और अधिकारियों के बीच बातचीत विफल हुई। जेएएसी ने 27 जुलाई को दोपहर 1 बजे तक मांगों की स्वीकृति की समय सीमा दी। समझौता न होने पर हजारों लोग रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करने लगे। इसके बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की।

टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं होगा, इससे अरबों डॉलर का निवेश आएगा : ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) से जुड़े उत्पादों पर लगाए गए नए टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कोई नुकसान नहीं होगा। उनका कहना है कि इन टैरिफ के कारण देश में सैकड़ों अरब डॉलर का निवेश आएगा। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि इस साल की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत लगाए गए शुल्क को रद्द किए जाने के बाद फोर्स्ड लेबर टैरिफ उसी उद्देश्य को हासिल करने का दूसरा तरीका है। अर्थव्यवस्था पर हाल में लगाए गए टैरिफ के असर को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रंप ने कहा, 'नहीं, क्योंकि इससे सैकड़ों अरब डॉलर आ रहे हैं।' पिछले सप्ताह अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 के तहत 60 देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 12.5 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया था। अमेरिका का कहना है कि इन देशों ने जबरन श्रम से तैयार वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया। ट्रंप ने कहा, 'नहीं, नहीं, टैरिफ को लेकर अफसोस सिर्फ इतना है कि मुझे इसे लागू करने के लिए कठिन रास्ता अपनाना पड़ा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत करीबी फैसले में मेरे खिलाफ फैसला दिया।' उन्होंने कहा, 'अब मेरे पास वही काम करने के दूसरे तरीके हैं, लेकिन वे अधिक जटिल हैं। हालांकि, टैरिफ ने इस देश को बहुत संपन्न बनाया है। इसने अमेरिका को समृद्ध किया है।' ट्रंप ने दावा किया कि टैरिफ लगाने की चेतावनी से आठ में से पांच संघर्ष रुक गए, जिनमें पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ संघर्ष भी शामिल है।

म्यांमार में आम नागरिकों पर बढ़े हमले

नेपीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में नए सैन्य नेतृत्व के आने के बाद आम नागरिकों पर हमले तेज हो गए हैं। एक्लेड की रिपोर्ट के अनुसार, नए सैन्य प्रमुख ये विन ओ के पद संभालने के बाद से सैन्य दमन और हवाई हमले बढ़े हैं। जेट फाइटर विमानों द्वारा टारगेट्स पर बार-बार बमबारी की जा रही है। यह बदलाव तख्तापलट करने वाले नेता मिन आंग ह्लाइंग के राष्ट्रपति बनने से ठीक पहले सेना कमान में फेरबदल के बाद हुआ है। वर्ष 2026 की पहली छमाही में 12 से अधिक सामूहिक हत्याओं में 450 से अधिक नागरिक मारे गए हैं। इनमें से करीब 40 फीसदी मौतें मध्य शुष्क क्षेत्र अन्यायर में हुई हैं।

अमेरिकी कांग्रेस चुनाव: डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमीश और पिया को दिया समर्थन; क्या रिपब्लिकन गढ़ में लगेगी सेंध?

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतवंशी दो उम्मीदवार अमीश शाह और पिया दांडिया डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान में शामिल किए गए हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी नवंबर में होने वाले कांग्रेस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण वापस हासिल करने की कोशिश कर रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने मंगलवार को शाह और दांडिया समेत पांच उम्मीदवारों को अपने 'रेड टू ब्लू' अभियान में शामिल किया। इस अभियान के तहत उन उम्मीदवारों को संगठन और धन जुटाने में मदद दी जाती है, जो रिपब्लिकन के प्रभाव वाले क्षेत्रों में कड़ी चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं। डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति 30 ऐसे उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है, जिनके बारे में उसका मानना है कि वे नवंबर के चुनाव में रिपब्लिकन से अपनी सीटें छीन सकते हैं। अमीश शाह पेशे से चिकित्सक हैं और पहले राज्य प्रतिनिधि रह चुके हैं। वह एरिजोना के पहले जिले से चुनाव मैदान में हैं। उनका मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार और राष्ट्रीय फुटबॉल लीग के पूर्व खिलाड़ी जे फीली से है। जे फीली को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन मिला हुआ है। पिया दांडिया पहले हाईस्कूल की प्रधानाचार्य रह चुकी हैं। वह दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले से चुनाव लड़ रही हैं। यह क्षेत्र नए परिसीमन के बाद बनाया गया है और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव नहीं लड़ रहा है। भारत से अमेरिका आए माता-पिता की संतान पिया दांडिया ने पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन नेता ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं।

डेमोक्रेटिक अभियान समिति के प्रमुख ने क्या कहा : डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति की अध्यक्ष सुजान डेलबेने ने एक बयान में कहा, पिया एक कामकाजी मां हैं, जो नया भविष्य लिखना चाहती हैं। वह दक्षिण फ्लोरिडा के लोगों के लिए अमेरिकी सपने को ज्यादा आसान बनाना चाहती हैं। इसके लिए वह महंगाई की समस्या से निपटने, सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर जैसी जरूरी योजनाओं की रक्षा करने और रिपब्लिकन नेताओं को उनके अधूरे वादों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमीश शाह का अब तक का सियासी सफर कैसा रहा : अमीश शाह एरिजोना विधानसभा के तीन बार सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के समर्थन वाली उम्मीदवार और पूर्व पत्रकार मार्लेन गैलन-वुड्स को हराया था। गैलन-वुड्स इस साल डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के समर्थन के बावजूद चुनाव हारने वाली तीसरी उम्मीदवार हैं। इससे पहले कैलिफोर्निया की जस्मीत बैन्स और मेन के जो बाल्डाची भी पार्टी समर्थित उम्मीदवार होने के बावजूद हार चुके हैं।

इंडियन-अमेरिकन इम्पैक्ट नाम के संगठन ने कहा, हम अपने लोकतंत्र के भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं और

भारतीय-अमेरिकी नेता प्रतिनिधि सभा पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह संगठन भारतीय मूल के अमेरिकियों को सरकार के हर स्तर पर समान प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए काम करता है। अमीश शाह का जन्म शिकागो में गुजराती माता-पिता के घर हुआ था, जो 1960 के दशक में भारत से अमेरिका जाकर बसे थे। उन्होंने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री हासिल की और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल से चिकित्सा की डिग्री ली। वह चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम का हिस्सा भी रहे। शाह के पिता जैन धर्म से हैं और उनकी मां हिंदू हैं।

पिया दांडिया कौन हैं : वहीं, पिया दांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी नागरिक हैं। उनके चुनाव अभियान की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने हाई स्कूल की प्रधानाचार्य, नीति विशेषज्ञ और तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली नवाचारकर्ता के तौर पर समुदायों को मजबूत करने का काम किया है।

पिया दांडिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की। बाद में हार्लेम में हाई स्कूल की प्रधानाचार्य बनीं। उन्होंने कम आय वाले छात्रों के जीवन को बदलने के मकसद से एक हाई स्कूल की स्थापना की। उनका लक्ष्य छात्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाना था। उनके स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में प्रवेश मिला, जबकि इनमें से 86 फीसदी छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। चुनावी अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक प्रधानाचार्य बनीं। वह देश की सबसे कम उम्र की हाई स्कूल की प्रधानाचार्यों में से एक रहीं।

प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के कितने सांसद हैं : मौजूदा प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में भारतीय मूल के छह सांसद हैं। इनमें रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा और प्रमिला जयपाल शामिल हैं। रो खन्ना 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनने की तैयारी में रुचि दिखा रहे हैं। राजा कृष्णमूर्ति इलिनॉय से सीनेट चुनाव के लिए हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राथमिक चुनाव में हार गए थे।

पीओके में 14 मौतों के बीच पाक रक्षा मंत्री का विवादित बयान, प्रदर्शनकारियों को बताया भारत जैसा दुश्मन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बिगड़ते हालात और जारी हिंसा के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बेहद विवादित बयान देकर आग में घी डालने का काम किया है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 14 एक्टिविस्टों की मौत के बाद आसिफ ने प्रदर्शनकारियों की तुलना भारत से करते हुए उन्हें देश का दुश्मन करार दिया है।

भारत की तरह दुश्मन हैं प्रदर्शनकारी : एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पीओके की सड़कों पर उतरे लोगों के प्रति कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, 'मैं इन प्रदर्शनकारियों को भारत की श्रेणी में रखता हूं और उन्हें भी भारत की तरह ही दुश्मन मानता हूं। आसिफ ने प्रदर्शनकारियों के साथ किसी भी प्रकार की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उनके इस बयान ने पीओके में पहले से ही आक्रोशित जनता के गुस्से को और भड़का दिया है।

मुजफ्फराबाद मार्च के दौरान भारी हिंसा : यह विवाद उस समय बढ़ा जब प्रतिबंधित ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में करीब 5,000 लोग रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पीओके विधानसभा में कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म किया जाए। जेएएसी का मानना है कि ये सीटें इस्लामाबाद को क्षेत्रीय राजनीति में अनावश्यक

दखल देने का मौका देती हैं। इसी मार्च के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें 14 कार्यकर्ताओं की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पाक अधिकृत कश्मीर में आर-पार की जंग मृतकों में जेएएसी के संस्थापक सदस्य उमर नजीर के भाई उस्मान नजीर भी शामिल हैं। संगठन का आरोप है कि पाक सेना और पुलिस ने निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने इन आरोपों को नकारते हुए दावा किया कि प्रदर्शनकारियों के पास आधुनिक हथियार थे और उन्होंने ही सुरक्षा बलों को निशाना बनाया, जिसके बाद आत्मरक्षा में कार्रवाई की गई। भारत ने जताई कड़ी आपत्ति पीओके में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारत ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीओके में हो रहे विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान के आर्थिक शोषण और प्रशासनिक दमन का नतीजा हैं। भारत ने पाकिस्तान द्वारा कराए जा रहे चुनावों को 'दिखावटी कवायद' बताते हुए दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं।

ट्रंप प्रशासन का चीन पर बड़ा प्रहार : ह्यूमनॉइड रोबोट्स के आयात पर लगाया प्रतिबंध, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बताया बड़ा ख़तरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स क्षेत्र में बढ़त हासिल करने की होड़ के बीच ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को अमेरिका में ह्यूमनॉइड रोबोटों के नए आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि ये आधुनिक रोबोट देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। किन-किन तकनीकों और उपकरणों पर लगा बैन? अमेरिकी संघीय संचार आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यह प्रतिबंध निम्नलिखित उन्नत तकनीकों पर लागू होगाः उन्नत रोबोटिक्सः इसमें इंसानों की तरह दिखने वाले 'ह्यूमनॉइड' और चार पैरों वाले रोबोट्स शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश का निर्माण चीन में होता है।

पावर इन्वर्टरः एफसीसी ने डेटा सेंटर और सोलर पैनलों में इस्तेमाल होने वाले पावर इन्वर्टर के आयात पर भी रोक लगा दी है।

एफसीसी की कवर्ड लिस्ट में शामिल : एफसीसी ने इन ह्यूमनॉइड रोबोटों और पावर इन्वर्टरों को अपनी आधिकारिक 'कवर्ड लिस्ट' में शामिल कर लिया है। इस सूची में केवल उन्हीं विदेशी वस्तुओं और सेवाओं को रखा जाता है जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए संभावित ख़तरा माना जाता है। एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने इस निर्णय की पुष्टि करते हुए कहा कि एजेंसी अमेरिका के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और सप्लाई चेन को पूरी तरह से सुरक्षित करने के लिए अपनी ज़िम्मेदारी निभा रही है। रोबोटिक्स और एआई के क्षेत्र में वैश्विक वर्चस्व की इस जंग में अमेरिका का यह कदम काफी आक्रामक माना जा रहा है। हालाँकि, इस नए प्रतिबंध और एफसीसी के फैसले पर अभी तक चीन की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अमेरिका-सऊदी ने इराक में हवाई हमले किए, ईरान समर्थित पीएमएफ के 8 लड़ाके मारे गए; जवाब में ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

तेहरान/वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेना के मुताबिक, इन ठिकानों से अमेरिकी सैनिकों और सऊदी अरब के ऊर्जा ठिकानों पर हमलों की तैयारी की जा रही थी। वहीं, इराक की पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स का दावा है कि इन हमलों में उसके 8 लड़ाके मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं।

हमलों के कुछ घंटे बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ये मिसाइलें जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे की ओर दागी गई थीं, लेकिन सभी को रास्ते में ही इंटरसेप्ट कर लिया गया।

उधर, सऊदी अरब ने अपने पूर्वी प्रांत के तेल ठिकानों की ओर बढ़ रहे कई ड्रोन मार गिराने का दावा किया। वहीं, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज

स्ट्रेट में तीन तेल टैंकर रोकने का दावा किया है। इसके अलावा, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक सऊदी तेल टैंकर पर बैलिस्टिक मिसाइल दागने की बात कही है।

जॉर्डन बोला- ईरान की 5 बैलिस्टिक मिसाइलें मार गिराईं : जॉर्डन की सेना ने कहा है कि बुधवार तड़के ईरान से दागी गई 5 बैलिस्टिक मिसाइलों को उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही इंटरसेप्ट कर मार गिराया। सेना के मुताबिक, ये मिसाइलें जॉर्डन के इलाके को निशाना बनाकर दागी गई थीं। इससे पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया था कि उसने जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डे और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के सेंटर पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

लगातार हो रहे ड्रोन हमले : अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम ने बताया है कि यह बड़ी कार्रवाई लगातार हो रहे ड्रोन हमलों के कड़े जवाब में की गई है। पिछले 72 घंटों में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्नष्ट) के निर्देश पर 30 से भी ज्यादा खतरनाक ड्रोन हमले किए गए। इसके जवाब में दोनों देशों के लड़ाकू विमानों ने पूर्वी इराक में कई आतंकवादी ठिकानों और सामान पहुंचाने वाले रास्तों पर भारी बमबारी की। इससे पहले सऊदी अरब ने इराक से उड़ाए गए उन कई ड्रोन्स को भी रास्ते में ही मार गिराया था जो तेल सुविधाओं की ओर आ रहे थे। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने यह पूरी तरह स्पष्ट किया है कि सऊदी अरब इस क्षेत्र में किसी भी तरह का कोई तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है। लेकिन उसके देश या उसकी संपत्तियों के खिलाफ होने वाले किसी भी आतंकी हमले का वह बहुत ही माकूल और कड़ा जवाब जरूर देगा। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान कई बार सऊदी अरब को सीधे तौर पर अपना निशाना बना चुका है। लेकिन अब तक सऊदी अरब ने ज्यादातर मामलों में किसी भी तरह का सीधा सैन्य जवाब देने से काफी ज्यादा परहेज ही किया था।

कुमामोटो में भूकंप से हुई तबाही पर पीएम मेलोनी ने जताया दुख, जापान को मदद का दिया भरोसा

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जापान के कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ि?त लोगों के प्रति? संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस मुश्?कि?ल घड़ी में जापान के साथ इटली की एकजुटता और समर्थन का भरोसा दिलाया। मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''जापान के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप से जो तबाही हुई है, उससे प्रभावित सभी लोगों के बारे में मेरी सोच और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। राहत और बचाव के काम में दिन-रात जुटे सभी लोगों का भी आभार, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है।'' मेलोनी ने कहा कि? मेरी मित्र प्रधानमंत्री साने तकाइची और पूरे जापान देश के लिए इटली की सरकार की ओर से हमारी एकजुटता और पूरा समर्थन है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। जापान की फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, स्थानीय दमकल विभाग से मिली जानकारी में बताया गया कि एयॉन मॉल कुमामोटो की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा गिर गया है और कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दमकलकर्मी स्थिति की जांच करने और बचाव अभियान चलाने में जुटे हुए थे। सिन्हुआ समाचार की जानकारी के अनुसार, एजेंसी ने बताया कि घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि घायलों की संख्या और उनकी हालत के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस और दमकल अधिकारियों के अनुसार, उन्हें शाम करीब छह बजे स्थानीय समय पर कई आपातकालीन कॉल मिलीं। कॉल करने वालों ने बताया कि एयॉन मॉल कुमामोटो से विस्फोट जैसी आवाज आई और सफेद धुआं उठता दिखाई दिया। यात्सुशिरो स्टेशन पर एक मालगाड़ी पटरी से उतरकर पलट गई, हालांकि ट्रेन चालक को कोई चोट नहीं आई। रिपोर्टों के मुताबिक, कुमामोटो में करीब 50 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय दमकल विभाग को कई लोगों के अपने घरों के अंदर फंसे होने की सूचना भी मिली है।

क्योडो की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम करीब 4:27 बजे आया। इसकी गहराई लगभग दस किलोमीटर थी। जापान की मौसम एजेंसी के मुताबिक, सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय पैमाने पर अधिकतम सात दर्ज की गई।

दक्षिण-पश्चिमी जापान में एरिएक सागर और यात्सुशिरो सागर के लिए एक मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की गई है।

ट्रंप से मिले जेलेंस्की और नेतन्याहू, यूक्रेन युद्ध और ईरान संकट पर हुई अहम बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। ये बातचीत ऐसे समय हुई जब अमेरिका दो युद्धों और उनसे जुड़े कठिन कूटनीतिक फैसलों का सामना कर रहा है। दोनों बैठकें ओवल ऑफिस में बंद दरवाजों के पीछे हुईं। व्हाइट हाउस ने किसी भी बैठक में मीडिया को शामिल नहीं किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति जेलेंस्की और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ अपनी बैठकें पूरी कर ली हैं। दोनों बैठकें सकारात्मक और अच्छी रहीं। जेलेंस्की सुबह करीब 9:40 बजे व्हाइट हाउस पहुंचे और वेस्ट विंग के एक साइड एंट्रेंस से अंदर गए। रिपोर्टों के अनुसार, नेतन्याहू दोपहर करीब 12:25 बजे वहां से रवाना हुए। बाद में इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्रंप और नेतन्याहू की साथ में तस्वीरें जारी कीं। एक इजरायली अधिकारी ने बैठक को 'बहुत सकारात्मक' बताया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार, दोनों नेताओं की बातचीत में ईरान के साथ युद्ध, लेबनान से जुड़ी बातचीत और अब्राहम समझौते को आगे बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा होने की उम्मीद थी। नेतन्याहू से उम्मीद थी कि वे ट्रंप को ईरान की कथित गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारी देंगे। इसमें पिकैक्स माउंटेन नाम की एक भूमिगत जगह भी शामिल थी, जिसके बारे में माना जाता है कि उसका संबंध तेहरान के परमाणु कार्यक्रम से है। हालांकि, ट्रंप इस बात से नाराज दिखे कि इजरायली नेता ने अपनी योजना के बारे में पहले ही सार्वजनिक रूप से बता दिया था। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा, 'मैंने सुना कि नेतन्याहू ने इसकी घोषणा कर दी। मैंने कहा, 'आप मुझे ही क्यों नहीं बता देते? इसे पूरी दुनिया को बताने की क्या जरूरत थी? अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि वे ईरान के साथ दोबारा बातचीत के पक्ष में हैं, जबकि इजरायल ईरान पर लगातार दबाव बनाए रखने की बात करता रहा है। ट्रंप ने सोमवार को माना था कि दोनों देशों के बीच कुछ मतभेद हैं। उन्होंने कहा था, 'हमारे बीच थोड़ा अंतर है, लेकिन हम काफी करीब हैं।

मंगलवार को ट्रंप ने फिर ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान किसी समझौते पर नहीं पहुंचता है, तो अमेरिका पुलों और बिजली संयंत्रों जैसे ठिकानों पर हमला कर सकता है।

हंगामे और हिंसा के बीच नवाज शरीफ की पार्टी ने पहले दौर में लहराया परचम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नतीजों का आधिकारिक ऐलान हो गया है। इन शुरुआती नतीजों में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने बहुत ही बड़ी और शानदार बढ़त हासिल की है। अनौपचारिक और शुरुआती नतीजों के मुताबिक पहले चरण की कुल 13 सीटों में से 9 सीटों पर नवाज शरीफ की पार्टी ने अपना मजबूत कब्जा जमाया है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को सिर्फ 4 सीटों पर ही जीत नसीब हो सकी है जो उनके लिए एक बहुत बड़ा झटका है। चुनाव के पहले चरण में मीरपुर, कोटली और भीम्बर जिलों की 13 अहम सीटों पर बहुत ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कराया गया था। यह मतदान प्रक्रिया शाम 5 बजे तक चली, लेकिन जो मतदाता पहले से मतदान केंद्र पर मौजूद थे उन्हें वोट डालने के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय भी दिया गया। हालांकि इस पूरे मतदान के दौरान कई जगहों पर भारी हिंसा, फायरिंग और बैलेट बॉक्स जलाने जैसी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक घटनाएं भी सामने आई हैं। इसके बावजूद मतगणना का काम पूरा किया गया और अब चुनाव के नतीजे साफ तौर पर नवाज शरीफ की पार्टी के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं।

नवाज शरीफ की पार्टी का दबदबा : शुरुआती नतीजों के अनुसार पीएमएल-एन ने मीरपुर, भीम्बर और कोटली जिलों की कई प्रमुख और अहम सीटों पर अपनी बहुत ही बड़ी जीत दर्ज की है। वहीं दूसरी तरफ पीपीपी ने मीरपुर और कोटली की कुल चार सीटों पर सफलता पाई है, जो उसकी उम्मीदों से काफी ज्यादा कम मानी जा रही है। इस चुनावी नतीजे ने यह बिल्कुल साफ कर दिया है कि पहले चरण में जनता का भारी समर्थन मुख्य रूप से नवाज शरीफ की पार्टी को ही मिला है। इन 9 सीटों पर भारी जीत के साथ पीएमएल-एन ने क्षेत्र की सत्ता पर अपना मजबूत दावा और भी ज्यादा पुख्ता कर लिया है।

मतदान के दौरान फायरिंग और मौत :

मतदान के दौरान कोटली-2 के नकयाल इलाके के एक मतदान केंद्र पर अचानक भारी फायरिंग की घटना हुई जिसने पूरे इलाके में भारी सनसनी फैला दी। इस दुखद और खतरनाक हिंसक घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग बहुत ही बुरी तरह से घायल हो गए। पुलिस ने वहां की बिगड़ती स्थिति और तनाव को देखते हुए कुछ समय के लिए मतदान को पूरी तरह से रोक दिया था। पीपीपी का यह दावा है कि मारा गया व्यक्ति उनका कार्यकर्ता मुख्तार यूनुस था, जिसे पीएमएल-एन के समर्थकों ने जानबूझकर गोली मारी है।

बिलावल भुट्टो ने जताया कड़ा विरोध : पीपीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस दुखद और हिंसक घटना पर अपना कड़ा विरोध और बहुत गहरा दुख सार्वजनिक तौर पर व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और बिना किसी हिंसा या विवाद के होने चाहिए। उन्होंने कड़ी चेतावनी दी कि अगर चुनाव विवादित होंगे तो भविष्य में बनने वाली नई सरकार के जनादेश पर भी बहुत गंभीर और बड़े सवाल उठेंगे। उन्होंने 12 रिफ्यूजी सीटों के बड़े विवाद को भी चुनाव से पहले पूरी तरह सुलझाने की बात कही थी।

बैलेट बॉक्स में लगाई गई आग : ला-6 भीम्बर में दो राजनीतिक दलों के उग्र समर्थकों के बीच एक बहुत बड़ी और हिंसक झड़प भी मतदान के दौरान स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इस दौरान कुछ उपद्रवी लोगों ने एक बैलेट बॉक्स छीनकर उसमें आग लगा दी, जिसमें पहले से ही करीब 232 वोट मौजूद थे। इस भयानक घटना के तुरंत बाद सुरक्षा कारणों से वहां के दो मतदान केंद्रों पर चल रहे मतदान को पूरी तरह से रोक दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि मामले की जांच की जा रही है।

स्लीप एपनिया से हो सकता है दिल को खतरा

नई दिल्ली (एसएनबी)। स्लीप एपनिया नींद का एक विकार है जिसमें सांस में रुकावट आने से नींद टूट जाती है। इससे पीड़ित गंभीर व्यक्ति की एक घंटे में पांच से तीस बार सांस रुक सकती है। हर पांच में से एक वयस्क मध्यम स्लीप एपनिया से पीड़ित होता है। यह महिलाओं की तुलना में पुरुषों को ज्यादा प्रभावित करता है। सबसे आम समस्या ऑबस्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया है, जिसमें छाती के ऊपरी हिस्से और गर्दन पर वजन पड़ने से सांस में रुकावट पैदा हो जाती है और नींद खुल जाती है।

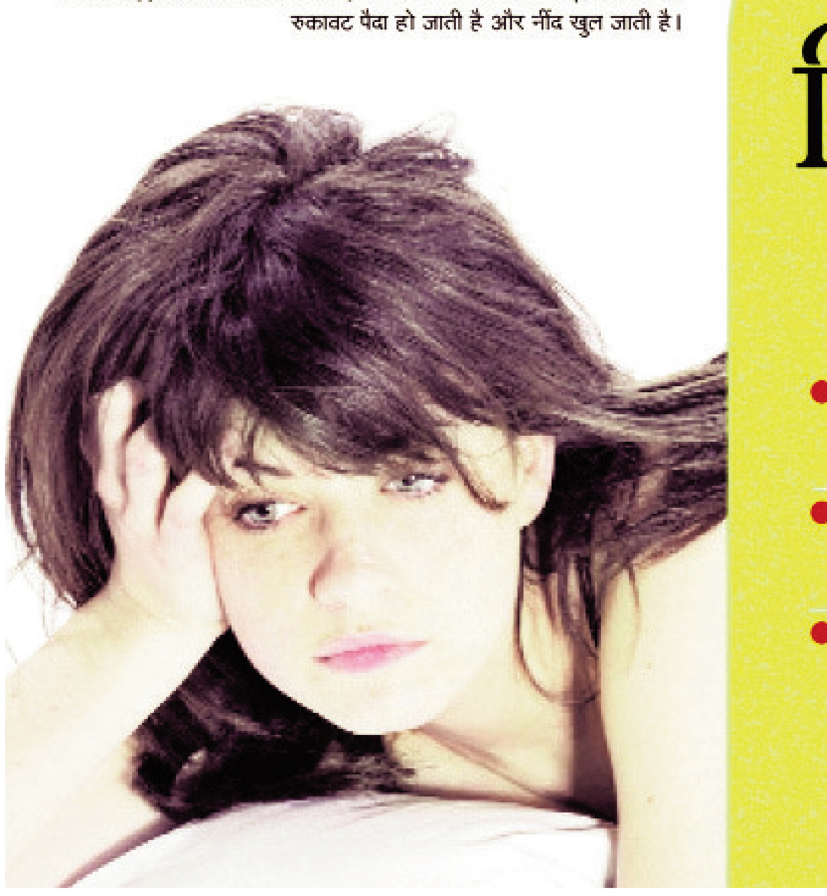

- 83 फीसदी दिल के रोगियों को होता है इसका खतरा
- नींद की कमी हो सकती है गंभीर दिल के रोगों का कारण
- हर पांच में से एक वयस्क मध्यम स्लीप एपनिया से पीड़ित होता है

रहे एलर्ट : आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष इलेक्ट डॉ. केके अग्रवाल ने बताया कि समय के साथ नींद पूरी ना होने की वजह से दिल के रोगों की समस्या का खतरा बढ़ सकता है। थोड़े समय के लिए नींद की कमी से हाई कोलेस्ट्रोल, हाई ट्रिग्लिसेराईड्स और हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती है। स्लीप एपनिया में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और दिमाग तुरंत सांस लो का संदेश भेजता है। जिससे सोते हुए व्यक्ति की नींद खुल जाती है और वह गहरी सांस लेने लगता है। इस दौरान वही नाड़ी तंत्र सक्रिय हो जाती है जो गुस्से या डर के समय सक्रिय होती है। दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर बढ़ जाते हैं, जिससे अन्य समस्याओं के साथ दिल में जलन और ब्लड क्लॉटिंग जैसी समस्या हो सकती है।

ऑक्सीजन की कमी : ''इंडियन हार्ट फाउंडेशन' के अध्यक्ष डॉ. आरएन कालरा ने कहा कि स्लीप एपनिया में सांस में रुकावट इस लिए आती है क्योंकि शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और दिमाग को चेतावनी देने वाले तत्व चेतन हो जाते हैं। फिर दिमाग इस कमी को पूरा करने के लिए तेजी से काम करने लगता है। समस्या यह है कि यह पण्राली दिन में भी काम करती है जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है जो कि दिल के रोगों, स्ट्रोक, हार्ट अटैक और अन्य गंभीर समस्याओं का कारण बनता है।

दबाव थेरेपी : लगातार सकारात्मक हवा मार्ग दबाव थेरेपी मरीज के लिए मद्दगार साबित हो सकती है और गंभीर स्वास्थ्य समस्या होने से बचा सकती है। इस पद्धति का नियमित रूप से हर रात प्रयोग करने से यह दिल पर दबाव कम करती है। अगर आप में ''आर्टियल फिबिर्लेशन' की समस्या हो तो यह पद्धति अनियिमित धड़कन को संतुलित करने में भी मदद कर सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

कसरत: दिन में नियमित रूप से 30 मिनट कसरत करें, लेकिन रात में सोने से पहले कसरत न करें।

शराब : शराब का सेवन कम से कम करें, ज्यादा शराब नींद में रुकावट बनती है।

कैफीन : सोने से पहले कैफीन का सेवन ना करें।

नींद से पहले : सोने से पहले गर्म पानी से नहाना, रोशनी कम करना और हर्बल चाय पीने जैसी आदतें डालें।

ज्यादा कॉफी पीना पिता बनने में हो सकता है बाधक

एक दिन में 200 मिली ग्राम से ज्यादा कॉफी पीने से शरीर में एस्ट्रोजन का उत्पादन बढ़ जाता है। एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ने से महिला और पुरुषों दोनों में प्रजनन संबंधी विकार और नपुंसकता पैदा होती है। कामकाजी लोगों के कॉफी, चाकलेट और कोला एक मजबूत तनावरोधी का काम करते हैं और युवा पीढ़ी खासतौर से उत्तेजना के लिए इनका इस्तेमाल करती है, लेकिन जब इसकी तलब लत में बदल जाती है तो यह नपुंसकता पैदा करने लगता है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि बहुत ज्यादा कॉफी पीने से पुरुषों की प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है. जो पुरुष रोजाना दो कप या उससे ज्यादा कॉफी पीता है उसमें बाप बनने की संभावना बहुत कम होती है। जबकि लड़िकयों में कैफीन फेलोपियन ट्यूब में पेसमेकर कोशिकाओं की प्रणाली को बाधित कर देता है.ये कोशिकाएं ट्यूब संकुचन का काम करती हैं और अंडों को ट्यूब में नीचे जाने से रोकती है। लेकिन जब महिलाएं बहुत ज्यादा कैफीन लेती हैं। उन्हें गर्भधारण करने में कैफीन नहीं लेनेवालों की अपेक्षा ज्यादा समय लगता है.इसलिए, अगर आप कुछ महीनों से परिवार को बढ़ाने की तैयारी में लगे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है तो चाय, कॉफी, कोला और कोकोआ में पाए जानेवाले कैफीन की मात्रा कम से कम ले, खासतौर पर तब जब आप रोजाना 200 मिली ग्राम से ज्यादा कैफीन का उपभोग कर रहे हों।

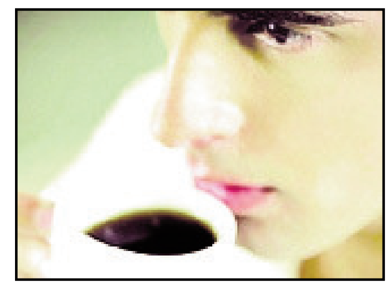

एक अन्य विशेषज्ञ का कहना है कि कैफीन की ज्यादा मात्रा का सेवन करने वालों को प्रजनन संबंधी समस्याओं से लेकर गर्भपात तक की समस्या हो सकती है। इसलिए महिलाओं को उन खाने-पीने की उन चीजों का कम सेवन करना चाहिए, जिसमें ज्यादा मात्रा में कैफीन पाया जाता है, खासतौर पर जब वे गर्भधारण की अवस्था में हो या गर्भधारण करने की कोशिश कर रही हों। विशेषज्ञ कि गर्भवती महिलाओं को न सिर्फ कैफीन के सेवन से बचना चाहिए, बल्कि इसकी जगह स्वास्य के लिए हानिकारक चीजों जैसे शराब या चीनी से भरपूर सॉफ्ट ड्रिंक आदि से भी बचना चाहिए।

रात को ज्यादा रोशनी भी नींद न आने की वजह

अगर आपके आस-पड़ोस में रात में खूब रोशनी रहती हो तो आप अच्छी तरह सो नहीं पाएंगे, जिससे दिन में भी आपकी कार्यक्षमता प्रभावित होगी। एक नए शोध में इसकी जानकारी मिली है। कनाडा के वेंकुवर में 68वें अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी में अप्रैल 2016 में इस शोध को प्रस्तुत किया जाएगा जो रात में रोशनी से नींद प्रभावित होने के बारे में की गई है।कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिर्वसटी के शोधकर्ता मौरिस ओहैयन ने बताया, ''हमारी दुनिया 24 घंटे काम करने वाला समाज बन गया है। हम बाहर खूब उजाला रखते हैं जैसे स्ट्रीट लाइटों के माध्यम से ताकि हमें कामकाज में आसानी हो और सुरक्षा का मसला भी है।' ओहैयन ने बताया, ''चिंता की बात यह है कि हमने अपने आसपास अंधेरे के आवरण को कम कर दिया है जिससे हमारी नींद प्रभावित हो रही है।'

ग्रामीण इलाकों और छोटे शहरों की तुलना में बड़े शहरों के लोग तीन से चार गुना अधिक रात के प्रकाश में रहते हैं। इस शोध के लिए 15 हजार 863 लोगों का फोन द्वारा 8 सालों तक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें निद्रा से जुड़ी आदतों और नींद की गुणवत्ता जैसे सवाल किए गए थे। निष्कर्षों के अनुसार, कम प्रकाश में रहने वाले लोगों की तुलना में जो लोग अधिक प्रकाश में रहते थे वह नींद की कमी से ग्रसित थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनै:-शनै: स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

काकुरो पहेली - 5026

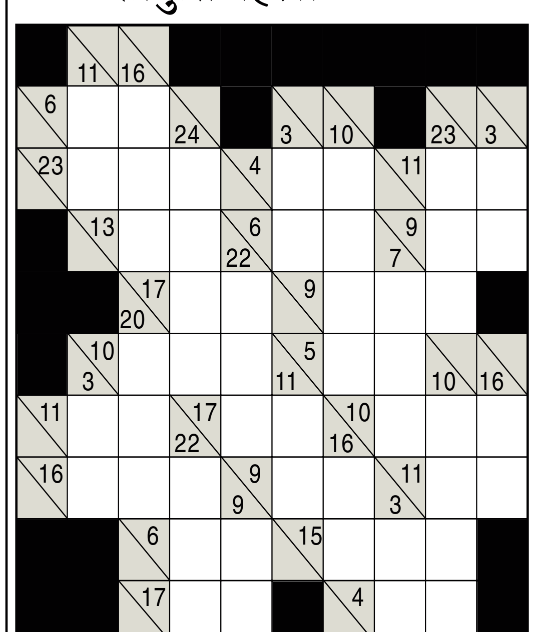

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

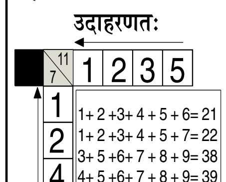

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 5025 का हल

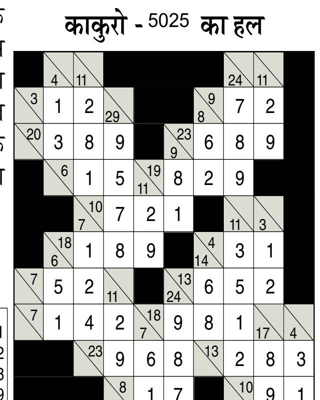

फिल्म वर्ग पहेली- 5026

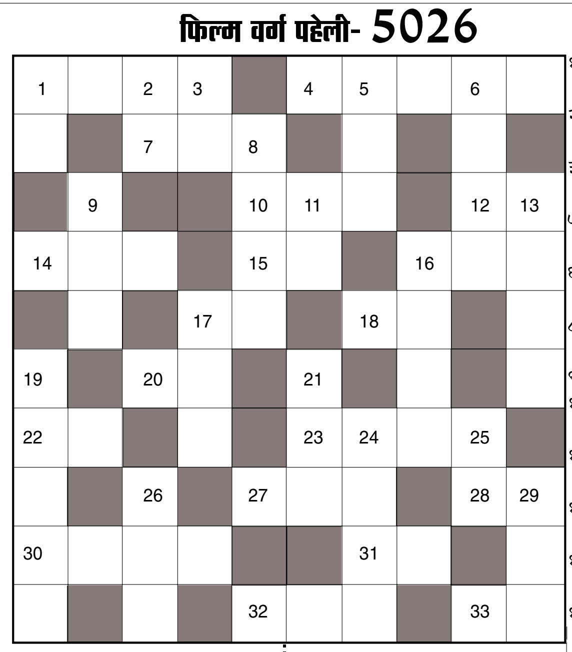

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्रिहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5025

सूडोकु -5026

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5025 हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 5026

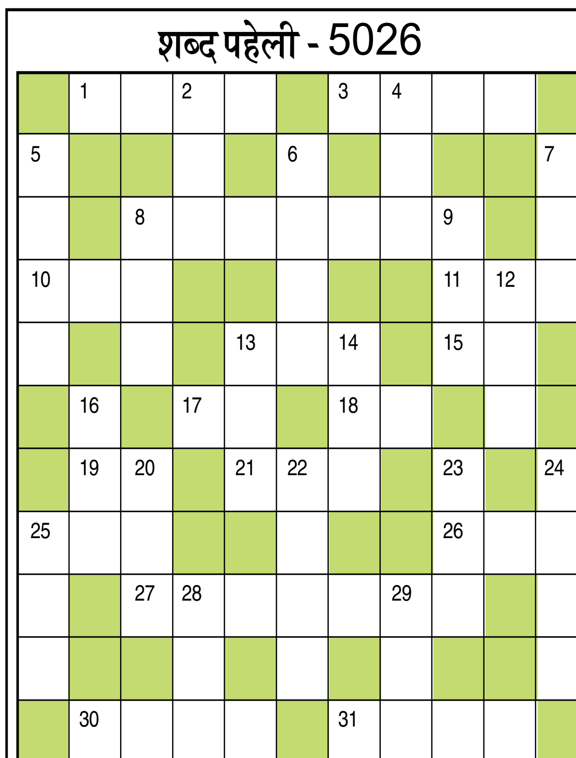

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूंघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली 5025 का हल

अमित शाह ने मुख्यमंत्री को फोन कर बाढ़ से उत्पन्न हालात का लिया जायजा

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को फोन कर राज्य में बाढ़ से निपटने के लिए चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी ली, साथ ही केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर कहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कुछ समय पहले फ़ोन पर असम की वर्तमान बाढ़ की स्थिति और चल रही मदद और बचाव अभियान का जायज़ा लिया। उन्होंने सभी स्तरों की स्थिति की जानकारी लेने के साथ यह आश्वासन भी दिया कि मदद, पुनःस्थापना और पुनर्निर्माण के मामले में भारत सरकार की ओर से हर तरह का सहयोग आवश्यकतानुसार जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि उन्होंने इस कठिन समय में दृढ़ता से उल्लेख किया कि असम की जनता के हित में पहले ही अंतर-मंत्रालयी टीम भेजने के अलावा केंद्रीय सरकार की संबंधित संस्थाएं पूरी तरह सहयोग करेंगी। इस आपदा के समय असम की जनता के प्रति दिखाई गई सच्ची सहानुभूति, लगातार सहयोग और मजबूत वचनबद्धता के लिए गृह मंत्री को मैं अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सड़क हादसे में घायल

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी मंडल के ललितपुर जिले में हुए सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव घायल हो गए। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44) पर तालबेहट क्षेत्र के टेकरी के पास हुआ। दुर्घटना के बाद उन्हें तत्काल महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी लाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। समयऔर कैलेंडर प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में किरण सिंह देव को चोटें आई हैं। उन्हें मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी वार्ड में भर्ती किया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक परीक्षण किया। इसके बाद आंतरिक चोट की जांच के लिए उन्हें सीटी स्कैन कराने ले जाया गया। चिकित्सकों को उनके पैर में भी चोट की आशंका है, जिसके चलते एक्स-रे कराने की तैयारी की गई है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम को उनके उपचार में लगाया है। डॉक्टर लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आवश्यक जांचें कराई जा रही हैं। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज में भाजपा नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पहुंच गए।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में दो स्थानों पर आईईडी विस्फोट, दो युवक घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से दो अलग-अलग घटनाओं में एक पर्यटक युवक और एक ग्रामीण युवक घायल हो गए। दोनों घायलों का उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार युवकों का एक दल बुधवार सुबह नीलम सरई वॉटरफॉल घूमने के लिए निकला था। वॉटरफॉल से लगभग एक किलोमीटर पहले नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी में विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में देवा सोढ़ी नामक युवक आ गया। घायल युवक को पहले उसूर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्रथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए बीजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दूसरी घटना ग्राम नांबी के जंगल में हुई। यहां मवेशी चराने गए विनोद कट्टम (15) पिता चन्द्रु कट्टम पहले से लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गया। उसका भी उपचार कराया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, करेंगुटा अभियान के दौरान नक्सलियों ने इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में आईईडी बिछाए थे। सुरक्षा बलों ने अधिकांश विस्फोटकों को निष्क्रिय कर दिया है, लेकिन आशंका है कि कुछ आईईडी अब भी जमीन में दबे हो सकते हैं।

विपक्ष के बहिर्गमन के बीच राष्ट्रीय सम्मान संशोधन विधेयक राज्यसभा से पारित

नई दिल्ली। राज्यसभा ने विपक्ष के विरोध के बीच राष्ट्रीय सम्मान (संशोधन) विधेयक-2026 चर्चा के बाद पारित कर दिया। इस विधेयक में राष्ट्रीय गीत के अपमान या उसके गायन में जानबूझकर बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने का प्रावधान है। अब यह विधेयक विचार और पारित होने के लिए लोकसभा भेजा जाएगा। लोकसभा से मंजूरी और राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद ही यह कानून बन जाएगा। दोपहर दो बजे राष्ट्रीय सम्मान (संशोधन) विधेयक-2026 को पारित करने के लिए राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए भाजपा सदस्य डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि पिछले 123 वर्षों से वंदे मातरम् का अपमान किया जाता रहा है। इस गीत से प्रेरणा लेकर देश के क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान दिए। विधेयक पर चर्चा के दौरान एआईएडीएमके सदस्य एम. थम्बीदुरई ने कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक का समर्थन करती है, लेकिन तमिलनाडु सरकार द्वारा 'तमिल थाई वाझ्थु' को तीसरी प्राथमिकता दिए जाने पर उन्हें निराशा है। थम्बीदुरई ने कहा कि तमिलनाडु में 'तमिल थाई वाझ्थु' को पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह गीत तमिल भाषा और संस्कृति की पहचान है, इसलिए राज्य में इसे सर्वोच्च सम्मान मिलना चाहिए। चर्चा में बीजू जनता दल की सुलता देव ने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि वंदे मातरम को सभी विधानसभाओं में रोजाना गाना चाहिए। संसद की कार्रवाही की शुरुआत भी वंदे मातरम से होनी चाहिए। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, एआईएडीएमके के एम. थंबीदुरई सहित कई भाजपा के कई सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया और विधेयक का समर्थन किया। बाद में जब केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले प्रस्तावित विधेयक पर अपनी बात रख रहे थे, तब विपक्षी दलों ने सदन से बहिर्गमन किया।

सुप्री कोर्ट ने सीएम को जारी किया नोटिस

चंडीगढ़ प्रशासन ने दायर की थी याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस चंडीगढ़ प्रशासन की उस याचिका पर जारी किया गया है जिसमें पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस फ़ैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें बिजली दरों में वृद्धि के खिलाफ 2020 के विरोध प्रदर्शन के संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया गया था। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई की और प्रतिवादियों से

जवाब मांगा। चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से पेश होते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट ने अपराधों के घटित होने के आरोपों के बावजूद आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने में गलती की है। एएसजी ने कहा कि यह स्वीकार किया जाता है कि गैरकानूनी सभा हुई थी। आरोपी वहां मौजूद था। एफआईआर में उसका नाम है। गैरकानूनी सभा ने हिंसा की, जिससे पुलिस अधिकारियों को चोटें आईं। प्रथम दृष्टया अपराध बनता है।

उन्होंने आगे तर्क दिया कि उच्च न्यायालय का यह तर्क कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत आदेश के अभाव में गैरकानूनी सभा नहीं हो सकती थी, कानूनी रूप से अस्थिर था। राजू ने तर्क दिया कि न्यायाधीश का कहना है कि यह गैरकानूनी सभा नहीं हो सकती क्योंकि धारा 144 के तहत कोई आदेश नहीं था। यह तो अभूतपूर्व है। भले ही वह किसी प्रत्यक्ष कृत्य में शामिल न हो, सभा के किसी भी सदस्य द्वारा किया गया कोई भी कृत्य उसी के लिए उत्तरदायी होगा। यह मामला 2020 में बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं द्वारा आयोजित विरोध मार्च से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसके परिणामस्वरूप पुलिसकर्मियों को चोटें आईं और दंगा और गैरकानूनी सभा सहित कई अपराधों के लिए एफआईआर दर्ज की गई। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने मान और अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर को रद्द कर दिया था, जिसके बाद चंडीगढ़ प्रशासन ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन की याचिका पर मान और आम आदमी पार्टी के नेताओं अमन अरोरा, दलजीत सिंह चीमा और महेशिंदर सिंह ग्रेवाल को नोटिस जारी किया।

कांग्रेस शासनकाल में लगातार संकट में रहा छात्रों का भविष्यः अनुराग

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर छात्रों के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में छात्रों का भविष्य लगातार संकट में रहा है। यहां तक कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान छात्रों को जेल भेजा और उन पर लाठियां भी चलवाईं। समयऔर कैलेंडर

अनुराग ठाकुर ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस छात्रों के मुद्दे पर केवल राजनीति कर रही है। उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का उल्लेख कर कहा कि पांच वर्षों में 19 में से 17 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, लेकिन इसके बावजूद तत्कालीन शिक्षा मंत्री को कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। उन्होंने आरोप

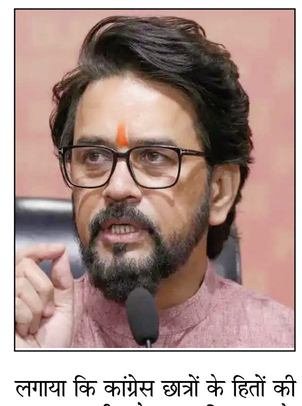

लगाया कि कांग्रेस छात्रों के हितों की बात करती है, जबकि उसके शासनकाल में युवाओं का भविष्य लगातार संकट में रहा।

लोकसभा में पेश हुआ जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक, रिकॉर्ड होंगे डिजिटल, देरी पर सख्त नियम

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष के हंगामे के बीच यह बिल सदन में रखा। इस विधेयक का उद्देश्य देशभर में जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को डिजिटल करना और फर्जी दस्तावेजों पर रोक लगाना है।

नए प्रावधानों के तहत जन्म और मृत्यु के पंजीकरण में देरी पर सख्त नियम लागू होंगे। यदि रजिस्ट्रेशन कराने में एक से दो साल की देरी होती है तो जिला मजिस्ट्रेट, उप-मंडल मजिस्ट्रेट या कार्यकारी मजिस्ट्रेट की लिखित मंजूरी अनिवार्य होगी। वहीं, दो साल से अधिक की देरी होने पर मामला सीधे अदालत जाएगा और प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही प्रमाण पत्र जारी किया जा सकेगा। इस कानून के तहत अब पूरे देश के जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को एक केंद्रीय डिजिटल डेटाबेस से जोड़ा जाएगा। इससे देश के किसी भी हिस्से में होने वाले जन्म या मृत्यु की जानकारी एक ही जगह ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इस डेटाबेस को

मतदाता सूची, राशन कार्ड, पासपोर्ट और अन्य राष्ट्रीय पहचान पत्रों से भी जोड़ा जाएगा। कोई नागरिक 18 वर्ष का होगा, उसका नाम स्वतः मतदाता सूची में जुड़ जाएगा। वहीं, किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर सरकारी रिकॉर्ड से उसका नाम आसानी से हटाया जा सकेगा। इससे सरकारी योजनाओं में होने वाली गड़बड़ियों और फर्जी लाभ उठाने की घटनाओं पर रोक लगेगी। नए कानून के लागू होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र सबसे मुख्य दस्तावेज बन जाएगा। अब तक स्कूल में प्रवेश, ड्राइविंग लाइसेंस या सरकारी नौकरियों में आवेदन के लिए अलग-अलग दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन इस बिल के पास होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र ही उम्र और पहचान का एकमात्र आधिकारिक दस्तावेज माना जाएगा।

सोनम वांगचुक ने जमकर की भारतीय रेलवे की तारीफ, एंटी पेपर लीक बिल पर बोले- मैं खुश हूं...

एजेंसी

श्रीनगर। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक श्रीनगर से लद्दाख के लिए रवाना हो गए हैं। बुधवार सुबह सोशल मीडिया पर जारी कर एक वीडियो में उन्होंने जानकारी दी कि नई दिल्ली से वह ट्रेन के जरिए श्रीनगर पहुंचे और वहां एक दिन विश्राम किया।सोनम वांगचुक ने X पर पोस्ट किए वीडियो में भारतीय रेलवे की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत से उनका श्रीनगर तक का सफर खूबसूरत रहा।

उन्होंने कहा, 'हम रेल गाड़ी से निकले, जो कि मेरा सबसे पसंदीदा यातायात है और जो दिल्ली से श्रीनगर तक वंदे भारत की सुविधा शुरू की गई है, उस पर मेरा पहला अनुभव था, और चिनाब पर बने पुल को भी देखना चाहता था। बहुत ही खूबसूरत अनुभव रहा, बहुत गर्व है मुझे भारतीय रेल पर...'

'एंटी पेपर लीक बिल पर भी की बात'

सोनम वांगचुक ने अपने इस वीडियो में लोकसभा से पास हुए एंटी पेपर लीक बिल पर भी बात की। कानूनी कार्रवाई न करे। उन्होंने कहा, '...जो समझौते हुए थे, पहले मेरे साथ लिखित में और फिर सीजेपी के

उन्होंने कहा कि वो परीक्षाओं में सुधार पर लाए गए बिल से खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि सुधार सिर्फ परीक्षाओं में ही नहीं, शिक्षा प्रणाली में भी होगा। इस दौरान उन्होंने सरकार से अपील की कि वो उनके और सीजेपी के साथ हुए समझौतों के अनुसार, प्रदर्शन में शामिल हुए छात्रों पर कोई साथ कि वो प्रदर्शन में जो छात्र थे, उन पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगे, FIRs नहीं करेंगे, उस पर कायम रहें, पालन करें और देश में खासकर युवा पीढ़ी में एक भरोसे का माहौल बनाएं और सब मिलकर राष्ट्र निर्माण और महान भारत बनाने में जुट जाएं।'

'लापता लेडीज की तरह लापता गृह मंत्री फिल्म बनाने की सोच रहा हूं', संजय राउत ने अमित शाह पर कसा तंज

एजेंसी

मुंबई। नीट पेपर लीक को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन चल रहे थे, उसी दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। इसको लेकर अब शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगा है। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने समाचार एजेंसी से कहा, 'यह विपक्ष का मामला नहीं है। सरकार को देश की भावनाओं को समझना चाहिए। सबसे पहले तो मैं यही कहूंगा कि अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए। पुलवामा हमला हुआ, 40 जवान मारे गए। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? गृह मंत्री जिम्मेदार हैं।'

संजय राउत ने आगे कहा, 'जंतर-मंतर पर क्या हुआ? वहां प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन से फायरिंग की गई। पूरा रिकॉर्ड पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में उपलब्ध है। हमने जलियांवाला बाग में जनरल डायर को देखा है, ये जनरल कायर हैं। पीछे से गोलियां चलाते हैं।'

लापता गृह मंत्री फिल्म बनाऊं- संजय राउत

संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा, 'एक सिनेमा आया थी बीच में लापता लेडीज। मैं सोच रहा हूं कि मैं एक फिल्म बनाऊं लापता गृह मंत्री। दस साल से दिल्ली में हैं गृह मंत्री, लोगों को ईडी और सीबीआई की धमकी देते रहे। लेकिन जंतर-मंतर पर इतना बड़ा कांड हुआ है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा में खड़े होकर आपके ऊपर कुछ बोल रहे हैं और आप लापता हैं। तो ये लापता होने का राज क्या है।'

राहुल गांधी ने अमित शाह पर लगाया आरोप

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह ने कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी का आदेश दिया था। इसके बाद लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ और सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी से माफी की मांग की। राहुल गांधी के अलावा टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी गोलीबारी के आरोपों को लेकर सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने कहा, 'सवाल यह पूछा जा रहा है कि आपने गोली क्यों चलाई? हमें उनके धोती पहनने के तरीके के बारे में नहीं जानना है; देश यह जानना चाहता है कि उन्होंने और उनके मंत्रालय ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन और लाठियों के इस्तेमाल को क्यों अधिकृत किया।

झूठ बोलकर माहौल खराब करना चाहते हैं राहुल गांधीः भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर संसद के अंदर एवं बाहर झूठ बोलकर और भ्रम फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर फायरिंग किए जाने के राहुल गांधी के आरोप बेबुनियाद हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं लोकसभा सदस्य डॉ. संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में राहुल गांधी के उस बयान को खारिज किया, जिसमें उन्होंने छात्रों पर गोली चलाने और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आदेश का जिक्र किया था। पात्रा ने कहा कि छात्रों पर कोई गोली नहीं चलाई गई और राहुल गांधी ने बिना किसी तथ्य के यह आरोप लगाया।

सांसद पात्रा ने कहा, अगर सदन के अंदर कोई आरोप लगाया जाता है तो उसके समर्थन में तथ्य भी देने पड़ते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर गोली चली और इसका आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया, यह पूरी तरह झूठ है। ऐसी परिस्थितियों में कानून के अनुसार निर्णय संबंधित मजिस्ट्रेट लेते हैं, गृहमंत्री नहीं। राहुल गांधी को यह जानकारी होनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी देश को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि देश के गृहमंत्री की गतिविधियां सार्वजनिक होती हैं, वे चोरी-छिपे विदेश नहीं जाते। डॉ. पात्रा ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक पर लोकसभा में हुई चर्चा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह राहुल गांधी के सवालों का जवाब देने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन विपक्ष ने सदन में अलग माहौल बनाने की कोशिश की। राहुल गांधी के छात्रों से जुड़े बयान पर भी पात्रा ने आपत्ति जताई।

हाइब्रिड युद्ध के दौर में संस्कृति व विरासत को संरक्षित रखना भी बड़ा उद्देश्यः सैयद अता हसनैन

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के कला निधि विभाग के तत्वावधान में मेजर (सेवानिवृत्त) सरस त्रिपाठी की पुस्तक 'गार्डियन्स ऑफ ग्लोरीः हेरिटेज एंड द आर्म्ड फोर्सेज इन कश्मीर' का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि युद्ध अब परुंपरागत ढंग से नहीं लड़े जा रहे हैं और समकालीन हाइब्रिड युद्ध के दौर में संस्कृति और विरासत को संरक्षित रखना भी बड़ा उद्देश्य बन गया है।

कार्यक्रम में आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में फैकल्टी ऑफ आर्ट्स एंड डिजाइन के डीन और आईजीएनसीए के पूर्व डीन (प्रशासन) प्रो. रमेश सी. गौर तथा डॉ. बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय में एसएचआरएम के प्रो. आनंद वर्धन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

वक्ताओं ने भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा, सभ्यतागत निरन्तरता और सशस्त्र बलों के साथ उसके

संबंध की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर राज्यपाल हसनैन ने समकालीन हाइब्रिड युद्ध के परिप्रेक्ष्य में संस्कृति और विरासत के बढ़ते महत्व पर बल दिया। कश्मीरी पंडित समुदाय के विस्थापन का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे एक सभ्यतागत विरासत को मिटाने का प्रयास बताया तथा उसके प्रलेखन, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा तथा शारदा पीठ परम्परा के पुनर्जीवन जैसे प्रयासों को कश्मीर की बहुलतावादी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तौर पर निरूपित किया। रामबहादुर राय ने कहा कि यह ऐसी पुस्तक है जिसे कश्मीर में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को गंभीरता से पढ़ना चाहिए। यद्यपि इस पुस्तक को कुछ ही घंटों में पढ़ा जा सकता है, किंतु इसे पढ़ने के उपरांत पाठकों में कश्मीर के इतिहास और सभ्यता को और गहराई से जानने की जिज्ञासा अवश्य उत्पन्न होगी। व्यापक शोध तथा लेखक के सैनिक अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत तथा उसके पवित्र स्थलों एवं परम्पराओं के संरक्षण में भारतीय सेना की भूमिका का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत करती है। राय ने कहा कि यह पुस्तक जम्मू-कश्मीर के ऐतिहासिक विकास का संतुलित विवेचन करते हुए आतंकवाद से उत्पन्न चुनौतियों तथा ऑपरेशन सद्भावना, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा और महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण जैसे प्रयासों के माध्यम से क्षेत्र की विरासत के संरक्षण में सशस्त्र बलों की भूमिका को रेखांकित करती है। लेखक द्वारा विरासत संरक्षण से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों तथा विधिक ढांचे को सुदृढ़ बनाने संबंधी सुझावों की भी उन्होंने सराहना की और आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक नीति निर्माताओं तक पहुंचेगी तथा विरासत संरक्षण पर राष्ट्रीय विमर्श को समृद्ध करेगी।

मप्र सरकार के 60 फीसदी उपज खरीदने के फैसले के बाद किसानों का आंदोलन खत्म

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में चल रहे किसान आंदोलन के बीच राज्य सरकार ने प्रत्येक पात्र किसान से 60 फीसदी तक मूंग खरीदी करने का ऐलान किया है। नर्मदापुरम, सीहोर और हरदा जैसे जिलों में लगभग तीन क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी की जाएगी। साथ ही स्लॉट बुकिंग की अवधि 10 अगस्त तक बढ़ा दी है और मूंग खरीदी की अंतिम तारीख 20 अगस्त कर दी गई है। सरकार और किसान प्रतिनिधियों के बीच मंत्रालय में हुई बैठक के बाद किसानों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया है। सरकार और किसान प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनने के बाद किसान अपने-अपने घरों के लिए रवाना हो गए। प्रशासन ने बसों के जरिए किसानों को उनके वाहनों तक पहुंचाया। देर रात तक आंदोलन पूरी तरह समाप्त हो गया। एडिशनल सीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि किसानों ने सहमति जता दी है। इसके बाद प्रशासन ने रोशनपुरा चौराहे से किसानों को बसों के जरिए उनकी गाड़ियों तक पहुंचाकर रवाना किया। बाद में रोशनपुरा चौराहा लगभग खाली हो

गया। बाणगंगा की ओर जाने वाले मार्ग को छोड़कर बाकी रास्ते यातायात के लिए खोल दिए गए। कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों के साथ चर्चा के लिए गठित मंत्री समूह की किसान प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई। किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि अब प्रत्येक पात्र किसान से उसकी मूंग उपज का 25 प्रतिशत नहीं, बल्कि 60 प्रतिशत उपार्जन किया जाएगा, जो नर्मदापुरम, सीहोर एवं हरदा जैसे जिलों में लगभग 3 क्विंटल प्रति एकड़ आता है। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा और प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब किसान 30 जुलाई के स्थान पर 10 अगस्त तक स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। इसी प्रकार उपार्जन की अंतिम तिथि भी 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त की जा रही है। कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार सदैव किसानों के हित में कार्य करती आई है। अन्नदाता प्रदेश की अर्थव्यवस्था और समृद्धि का आधार हैं और उनके परिश्रम से उत्पादित उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है । उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा इस वर्ष ग्रीष्मकालीन मूंग के उपार्जन के लिए मध्य प्रदेश को 4.52 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। भारत सरकार की योजना के अंतर्गत राज्य के कुल उत्पादन का अधिकतम 25 प्रतिशत उपार्जन किए जाने का प्रावधान है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 49 लाख के इनामी आठ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आठ नक्सलियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहयोग से बीजापुर पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार गुप्ता के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में पांच महिला एवं तीन पुरुष कैडर शामिल हैं। इन पर कुल 49 लाख रूपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार दक्षिण जोनल कमेटी और सारंडा सब जोनल कमेटी से जुड़े डीवीसीएम कैडर के तीन पुरुष नक्सलियों 8-8 लाख के इनामी अश्विन उर्फ लच्छू, रंगा उर्फ सोहन एवं दोबा माड़वी उर्फ राहत शामिल हैं। इनके अलावा कोल्हान एरिया कमेटी की सदस्य 5-5 लाख की इनामी फगनी पोयाम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा तथा सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी शामिल हैं। सभी कैडर लंबे समय से प्रतिबंधित

नक्सली संगठन से जुड़े होकर झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय थे। सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव, संगठन की कमजोर स्थिति, पूर्व नक्सलियों के सफल पुनर्वास तथा आदिवासी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर इन्होंने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी 8 नक्सलियों को शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा, स्वरोजगार एवं रोजगार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा इनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए सहयोग भी दिया जाएगा। सुरक्षा बलों ने 28 जुलाई की देर रात धनबाद-गिरिडीह सीमा पर संयुक्त अभियान चलाकर नक्सली संगठन के अंतिम सक्रिय पोलित ब्यूरो एवं सेंट्रल कमेटी सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर को उस समय गिरफ्तार किया था, जब वह अपने साथियों के साथ वाहन से भागने की कोशिश कर रहा था। सुरक्षा टीमों का मानना है कि इस गिरफ्तारी के बाद नक्सली संगठन लगभग खात्में की ओर बढ़ रहा है, जिसके चलते कई नक्सली मुख्यधारा में लौटने का फैसला कर रहे हैं।

नीली से केसरिया हुई भारतीय हॉकी टीम की जर्सी को लेकर बढ़ा विवाद, हॉकी इंडिया ने बताया क्यों बदला रंग

नई दिल्लीट्ठी (एजेंसी)। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें अगले महीने नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले FIH विश्व कप में पारंपरिक नीली जर्सी नहीं बल्कि केसरिया रंग की जर्सी पहनेगी। जर्सी का रंग बदलने के इस फैसले पर विवाद के बाद हॉकी इंडिया ने कहा है कि कोचों और खिलाड़ियों के अनुरोध पर तकनीकी कारणों से यह फैसला लिया गया है। इस फैसले पर हालांकि पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा ने सवाल उठाते हुए कहा है कि हॉकी टीम बरसों से नीली जर्सी में खेलती आई है और प्रशंसक भी उसे इसी रंग में देखना चाहते हैं।

विवाद के बाद हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा, 'यह देखा गया कि नीली जर्सी नीले रंग की एस्ट्रो टर्फ (मैदान की सतह) के साथ घुल-मिल जाती थी जबकि अंतरराष्ट्रीय हॉकी पिचों के लिए नीला रंग ही अब मानक है। इस एक जैसे रंग की वजह से खिलाड़ियों को मैदान पर साफ देखने में दिक्कत होती थी।' इसमें कहा गया 'कोचों और खिलाड़ियों ने पीले या केसरिया जैसे दूसरे रंगों का सुझाव दिया। अच्छी तरह सोच विचार के बाद केसरिया रंग को चुना गया। तकनीकी जरूरत को पूरा करने के अलावा केसरिया रंग का गहरा महत्व भी है क्योंकि यह हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में से एक है और साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।'

इसमें कहा गया, 'कोचों और खिलाड़ियों से तकनीकी फीडबैक मिलने और हमारे राष्ट्रध्वज का रंग होने से इस रंग के सांकेतिक महत्व को देखते हुए यह फैसला किया गया।' जर्सी विवाद के राजनीतिक रंग लेने के बीच हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने स्पष्ट किया कि यह फैसला किसी के कहने पर नहीं बल्कि सिर्फ तकनीकी कारणों से लिया गया। टिर्की ने कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि जर्सी का रंग बदलने के लिए किसी का दबाव नहीं था। यह सिर्फ खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के अनुरोध पर किया जा रहा है। इसका कारण पूरी तरह से तकनीकी है। मैं अनुरोध करता हूं कि टूर्नामेंट से पहले ऐसा कोई अनावश्यक विवाद नहीं हो जिससे टीम और खिलाड़ियों पर असर हो।'

इससे पहले हॉकी इंडिया ने अपने सोशल मीडिया पेज पर नई जर्सी का अनावरण करते हुए कहा कि जर्सी का डिजाइन और रंग एक कहानी बताने और भारत का गौरव दिखाने के लिए है। हॉकी इंडिया ने कहा कि केसरिया रंग साहस, बलिदान और जीत का प्रतीक है। इसने कहा, 'भारत के राष्ट्रध्वज और उगते हुए सूरज से प्रेरित यह जर्सी नयी शुरूआत की प्रतीक है।'

विश्व कप 15 से 30 अगस्त के बीच खेला जाएगा। जर्सी पर 'मंडाला' कला से प्रेरित पैटर्न हैं जो भारत की सांस्कृतिक विरासत दर्शाते हैं। हॉकी इंडिया ने कहा कि इस पर गहरा नेवी ब्लू रंक अशोक चक्र से प्रेरित है जो प्रगति, शांति और फोकस का प्रतीक है। हॉकी इंडिया ने कहा कि छाती पर बना ग्राफिक सुदर्शन चक्र का एक आधुनिक रूप है, जो 'ताकत, एकता और गति' का प्रतीक है। कंधों और बाजुओं पर तिरंगे की पाइपिंग है जो राष्ट्रीय गौरव की द्योतक है। जर्सी के आगे के हिस्से पर देवनागरी लिपि में 'इंडिया' लिखा है जो भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है।

हॉकी इंडिया ने कहा ,'नयी जर्सी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना की परिचायक है।' भारतीय टीम के पास केसरिया के साथ इसी तरह की सफेद जर्सी भी होगी । पूर्व कप्तान रासकिन्हा ने हालांकि जर्सी का रंग बदलने के फैसले पर सवाल किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हॉकी इंडिया ने खेल के लिये बहुत कुछ किया है लेकिन यह निराशाजनक है। भारतीय टीम की विरासत और पहचान नीला रंग रही है। मैने कई साल तक गर्व से नीली जर्सी पहनी है। प्रशंसक हमारी टीम को नीले रंग में देखना चाहते हैं। यह केसरिया रंग का क्या तुक है।' ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट के सीईओ ने कहा, 'मेरा सरल और सीधा प्रश्न अपने गर्व, पहचान और विरासत से जुड़ा है।'

हॉकी इंडिया ने अपने बयान में कहा कि पहले भी जर्सी का रंग बदलता रहा है। इसमें कहा गया, 'भारतीय हॉकी में टीम की जर्सी का रंग बदलने का यह नया मामला नहीं है। समय समय पर राष्ट्रीय टीम की किट का रंग जरूरत के हिसाब से बदलता रहा है।' बयान में कहा गया, '2014 एफआईएच विश्व कप में टीम की जर्सी का रंग पीला था और 2018 में हल्का नीला और बिल्कुल अलग डिजाइन में।'

रूट बने इंग्लैंड के नये टेस्ट कप्तान, फ्लेमिंग बने कोच

लंदन (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज जो रुट इंग्लैंड क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कप्तान बने है। बेन स्टोक्स के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण ये पद खाली हुआ था। वहीं न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को नया कोच बनाया गया है। वह ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेंगे। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने नये कोच और कप्तान के नामों की घोषणा की है। बोर्ड ने रूट को दूसरी बार कप्तानी सौंपी है। ईसीबी ने टेस्ट टीम में हुए बदलाव की पुष्टि की है।स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, जिसके बाद रूट ने अगले मैच में कप्तानी की थी। वहीं सीरीज हारने के बाद मैकुलम को कोच पद से हटा दिय गया था। टीम के नये कोच फ्लेमिंग ने आईपीएल टीम

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद से अंदाजा लगाया जा रहा था कि वह इंग्लैंड के कोच बनाये जा सकते हैं। ईसीबी के साथ उनका चार साल का अनुबंध है। उनका यह कार्यकाल सितंबर 2030 के अंत तक जारी रहेगा। फ्लेमिंग को कोच का अच्छा अनुभव है वह आईपीएल के अलावा द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के मुख्य कोच भी रहे हैं। इसके अलाव कई अन्य लीगों में भी वह कोच रहे हैं।

53 वर्षीय फ्लेमिंग हालांक पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान टीम के साथ नहीं होंगे। उस सीरीज़ में मार्कस ट्रेस्कोथिक अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। सीएसके के साथ 18 साल का लंबा सफ़र समाप्त होने के बाद फ़्लेमिंग फ़िलहाल अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। वह इस गर्मियों के अंत में इंग्लैंड पहुंचेंगे और दिसंबर में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारियों की कमान संभालेंगे।

राष्ट्रमंडल खेल :भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, पांच पदक पक्के हुए

ग्लास्गो (एजेंसी)। भारत के पांच और मुक्केबाजों ने यहां राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी है। इससे भारत के पांच पदक पक्के हो गये हैं। वहीं इससे पहले चार मुक्केबाजों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया था। इससे भारत के कुल नौ पदक पक्के हो गये हैं। भारत के जिन पांच मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनायी है। उनमें अंकुश यादव, साक्षी चौधरी, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और नरेंदर बेरवाल जैसे मुक्केबाज शामिल हैं। इनसे पहले लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलो जबकि प्रिया घंघास ने 60 किलो, प्रीति पंवार ने 54 किलो और जादूमणि सिंह ने 55 किलो वर्ग में अपने पदक पक्के किये थे। इससे मुक्केबाजी में भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर नौ पर आ गयी है।

भारत की साक्षी चौधरी ने 51 किलोवर्ग में उत्तरी आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को 5-0 से हराया। वहीं भारत की ही अरुंधति चौधरी ने 70 किलोवर्ग के एक कड़े मुकाबले में न्यूजीलैंड की मोर्गन हेंडरसन को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष वर्ग की बात करें तो पूर्व विश्व चैंपियन सचिन सिवाच ने 60 किलो वर्ग में बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी को 5-0 से हराया। इससे उनका कांस्य पदक पक्का हो गया है। वहीं पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के रजत पदक विजेता अंकुश यादव ने पुरुष 80 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में सेशेल्स के जेड मिकोक को 5-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नरेंदर बेरवाल ने पुरुष 90 किग्रा से अधिक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में समोआ के माइकल सेको को 3-2 के फैसले में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'उनकी कमी जरूर खलेगी': रहाणे के रिटायरमेंट पर बोले अंडर-17 के दिनों से कोच रहे पूर्व क्रिकेटर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में अजिंक्य रहाणे के योगदान पर गर्व जताते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर और उनके लंबे समय तक कोच रहे प्रवीण आमरे ने अनुभवी बल्लेबाज को उनके इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा पर अपनी बात रखी। रहाणे ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो शेयर करके इंटरनेशनल क्रिकेट और सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट की घोषणा की, जिससे लगभग दो दशक लंबे उनके करियर का समापन हुआ।

आमरे ने कहा कि रहाणे के साथ उनका जुड़ाव तब शुरू हुआ था जब वह अंडर-17 स्तर पर खेल रहे थे और यह मुंबई रणजी टीम में उनके डेब्यू और उनके इंटरनेशनल करियर के दौरान भी जारी रहा। आमरे ने कहा, 'मुझे उनकी कमी जरूर खलेगी। अजिंक्य के साथ मेरा सफर पिछले 18 सालों से चल रहा है। मैं उनके अंडर-17 के दिनों से ही उनका कोच रहा हूं, जिसमें मुंबई रणजी टीम के लिए उनका डेब्यू भी शामिल है। मैंने उनका पूरा सफर देखा है। हालांकि यह दुखद है कि हम उन्हें अब भारतीय जर्सी में या मुंबई के लिए खेलते हुए नहीं देखेंगे लेकिन मुझे टीम इंडिया में उनके योगदान पर बहुत गर्व है।'

कई भारतीय क्रिकेटरों के साथ काम कर चुके आमरे ने खेल के प्रति रहाणे के नजरिए और उनके मजबूत मूल्यों की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'कई भारतीय क्रिकेटरों के साथ काम करने के बाद मैं कह सकता हूं कि एक कोच के तौर पर उनके साथ काम करना बहुत सुखद रहा। उन्होंने हमेशा खेल का सम्मान किया और मजबूत मूल्यों को बनाए रखा, जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है। मुझे उनकी कमी खलेगी, लेकिन मुझे यकीन है कि उनकी 'दूसरी पारी' शानदार होगी।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का यह भी मानना है कि रहाणे में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है और वह दुनिया भर की लीग में खेलना जारी रख सकते हैं। आमरे ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि उनमें अभी भी एक-दो साल का क्रिकेट बाकी है और वह दुनिया भर की विभिन्न लीग में खेल सकते हैं। जब तक उनकी फिटनेस इजाजत देती है, मुझे लगता है कि उनके लिए खेलते रहना बेहतर होगा। उनका विशाल अनुभव (85 टेस्ट मैच और 200 IPL मैचों में 5,000 से ज़्यादा रन) बहुत कीमती साबित होगा। वह एक बेहतरीन कमेंटेटर या कोच बन सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि वह खेल से जुड़े रहेंगे।'

राष्ट्रमण्डल खेल : भारत के मुरली श्रीशंकर ने लंबी कूद में रजत पदक जीता

ग्लासगो ।भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर ने यहां खेले जा रहे राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीता है। मुरली ने पुरुषों की लंबी कूद में 8.09 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक हासिल किया। मुरली का ये राष्ट्रमण्डल खेलों में दूसरा पदक है।इससे पहले साल 2022 में भी मुरली ने इन खेलों में रजत पदक जीता था। मुरली के इस पदक के साथ ही इन खेलों में भारत के अब 13 पदक हो गये हैं। मुरली की ये जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि साल 2024 में उन्हें एक गंभीर चोट लगी थी। जिससे वह पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए थे।इसके बाद भी श्रीशंकर ने रिहैब और कड़ी मेहनत के बाद वापसी करते हुए पदक जीता है। स्वर्ण पदक जमेका के ताजे गेल ने 8.15 मीटर की छलांग लगाकर जीता जबकि मेजबान स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंजी ने 8.08 मीटर के प्रयास के साथ ही कांस्य पदक जीता। श्रीशंकर केवल 0.06 मीटर से स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पाये।वहीं श्रीशंकर के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर करीब 10 पदक पक्के किये हैं। छह मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ये राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारतीय मुक्केबाजी का अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन है।मुक्केबाज अंकुश यादव के अलवा महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने जीत दर्ज की. वहीं अरुंधति चौधरी अेर सचिन सिवाच ने भी अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते हैं।

बांग्लादेश टी20 के साथ ही एकदिवसीय टीम के भी कप्तान बने लिटन दास

ढ़ाका ।अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज बांग्लादेश क्रिकेट टीम के नये एकदिवसीय और टी20 कप्तान बनाये गये हैं।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा कि अब तक टी20 टीम की कप्तानी कर रहे लिटन को अब एकदिवसीय की कमान भी दी गयी है। लिटन को ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज की जगह कप्तान बनाया गया है।मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने अक्टूबर 2025 से जून 2026 के बीच लगातार चार एकदिवसीय सीरीज़ जीती थी। इसके बाद भी उन्हें कप्तानी से हटाये जाने से सभी हैरान हैं। इसका कारण ये माना जा रहा है कि जुलाई 2026 में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में बांग्लादेश टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।आंकड़ों पर नजर डालें तो मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने कुल 24 एकदिवसीय मैच खेले हैं।इसमें से 10 में जीत और 13 में हार मिली थी।पिछले पांच में से चार सीरीज़ जीतने के बाद भी जिम्बाब्वे से मिली हार को बोर्ड सहन नहीं कर पाय। इसी कारण कप्तानी में बदलाव किया गया है। बीसीबी के अध्यक्ष तमीम इकबाल ने इस बड़े बदलाव के पीछे बोर्ड की सोच को स्पष्ट करते हुए कहा कि बोर्ड अब दो कप्तानों वाले मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बीसीबी का मानना है कि तीनों प्रारुपों में तीन अलग कप्तानों के बजाय एक सफेद गेंद (एकदिवसीय और टी20) का और एक लाल गेंद (टेस्ट) का कप्तान होना सबसे सही रास्ता है। इस नई व्यवस्था के तहत लिटन अब सफेद गेंद के कप्तान होंगे, जबकि नजमुल हुसैन शांतो टेस्ट टीम के कप्तान रहेंगे।युवा बल्लेबाज़ तौहीद हृदॉय को सीमित ओवरों का नया उप-कप्तान बनाया गया है, वहीं टेस्ट उप-कप्तानी की जिम्मेदारी मेहदी हसन मिराज के पास ही बरकरार रहेगी।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में इन खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है भारतीय टीम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए जो टीम घोषित की गयी है। उसमें युवा और अनुभवी दोने ही तरह के खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूसीटी) 2027 फाइनल के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए इसमें जीतना जरुरी है। इसी सीरीज के लिए जो टीम बनायी गयी है। उसमें अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट में शामिल सभी खिलाड़ियों को बनाये रखा गया है। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में इन खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है।

सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी उतर सकती है। यश्स्वी पहली बार श्रीलंकाई धरती पर पर टेस्ट खेलेंगे। उनके आंक्रामक अंदाज से भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत मिल सकती है। यशस्वी के जोड़ीदार प-कप्तान केएल राहुल संभलकर खेलते हुए पारी को संतुलन प्रदान करेंगे। वहीं मध्य क्रम में युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर अवसर मिल सकता है। चौथे नंबर पर कप्तान शुभमन गिल उतरेंगे। शुभमन इस समय अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ टीम को मिल सकता है। वहीं वापसी कर रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर उतरेंगे। उनक प्रयास अच्छी बल्लेबाजी कर टीम में जगह पक्की करना हरेगा। खराब फिटनेस और फार्म के कारण वह पहले ही सीमित ओवरों की टीम से बाहर हो गये हैं। वहीं विश्व के नंबर 1 टेस्ट ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। जडेजा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और गेंद व बल्ले से किये प्रदर्शन से टीम को संतुलन देंगे। ध्रुव जुरेल को भी अंतम ग्यारह में जगह मिलना तय है। जुरेल ने हाल ही में श्रीलंका में 'इंडिया ए' के लिए खेलते हुए एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था।

श्रीलंका की पिचों पर स्पिनरों की अहम भूमिका होती है, ऐसे में भारतीय टीम तीन प्रमुख स्पिनरों के साथ मैदान में उतर सकती है। बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने अपने टेस्ट डेब्यू में 7 विकेट लिए थे। उन्हें भी अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। स्पिन आक्रमण की कमान अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव करेंगे जबकि रवींद्र जडेजा तीसरे प्रमुख स्पिन विकल्प होंगे। तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व दुनिया के नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह करेंगे, बशर्ते वह पूरी तरह फिट हों। बुमराह ने अपना आखिरी टेस्ट नवंबर 2025 में खेला था, और उनकी वापसी से भारतीय गेंदबाजी को जबरदस्त मजबूती मिलेगी। उनका साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज दूसरे तेज गेंदबाज होंगे, जो 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत के सबसे सफल गेंदबाज हैं।

आशुतोष के नाम है घरेलू क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई ।टी20 क्रिकेट में सबसे तेज़ अर्धशतक की बात करे तो अधिकतर प्रशंसकों की नजरें आक्रामक ऑलराउंडर युवराज सिंह की ओर जाती हैं पर ये सही नहीं घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड युवराज नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा के नाम है।आशुतोष ने साल 2023 को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रेलवे की ओर से खेलते हुए यह ऐतिहासिक रिकार्ड अपने नाम किया था। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने केवल 11 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया जबकि युवराज ने 12 गेंदों में ये कारनामा किया था।इस के साथ ही आशुतोष भारत के लिए सबसे तेज़ टी20 अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे।इस पारी के दौरान आशुतोष ने मैदान के चारों ओर चौकों और छक्के लगाये जिससे विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं मिला। उनकी इस विस्फोटक पारी से रेलवे ने एक विशाल स्कोर बनाया।उनकी यह पारी टी20 फॉर्मेट की तेजी और अनिश्चितता का बेहतरीन उदाहरण है, जहां कोई भी बल्लेबाज किसी भी पल मैच का रुख पलट सकता है।

राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष और महिला टीमें , मलेशियाई टीमों से होगा मुकाबला

नई दिल्ली ।भारतीय पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीम जीत के साथ ही यहां जारी 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गयी है।इस प्रकार भारत को दो पदक मिलने तय हो गये हैं।बुधवार को खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में इन दोनो ने इंग्लैंड की टीमों को हराया।अब खिताबी मुकाबले में इन टीमों का मुकाबला मलेशिया से होगा। पुरुष टीम ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल में आसानी से 3-0 से हराया।पहले मुकाबले में युवा खिलाड़ी मनुष शाह ने कॉनर ग्रीन को 11-9, 11-9, 11-6 से से हराकर टीम को अच्छी शुरुआत दी।इसके बाद मानव ठक्कर ने चोट के बाद भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए जोसेफ हंटर को 11-8, 11-4, 11-5 से हराकर भारतीय टीम की बढ़त बढ़ी दी। हरमीत देसाई ने बेंजामिन पिगॉट को 11-5, 11-5, 11-5 से पराजित कर टीम की जीत पक्की कर दी।भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी

दूसरी ओर भारतीय महिला टीम को जीत के लिए जमकर संघर्ष करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला ने चियुक लाम जैस्मिन वोंग को 11-6, 11-3, 11-9 से हराकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी।टिन-टिन हो ने यशस्विनी घोरपड़े को 11-9, 11-6, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।इसके बाद, सिंड्रेला दास ने ऐना ग्रीन को 11-7, 11-4, 11-9 से हराकर भारत को एक बार फिर बढ़त दिलाई। चौथे और निर्णायक मुकाबले में, श्रीजा अकुला ने टिन-टिन हो के खिलाफ पांच गेम तक चले एक बेहद रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की।श्रीजा ने 11-8, 5-11, 11-6, 8-11, 11-9 के स्कोर से ये मुकाबला अपने नाम कर भारतीय टीम को 3-1 से बढ़त दिला दी।

बुमराह अपनी फिटनेस बनाये रखने के लिए स्वयं उपाय करें : मैक्ग्रा

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर संघर्ष करते रहे हैं।उनके लगातार चोटिल होने का खतरा बना रहता है जिससे भारतीय टीम को भी नुकसान होता है।श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा।वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा है कि बुमराह को अपना ध्यान स्वयं रखना होगा।मैक्ग्रा ने कहा कि बुमराह को अपनी फिटनेस बनाये रखने और अपने करियर को लंबा करने का तरीका स्वयं तलाशना होगा।मैक्ग्रा ने कहा, यह बुमराह पर ही निर्भर करता है कि वे क्या चाहते हैं।वे अभी युवा हैं, इसलिए उन्हें अपनी पारी को लंबा खींचने का कोई तरीका ढूंढना होगा।मैक्ग्रा ने बुमराह की चोटों का जिक्र करते हुए उन्हें एक बेहतरीन गेंदबाज बताया।उन्होंने कहा कि बुमराह को यह तय करना होगा कि वे टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं या सिर्फ टी20 खेलना चाहते हैं। यह उनके शरीर और गेंदबाजी एक्शन पर भी निर्भर करेगा, क्योंकि जो गेंदबाज अपनी बांह को अधिक खींचते हैं, वे उस जोड़ पर थोड़ा ज्यादा दबाव डालते हैं।मैक्ग्रा ने सभी तेज गेंदबाजों से आग्रह किया कि वे बार-बार होने वाली चोटों से बचने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने के बजाय तेज गेंदबाजी से जुड़े तनाव को स्वीकार करना सीखें। उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि आजकल तेज गेंदबाजों को बहुत ज्यादा सुरक्षा दी जाती है।मैक्ग्रा ने समझाया, तेज गेंदबाज होना खेल की प्रकृति है।यह स्वाभाविक क्रिया नहीं है, इसलिए चोटें खेल का हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा कि तेज गेंदबाजों को बहुत ज्यादा सुरक्षित रखने के बजाय, उन्हें तेज गेंदबाजी के दबाव से भी ज्यादा मजबूत होना चाहिए।उनका मानना है कि महीनों तक रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम करने से फिटनेस और ताकत कम हो जाती है, जिसकी भरपाई में लंबा समय लगता है।मैक्ग्रा ने बताया कि 1993 से 2007 तक के अपने लंबे टेस्ट करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कमर की गंभीर चोट लगी थी।उन्होंने कहा, जब मेरी कमर की मांसपेशी फट गई, तब मेरा वजन बहुत कम था।मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं यही करता रहा, तो मैं ज्यादा समय तक नहीं टिक पाऊंगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : 'हालात जैवलिन थ्रोअर के लिए अच्छे नहीं हैं', फाइनल में पहुंचकर नीरज चोपड़ा का बड़ा बयान

मुम्बई (एजेंसी)। ग्लासगो - कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) फाइनल में 79 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ अपनी जगह पक्की करने के बाद भारत के ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने माना कि ठंड और तेज हवाओं ने मुकाबले को मुश्किल बना दिया था। हालांकि उन्होंने नतीजे पर खुशी जताई और कहा कि फाइनल बहुत जबरदस्त होगा जिसमें दुनिया के कई बेहतरीन थ्रोअर हिस्सा लेंगे।

क्वालिफिकेशन पक्का करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि उनका मुख्य मकसद बहुत लंबा थ्रो करने के बजाय मेडल राउंड में पहुंचना था। क्वालिफ़ाइंग राउंड में पांचवें स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कहा, 'बहुत ठंड थी और हवा भी चल रही थी, लेकिन थ्रो ठीक था - 79 मीटर का थ्रो। मकसद फाइनल में पहुंचना और वहां अपना बेस्ट देना था, इसलिए मैं इस थ्रो से खुश हूं।' भारतीय स्टार ने बताया कि हवा के अनिश्चित रुख की वजह से एथलीटों के लिए क्वालिफिकेशन के दौरान अपने अप्रोच और रिलीज का अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल हो गया था और कोई भी प्रतियोगी ऑटोमैटिक क्वालिफाइंग स्टैंडर्ड तक नहीं पहुंच पाया।

चोपड़ा ने आगे कहा, 'हालात जैवलिन थ्रोअर के लिए अच्छे नहीं हैं। सिर्फ ठंड ही नहीं, बल्कि हवा भी बहुत तेज चल रही है। हवा सामने से भी नहीं आ रही थी, कभी-कभी यह साइड से आती है। यह तय करना बहुत मुश्किल होता है कि हमें कहां फेंकना है। कभी-कभी हम सोचते हैं, 'ठीक है, हम वहां फेंकेंगे', लेकिन तभी हवा दूसरी तरफ से आ जाती है। और आज कई थ्रोअर संघर्ष कर रहे हैं। किसी ने भी ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को नहीं छुआ। हालात मुश्किल थे, लेकिन हमें खुशी है कि तीनों भारतीय फाइनल में हैं।'

तीनों भारतीय जैवलिन थ्रोअर फाइनल में पहुंच गए हैं, जिससे देश को खिताब के फैसले वाले मुकाबले में कई मेडल की उम्मीदें हैं। फाइनल की ओर देखते हुए चोपड़ा ने मुकाबले में शामिल खिलाड़ियों की मजबूती को माना, जिसमें दुनिया के कई बेहतरीन एथलीट और पेरिस ओलंपिक के साथी मेडलिस्ट शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'हां, यह बहुत जबरदस्त मुकाबला होने वाला है। जैवलिन थ्रो जैसे इवेंट के लिए, यह सच में एक बहुत अच्छा फाइनल होगा। उम्मीद है कि कल हालात ठीक रहेंगे। सभी अच्छी फॉर्म में दिख रहे हैं। देखते हैं कल क्या होता है।'

चोपड़ा ने श्रीलंका के उभरते हुए टैलेंट रुमेश की भी तारीफ की और कहा कि इस युवा खिलाड़ी का आगे आना दक्षिण एशिया में जैवलिन थ्रो के बढ़ते स्तर को दिखाता है। उन्होंने कहा, 'वह इस खेल में नया है, एक उभरता हुआ स्टार है। वह बहुत अच्छा थ्रो करता है। वह मेरा अच्छा दोस्त है। इस साल उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छी बात है कि हमारे पड़ोस में जैवलिन का खेल बढ़ रहा है। अच्छा लगता है कि उसने श्रीलंका के लिए कुछ शानदार किया है।'

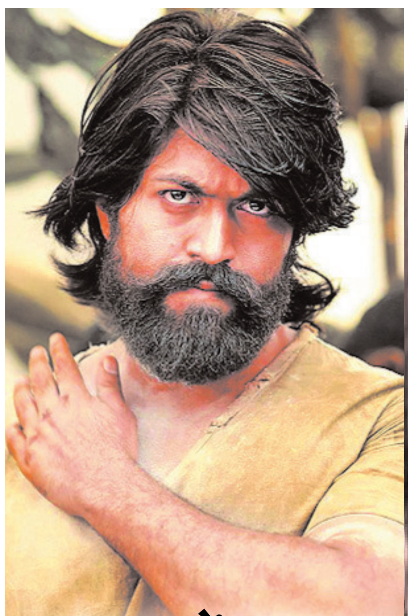

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर यश ने की बात

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, 'किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, 'भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है।' यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, 'वह कई कलाओं का ज्ञानी था।' यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार 'अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया।' यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था। उन्होंने खुद से पूछा, 'एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है?' निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, 'मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज़ से ज्यादा जरूरी था।'

टेलीविजन में काम करना आसान नहीं, यहां कलाकारों को कम समय में अपना बेस्ट देना होता है

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

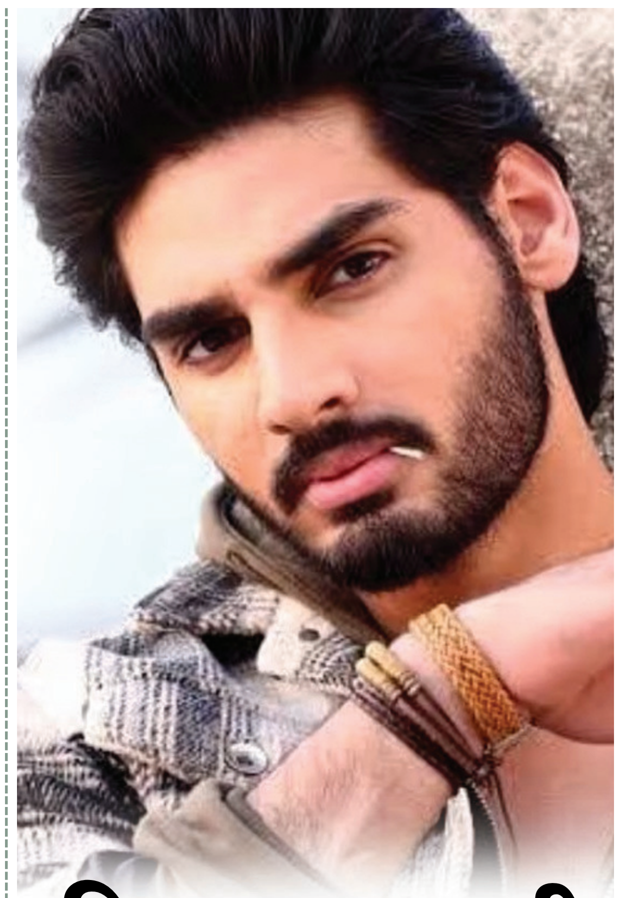

विक्रम भट्ट की '1920: कोल्ड...' से जुड़े अहान शेट्टी

अहान शेट्टी अब अपने करियर में नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने निर्देशक विक्रम भट्ट की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म '1920 : कोल्ड विंटर' के लिए हामी भर दी है। यह अहान के करियर की पहली हॉरर फिल्म होगी। 'तड़प' से रोमांटिक-एक्शन हीरो के रूप में शुरुआत करने वाले अहान हाल ही में 'बॉर्डर 2' में भी दिखे थे। अब वह अलग-अलग जॉनर में खुद को साबित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, इस खबर पर अभी तक मेकर्स या एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है विक्रम की फिल्म

'1920 : कोल्ड विंटर' फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। सूत्रों का कहना है कि अहान अपनी फिल्मोग्राफी को सीमित दायरे में नहीं रखना चाहते और इसी वजह से उन्होंने हॉरर जैसे जॉनर में दिलचस्पी दिखाई है। माना जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार अब तक निभाए गए रोल्स से अलग होगा।

फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश जारी

फिल्म के निर्माण से जुड़े सूत्रों का दावा है कि विक्रम और निर्माता आनंद पंडित इन दिनों फिल्म की लीड एक्ट्रेस की तलाश में हैं। मेकर्स किसी नए चेहरे के बजाय ऐसी एक्टेस को कास्ट करना चाहते हैं, जिसकी इंडस्ट्री में अच्छी पहचान हो। अगर सभी तैयारियां तय समय पर पूरी हो जाती हैं, तो फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू किए जाने की प्लानिंग है।

फिल्म की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी

शूटिंग शुरू होने से पहले निर्माता-निर्देशक की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी। इसके बाद फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग शिमला की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशंस पर भी किए जाने की संभावना है। मेकर्स का मानना है कि इन स्थानों का माहौल फिल्म की सुपरनैचुरल कहानी को और प्रभावशाली बनाएगा।

'खलीफा' से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं मालविका शर्मा

मालविका शर्मा मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत फिल्म 'खलीफा' से करने जा रही हैं। यह एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और मोहनलाल जैसे दिग्गज कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वैशाख ने किया है, जबकि इसकी कहानी जिनु अब्राहम ने लिखी है। यह फिल्म 20 अगस्त 2026 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। निर्माताओं ने 'खलीफा' को दो पार्ट वाली फ्रेंचाइज के रूप में तैयार करने की योजना बनाई है। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिनकी शूटिंग लंदन, दुबई, केरल और नेपाल सहित कई देशों और लोकेशंस पर की गई है। फिल्म का पहला लिरिकल वीडियो 21 जुलाई यानि आज शाम 6 बजे रिलीज किया जाएगा। इसके साथ जारी टैगलाइन 'बदला सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा' कहानी के गंभीर और नाटकीय अंदाज की झलक देती है। बता दें कि मालविका इससे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों 'नेला टिकट', 'भीमा' के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। वहीं, वैशाख और पृथ्वीराज की जोड़ी 'पोक्किरी राजा' के बाद दोबारा साथ आई है, जबकि लेखक जिनु अब्राहम मोहनलाल के साथ तीसरी बार काम कर रहे हैं।

'वाराणसी' मेरी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसके साथ प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म अप्रैल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी। हाल ही में प्रियंका ने बताया कि वह पिछले 14 महीनों से इस फिल्म पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजामौली अपनी फिल्मों पर काफी समय देते हैं और 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर बेस्ड फिल्म है। प्रियंका ने बताया कि फिल्म में उन्होंने कई स्लो मोशन एक्शन सीक्वेंस भी किए हैं। इसके अलावा अपने एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है। प्रियंका ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म साइन करते समय उन्होंने राजामौली से कहा था कि भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं, इसलिए वह एक डांस सॉन्ग जरूर करना चाहती हैं।

लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं आरजे महविश

कुछ लोग करियर में आगे बढ़ने के लिए हुनर के साथ खुशामद भी सीख लेते हैं लेकिन आरजे महविश उस स्कूल की छात्रा कभी नहीं रहीं। शायद, यही वजह रही कि बॉस के लिए भिंडी ना लाने वाली यह लड़की कई बार दूसरों से पीछे रह गई, लेकिन रुकी नहीं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के चुनावों से लेकर एक राजनीतिक दल के टिकट के प्रस्ताव तक, उन्होंने कई मोड़ करीब से देखे पर अपनी शर्तों पर फैसले लिए। रेडियो, लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं, जहां किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि जीने की कोशिश करती हैं।

एक पॉलिटिकल पार्टी का ऑफर भी आया था

रेडियो और डिजिटल में मैंने अपनी खुद की आवाज, लहजा और भाषा क्रिएट की। वहीं, जब ऐक्टिंग में कोई किरदार निभाती हूं तो उसका बदलाव सारा कहानी में दर्ज होता है। किरदार को जो भी ऐक्टर जितना घोंटकर पी सकता है, जितनी उस पर रिसर्च हो सकती है, करनी चाहिए। मैं अलीगढ़ में जब रहती थी, तब भी सही-गलत बहुत साफ-साफ दिखता था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मैं इलेक्शन में खड़ी हुई थी। यह बहुत कम लोगों को पता है। फिर मुझे बाद में एक पार्टी का टिकट भी आया था। फिर वो कहानी चली और कुछ और हो गई। वहां लड़ाइयां-झगड़े ज्यादा बढ़ गए। उसमें मेरे भाई को गोली लग गई थी। मैंने उस दिन से कभी पॉलिटिक्स में दोबारा कदम नहीं रखा। मैं अपने पर खतरा ले सकती हूं लेकिन घरवालों पर नहीं। वो सच्चाई को ना छुपाने वाला कीड़ा होता है ना वो मुझमें है।

बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा

ऐक्टिंग में आकर मुझे सबसे पहले बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा क्योंकि प्रोडक्शन में बहुत बजट का टेंशन होता है। प्रोडक्शन के साथ जब मैं ऐक्टिंग कर रही होती थी तो मुझे ऐसा लगता था कि बार-बार लाइट जा रही है, जनरेटर चल रहा है, बजट बढ़ जाएगा, लोकेशन का खर्चा बढ़ रहा है, वैनिटी वैन तीन-तीन लगवा दीं, ये क्या हो रहा है। मुझे सबसे पहले यही अनलर्न करना पड़ा क्योंकि बिहाइंड द सीन्स में मैं बजट में फंसी रहती थी। वो अनलर्न करके मैंने 'सतरंगी' में फाइनली पूरी खुलकर ऐक्टिंग की है। हालांकि, इसे करते वक्त मेरे अंदर जिम्मेदारी का डर था। मुझे जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा मौका मिला। मुझे ऐसा किरदार और कहानी मिली, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं बल्कि एक सोशल मेसेज भी देती है। इससे आप सोसायटी में चेंज भी ला सकते हैं। अगर एक फैमिली भी बैठकर सीरीज पर चर्चा करती है तो यह मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट होगी।

फॉलोअर्स, फॉलोअर्स नहीं फैन हैं

रील्स के बाद असली ऐक्टिंग की दुनिया में आने पर मुझे लगा था कि दुनिया के सामने खुद को साबित करना पड़ेगा। असल में, एक क्रिएटर के सारे एक्सप्रेशंस बहुत ज्यादा बाहर होते हैं, जो लोगों को दिख चुके होते हैं। एक प्रोड्यूसर के लिए हैपी न्यूज है कि कोई क्रिएटर ऐक्टिंग करे। अगर ऑडियंस तक अपने जज्बात पहुंचा पाए तो आप ऐक्टर हैं। मेरे खयाल से यह बड़ी गुड न्यूज है कि अगर ऐक्टर अपने साथ ऑडियंस भी ला रहा है। वो पैसा रिकवर कर सकता है। वो कहते हैं ना कि पांच जानने वालों को अगर कॉल करें तो वो आकर नहीं खड़े होते हैं लेकिन मेरी एक स्टोरी पर पांच लाख अंजान लोग आकर खड़े हो जाते हैं। वो कम्युनिटी बहुत मेहनत से बिल्ड होती है। जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं। हालांकि, ऐक्टिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन बहुत अलग-अलग स्किल्स हैं। अगर स्किल सीखकर आ रहे हैं तो ही फायदा है, वरना नहीं।

कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है

रेडियो में आवाज से तो ऐक्टिंग में हाव-भाव और आंखों से इमोशन पहुंचता है। मेरे लिए दोनों ही मीडियम बहुत ईमानदार हैं। रेडियो में आप ऑडियंस से सीधे कनेक्ट होते हैं। अगर मैं किसी को फोन लगाकर कुछ पूछूंगी तो मुझे उनके जज्बात तुरंत मिल जाएंगे। उस पर मैं अपना रिएक्शन दे सकती हूं। ऐक्टिंग में पूरी कहानी किसी के द्वारा सोची गई होती है, जिसे सच करके दिखाना होता है। वो थोड़ी दिक्कत होती है क्योंकि रेडियो रिएलिटी है और ऐक्टिंग एक पूरी कल्पना है। मेरे हिसाब से कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है। उसमें इमैजिन करके घुसना होता है। हालांकि, राइटर के तौर पर मेरे लिए चीजें आसान हो जाती हैं क्योंकि मैंने 2012 में खुद दो किताबें लिखी हैं। मैंने वो कल्पना वाली जिंदगी जी है इसलिए ऐक्टिंग भी मेरे लिए आसान है।

बाथ टब में नहाओ

जब बच्चे बाथ टब में नहाते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। आप भी अपने बच्चों को बाथ टब में नहलाइये फिर देखिए कितना आनंद आता है।

बच्चों को अगर पानी मिल जाए तो बात ही क्या है। ऐसा कोई बच्चा नहीं होता जिसे पानी में छई-छप-छई करना अच्छा नहीं लगता। समय के अभाव में हम सभी को रोज-रोज बच्चों को वॉटर पार्क ले जाने का भी समय नहीं निकलता। ऐसे में बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर में अगर पानी के बड़े-बड़े टब मिल जाएं तो क्या कहने। इससे खेलने का खेलना भी हो जाता है और बाहर भी नहीं निकलना पड़ता। यह बाथिंग टब आपको कहीं भी मिल जाएंगे। इन दिनों बच्चों के रंगीन बाथिंग टब को आप सड़क किनारे कहीं भी देख सकते हैं। इन रंगीन टब को देखते ही बच्चों के चेहरे खिल जाते हैं।

बाथ टब के फायदे

बाथ टब में नहाने से एक तो बच्चों को पानी में छपा-छई करने का मौका मिलता है वहीं दूसरी ओर अपने फेवरेट कार्टून केरेक्टर के साथ खेलने का भी। एक तरह से यह मिनी स्विमिंग पुल होता है। बाथ टब में नहाकर छोटे बच्चे घर में ही वॉटरपार्क का लुत्फ उठा सकते हैं। बाजार में आपको बाथ टब 400 रुपए के शुरुआती दाम से 1500 रुपए तक की कीमत में आसानी से मिल जाएगा। घर में यह टब होने से आपके बच्चे मनभर कर पानी खेल सकते हैं। इन टब को आप अपने घर के स्पेस के अनुसार खरीद सकते हैं। साथ ही फोल्डेबल होने पर इन्हें आप उठा कर रख भी सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियां हो सकती हैं।

चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का गौरव प्राप्त है।

दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना ज्यादा।

नील नदी की लंबाई (650 किलोमीटर) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 किलोमीटर) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एमडीएच का पूरा नाम महाशियां दी हट्टी है।

संयुक्त अरब अमीरात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।

तेनाली राम के किस्से

जासूस सेवक

राजा कृष्णदेव की सेना ने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। उनके वर्चस्व से घबराकर बीजापुर के सुल्तान ने अपने एक सेवक को जासूस बनाकर विजयनगर भेजा। उस जासूस की योजना थी कि राजमहल में ही राजा की हत्या कर दी जाए। इसके लिए ब्राह्मण का भेष धरा। राजमहल में दरबार लगा था। तिलकधारी ब्राह्मण धारा-प्रवाह संस्कृत के श्लोकों से सभी को प्रभावित कर रहा था। कृष्णदेव तो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्राह्मण को अपने महल में ही ठहरने का स्थान दे दिया। तेनाली को यह सब उचित नहीं लगा। वे उस समय तो कुछ नहीं बोला मगर उस ब्राह्मण पर नजर रखने लगा। कुछ ही दिनों में तेनाली को ऐसा संकेत मिल गया कि वह ब्राह्मण राजा के विषय में व्यक्तिगत जानकारियां ले रहा है। तेनाली ने राजा को सचेत किया। एक बार ब्राह्मण की अनुपस्थिति में उसके कमरे की सफाई करते समय तेनाली भी वहां मौजूद था। उसने देखा और पूरा विश्वास हो गया कि यह ब्राह्मण के भेष में कोई जासूस है। तेनाली ने राजा से कहा-महाराज! ब्राह्मण, ब्राह्मण नहीं है।' राजा ने पूछा-'क्या मतलब?' 'यही कि महाराज यह कोई अन्य धर्म का मानने वाला है। यह आपसे छल कर रहा है,' तेनाली बोला। 'यदि तुम यह सिद्ध कर दो तो तुम्हें पुरस्कार मिलेगा', राजा ने कहा। उसी दिन तेनाली और राजा ने रात के समय उस ब्राह्मण के कमरे में प्रवेश किया। एक सैनिक भी उनके साथ था जिसके हाथ में गरम पानी की बाल्टी थी। तेनाली के आदेश पर सैनिक ने गरम पानी की बाल्टी को ब्राह्मण पर उड़ेल दिया। वह लगा उछलने और 'अल्लाह-अल्लाह' चिल्लाने लगा। राजा समझ गए यह बीजापुर के सुल्तान का जासूस है जो भेष बदलकर यहां छिपा हुआ था। राजा को देखते ही जासूस ने उन पर वार किया जिसे राजा के सैनिक ने अपनी तलवार पर रोक लिया। राजा ने एक ही वार से जासूस का वध कर दिया। अगली प्रातः पूरे नगर में चर्चा थी कि तेनाली के कारण राजा की जान बच गयी।

इन बातों का रखो ध्यान

तुम किसी के भी घर जाते हो तो सबसे पहले वहां के लोग तुम्हारी एक्टिविटीज से तुम्हारे बेसिक मैनर्स को समझ जाते हैं। तभी तो कई लोगों को तुमने कहते सुना होगा कि वह बच्चा कितना समझदार है, उसके पेरेंट्स ने उसे कितने अच्छे मैनर्स सिखाएं हैं। इसलिए यह जरूरी है कि तुम्हें भी सभी बेसिक मैनर्स आएं, जिससे सब तुम्हारी और तुम्हारे मम्मी-पापा की तारीफ करें। तो कहीं भी जाओ, इन बातों का ध्यान रखो-

अगर किसी के कमरे का दरवाजा बंद है तो पहले दरवाजे पर नॉक करो और जवाब आने का इंतजार करो, फिर ही कमरे में घुसो।

अगर तुम्हें किसी से कुछ लेना है तो पहले सामने वाले से पूछो। खुद से उस वस्तु को मत उठा लो। हां, उसे वह चीज वापस करने का वादा भी करो। इस बात का भी ध्यान रखना कि टाइम पर चीज को वापस कर दो।

किसी की परमिशन के बिना उसकी पर्सनल चीजों को मत छेड़ो या खोलकर देखो। ये बहुत ही बुरी आदत मानी जाती है।

किसी की डायरी या खत मत पढ़ो।

घर की बातों को घर में ही रखो। अगर मम्मी-पापा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है या घर का बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है या आपका भाई पढ़ने में अच्छा नहीं है, इस तरह की बातों को दूसरे के सामने मत बोलो।

सबसे जरूरी है कि अपना काम खुद ही करो। बाथरूम, टॉयलेट, किचन और टीवी रूम से निकलने से पहले उसे पहले की तरह साफ करके निकलो। पूरे घर में जूठे बर्तन मत फैलाओ। अपनी भीगी तौलिया खुद धूप में डालो।

पब्लिक प्लेस पर किसी का मजाक मत उड़ाओ। इससे सामने वाले को बहुत दुख होता है। मजाक उड़ाने से पहले ये जरूर सोचो कि अगर कोई तुम्हारा मजाक बनाएगा तो तुम्हें कैसा लगेगा।

मिक्की और डोनाल्ड सिखाएंगे अंग्रेजी

डिजनी के फेमस कार्टून कैरेक्टर मिक्की माउस और डोनाल्ड डक अब सिर्फ बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें शिक्षा भी देंगे। मिक्की माउस और डोनाल्ड डक को चीन के बच्चों को अंग्रेजी सीखाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के जरिए हर साल तकरीबन डेढ़ लाख बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजनी पब्लिशिंग वर्ल्डवाइड के रसेल हैम्पटन ने बताया कि कार्टून कैरेक्टर से अंग्रेजी सिखाने का फंडा काफी लाभदायक साबित हो रहा है। दुनिया भर में चीन में सबसे अधिक अंग्रेजी शिक्षण के प्राइवेट सेक्टर खुल रहे हैं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर चीन के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने का प्रोजक्ट शुरू किया गया है। अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चों को इसका ज्ञान देना पैरेंट्स के लिए जरूरी हो गया। आमतौर पर अंग्रेजी के ट्यूशन पर काफी खर्चा आता है और इसके साथ ही बच्चों को घर से बाहर भी जाना पड़ता है, लेकिन अब कार्टून कैरेक्टर के जरिए बच्चे बिना किसी खर्च के घर बैठे अंग्रेजी सीख पाएंगे। इससे बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को काफी सहूलियत होगी।

कृत्रिम पत्ती बनाएगी बिजली

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के दल ने सिलिकॉन, इलेक्ट्रॉनिक्स, निकल और कोबाल्ट जैसे विभिन्न उत्प्रेरकों की सहायता से एक ऐसी कृत्रिम पत्ती का निर्माण किया है, जो सूरज की रोशनी और पानी से ऊर्जा पैदा करती है।

दरअसल, यह पत्ती सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करके पानी को उसके घटकों हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ देती है, जिनका इस्तेमाल बिजली पैदा करने में किया जा सकता है। इन पत्तियों की सहायता से भारत जैसे विकासशील देश में एक घर की प्राथमिकता जरूरत भर की बिजली पैदा की जा सकती है।

जरूरत की बिजली

इस दल का लक्ष्य अब कम से कम कीमत वाला एक ऐसा उपकरण बनाने का है, जिसे कोई भी अपने घर की छत पर या आसपास लगाकर प्राथमिक जरूरत की बिजली प्राप्त कर सके। जापान में सुनामी आने के बाद जिस तरह परमाणु विकिरण फैला, उससे सभी देशों में परमाणु संयंत्रों के खतरे को लेकर चीख पुकार मची हुई है और जर्मनी जैसे देशों ने तो परमाणु संयंत्रों की स्थापना को लेकर अपने कान पकड़ लिए है। इस पृष्ठभूमि में नई खोज एक वरदान की तरह सामने आई है।

खतरा भी ज्यादा

कोयले के भंडारों के कम होने और जल विद्युत के उत्पादन से होने वाले नुकसान, बल्कि पर्यावरणीय खतरे को ध्यान में रखते हुए दुनिया परमाणु ऊर्जा के विकल्प की ओर गई है, जो अपेक्षा स्वच्छ मानी जाती है, लेकिन इसका खतरा सभी तरह से ऊर्जा के मुकाबले कहीं ज्यादा है। ऐसे में सौर ऊर्जा ओर पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों पर दुनिया भर में ध्यान दिया जा रहा है।

बदल जाएगी किस्मत

कृत्रिम पत्ती के जरिए इस तरह वैकल्पिक ऊर्जा तैयार करने से दुनिया की किस्मत बदल जाएगी और तेज गति से आर्थिक विकास कर रहे भारत और चीन को तो सुदूर बसे अपने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से खास फायदा होगा। तब गांव-कस्बे के हर घर का अपना पावर-हाउस होगा। आकाश में बिजली के तड़कने से ही इतनी बिजली पैदा होती है कि दुनिया को उसका संरक्षण करना आ जाए तो वर्षों तक बिजली की कमी नहीं रहेगी।